ARISE WITH VIRTUES

BHAVDIYA

अभ्युदय

Scan QR code to review us on

Google

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स

BHAVDIYA GROUP OF INSTITUTIONS

(ISO 9001:2008 Certified Institution)

Scan QR code to review us on

facebook

वर्ष : 14 अंक : 07 सत्र : 2024-25

प्रबन्ध एवं प्रशासनिक मण्डल

एम. एल. वर्मा
प्रबन्ध निदेशक
प्रतिष्ठित व्यवसायी

इं. पी. एन. वर्मा
अध्यक्ष
पूर्व मण्डल अभियन्ता
दूर संचार विभाग

डॉ. अवधेश कुमार वर्मा
सचिव
समाजसेवी व शिक्षाविद्

अभ्युदय : 2024-25

केन्द्रीय पुस्तकालय

केन्द्रीय कम्प्यूटर लैब

अभ्युदय

अंक : 7 वर्ष : 14 सत्र : 2024–2025

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक : डॉ. रजनीश कुमार श्रीवास्तव

विशिष्ट सम्पादक : डॉ. संजय कुशवाहा (निदेशक–भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स)

सह सम्पादक
डॉ. शिशिर पाण्डेय (निदेशक–मैनेजमेण्ट)
डॉ. जॉन्सी रानी (प्राचार्य–नर्सिंग विभाग)
श्री विनोद वर्मा (विभागाध्यक्ष–कृषि विभाग)
श्री सुधीर वर्मा (विभागाध्यक्ष–बी.एड्./डी.एल.एड्.)

तकनीकी सम्पादक : श्री कृष्णा दूबे (प्रभारी, आई.टी. सेल)

छात्र/छात्रा सम्पादक

शिक्षक प्रशिक्षण : 1. आँचल विश्वकर्मा, डी.एल.एड्. द्वितीय वर्ष, 1. सरिता गौड़, बी.एड्. द्वितीय वर्ष

कृषि संकाय : 1. आलोक वर्मा, बी.एस-सी. कृषि पंचम सेमेस्टर, 2. आकाँक्षा सिंह, बी.एस-सी. कृषि तृतीय सेमेस्टर, 3. हिमांशी सिंह, बी–एस.सी. कृषि तृतीय सेमेस्टर

मैनेजमेन्ट संकाय : 1. सुयश अग्रवाल, बी–कॉम, IVth सेमेस्टर, 2. अनन्या श्रीवास्तव, बी.बी.ए. IIIrd सेमेस्टर

नर्सिंग संकाय : 1. इरम फातिमा, बी.एस-सी. नर्सिंग पंचम सेमे., 2. सुनीता मौर्या बी.एस-सी. नर्सिंग पंचम सेमे.

फार्मेसी संकाय : 1. चिरंजीव सिंह, बी.फार्म चतुर्थ वर्ष, 2. शिवा यादव, बी.फार्म, चतुर्थ वर्ष

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स

सीवार, सोहावल–अयोध्या

www.bgi.ac.in

+91 70816 80000, +91 78002 66000

अभ्युदय : 2024-25

भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सीवार-सोहावल

संस्थान-गीत

जहाँ पर जगता है आलोक, जहाँ मिटता अँधियारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥

अवध का दिव्य क्षेत्र सीवार–सोहावल–ग्रामांचल अभिराम,
जहाँ के उत्तर पथ के छोर बहे सरयू–धारा अविराम,
हरित वन–उपवन–निर्मल नीर अलौकिक कूल–किनारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥1॥

यशस्वी 'वर्मा मिश्रीलाल' बने संस्थापक अथक उदार,
पिताश्री 'हेमराज' का स्नेह, 'रमाऊ देवी' माँ का प्यार,
उसी से निर्मित यह संस्थान नित्य नूतन उजियारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥ 2॥

जहाँ संचालित हैं सब भाँति नयी शिक्षा के विविध प्रकल्प,
चिकित्सा–शिक्षण–कम्प्यूटर–प्रबन्ध के बने श्रेय–संकल्प,
लोक ने देकर शुभ सहयोग हमारा लक्ष्य सँवारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥ 3॥

प्रगति का अमर साधना–धाम चेतना का पावन उल्लास,
युवा पीढ़ी का जो दिन–रात बढ़ाये मंगलमय विश्वास,
'हमारा हाथ–आपका साथ' बना चिर–चिन्तन न्यारा है।
वही यह परम रम्य 'भवदीय' ज्ञान का केन्द्र हमारा है॥ 4॥

[इस संस्थान–गीत की रचना इन्स्टीट्यूट के प्रबन्ध–तंत्र के सचिव डॉ. अवधेशकुमार वर्मा तथा संस्थान के चेयरमैन इं. पी. एन. वर्मा की प्रेरणा से कवि डॉ. जनार्दन उपाध्याय, पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष, साकेत महाविद्यालय, अयोध्या के द्वारा महाशिवरात्रि 07 मार्च, 2016 ई. को की गयी।]

संदेश

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

सत्यमेव जयते

राज भवन
लखनऊ - 226 027

13 फरवरी, 2025

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सीवार सोहावल, अयोध्या द्वारा अपने वार्षिक सारस्वत समारोह के अवसर पर संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का विमोचन किया जा रहा है।

शिक्षा ज्ञान का विस्तार होने के साथ ही व्यक्तित्व निर्माण और समाजोत्थान का सशक्त माध्यम भी है। ग्रामीण क्षेत्र में उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार हेतु संस्थान द्वारा किया जा रहा यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। मुझे विश्वास है कि प्रकाश्य पत्रिका में ऐसे विषयों का समावेश होगा जो विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए ज्ञानवर्द्धक सिद्ध होगी।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

आनंदीबेन

(आनंदीबेन पटेल)

दूरभाष : 0522-2236497 फैक्स : 0522-2239488 ईमेल : hgovup@gov.in वेबसाइट : www.upgovernor.gov.in

संदेश

स्वतंत्र देव सिंह
मंत्री
जलशक्ति
(सिंचाई एवं जल संसाधन, बाढ़ नियंत्रण, परती भूमि विकास, लघु सिंचाई, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग)
उत्तर प्रदेश

अ.शा.प.सं./मेमो/वीआईपी/मं.प्रा.शि.उ.मा./24
विधान भवन, मुख्य भवन, कक्ष सं. 86, 87
दूरभाष : कार्यालय : 0522-2238124
आवास : 0522-2235211
आवास : 1-ए, माल एवेन्यू, लखनऊ

पत्रांक सं.-305/वी.आई.पी./सं./ज.श./2025 दिनांक 17.02.2025

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सीवार सोहावल (राष्ट्रीय राजमार्ग 27 निकट लोहिया-पुल) जनपद-अयोध्या द्वारा वार्षिक सारस्वत समारोह का आयोजन किया जा रहा है तथा इस अवसर पर संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का विमोचन दिनांक 21 मार्च 2025, दिन शुक्रवार को होना सुनिश्चित है।

आशा है कि पत्रिका में विद्यालय से सम्बन्धित समस्त महत्वपूर्ण जानकारी प्रकाशित की जायेगी, जिससे छात्र-छात्राएं एवं जनमानस लाभान्वित होंगे।

मैं वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' के सफल प्रकाशन हेतु अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(स्वतंत्र देव सिंह)

डॉ. अवधेश कुमार वर्मा
सचिव
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, अयोध्या

संदेश

आशीष पटेल
मंत्री
प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले
उत्तर प्रदेश

अ.शा.प.सं./मेमो/वीआईपी/मं.प्रा.शि.उ.मा./25
विधान भवन, मुख्य भवन, कक्ष सं. 86, 87
दूरभाष : कार्यालय : 0522-2238124
आवास : 0522-2235211
आवास : 1-ए, माल एवेन्यू, लखनऊ

दिनांक 25.02.2025

शुभकामना

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स, सीवार सोहावल, अयोध्या द्वारा वार्षिक सारस्वत समारोह का आयोजन एवं वार्षिक पत्रिका **'अभ्युदय'** का विमोचन दिनाँक 21 मार्च, 2025 को किया जा रहा है।

मुझे विश्वास है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स की पत्रिका में अर्जित उपलब्धियों के साथ ज्ञानवर्धक पाठ्यसामग्री का संकलन होगा, जो छात्र-छात्राओं के लिए उपयोगी एवं रोजगारपरक सिद्ध होगी। मेरी विद्यार्थियों से अपेक्षा है कि शिक्षा क्षेत्र में ऐसी प्रतिष्ठा अर्जित करें, जो दूसरों के लिए अनुकरणीय हो।

मैं वार्षिक पत्रिका **'अभ्युदय'** के सफलतापूर्वक प्रकाशन की शुभकामनाओं के साथ संस्था परिवार एवं समस्त छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

(आशीष पटेल)

डॉ. अवधेश कुमार वर्मा
सचिव
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, अयोध्या

अभ्युदय : 2024-25

संदेश

लल्लू सिंह
पूर्व सांसद (लोक सभा)
फैजाबाद (उ0प्र0)

128-क, चुंगी सहादतगंज, अयोध्या (उत्तर प्रदेश)
मो. : 09415905607
ईमेल : lallusingh_bjp@yahoo.com

दिनांक 08.03.2025

शुभकामना

बड़े हर्ष का विषय है कि जनपद अयोध्या में स्थापित भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स, सीवार सोहावल (लोहिया पुल) अयोध्या में शैक्षिक सत्र 2011-12 से लगातार डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय एवं अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ से प्राप्त सम्बद्धता के अनुसार बी.बी.ए., बी.सी.ए., बी.एस-सी (कृषि), बी.एस-सी. (गृह विज्ञान), बी.काम., बी.लिब., एम.लिब., एम.एस.डब्लू., एम.काम., एम.एस-सी. (कृषि), डीफॉर्मा, बीफॉर्मा, एमफॉर्मा, एमबीए, बीएड, डीएलएड्, बी.एस-सी नर्सिंग और जीएनएम पाठ्यक्रमों का शिक्षण कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न हो रहा है।

विगत वर्षों की भांति वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2024-25 में भी वार्षिक सारस्वत समारोह का आयोजन एवं संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का विमोचन 21 मार्च 2025 को होना सुनिश्चित हुआ है।

अतः भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स, सीवार सोहावल, अयोध्या के वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' के विमोचन हेतु मेरी शुभकामनायें।

(लल्लू सिंह)

डा. अवधेश कुमार वर्मा
सचिव
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, अयोध्या

संदेश

वेद प्रकाश गुप्ता
विधायक
अयोध्या विधान सभा
सदस्य-स्थानीय निकाय कमेटी

सी-802, मंत्री आवास, बहुखण्डी भवन,
डालीबाग, लखनऊ-
ख-7, No.-415319

दिनांक : 08.03.2025

अत्यंत हर्ष का विषय है कि जनपद के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में ज्ञान और कर्म की अजस्त्र परम्परा के संवहन हेतु स्थापित भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, सीवार सोहावल (राष्ट्रीय राजमार्ग 27 निकट लोहिया पुल) जनपद-अयोध्या में विगत वर्षों की भाँति वर्तमान शैक्षिणक सत्र 2024-25 में भी वार्षिक सारस्वत समारोह का आयोजन एवं संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का विमोचन 21 मार्च 2025, दिन-शुक्रवार को सुनिश्चित हुआ है।

मैं इसके लिए ढेर सारी शुभकामनायें देता हूँ।

(वेद प्रकाश गुप्ता)

डा. अवधेश कुमार वर्मा
सचिव
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, अयोध्या

कैम्प कार्यालय – 9/3/201, जनाना अस्पताल रोड, रिकाबगंज, अयोध्या
मो.–8887151075, 9415048050

अभ्युदय : 2024-25

संदेश

रामचन्द्र यादव
विधायक, (भाजपा)
271-रूदौली-अयोध्या

बी.जी.-3, राज्य सम्पत्ति
कालोनी, लखनऊ
ख-7 No. 428040
मो.-8765954970

शुभकामना

हमें यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' (2024-25) प्रकाशित करने जा रहा है।

पत्रिका के माध्यम से संस्थान में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं व शिक्षकों द्वारा रचनात्मक क्रिया-कलापों, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों व रचनाओं का समावेश करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को नवीनतम तकनीकी एवं वर्तमतान परिदृश्य से अवगत कराये जाने का एक सफल प्रयास है।

मेरे लिये यह गर्व की बात है कि मेरा संदेश इस प्रतिष्ठित पत्रिका में सम्मिलित किया जाएगा। इस पत्रिका में संस्थान द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में जो विकासशील कार्य हुए हैं उनका ब्यौरा होगा जो विद्यार्थियों के लिए वह सब जानकारी होगी जो उनको चाहिए। यह पत्रिका एक संदर्भ पुस्तक के रूप में उपयोग होगी।

आपकी यह पत्रिका ज्ञानवर्धक तथा दिशा निर्देशिका के रूप में सफलता प्राप्त करें। आप सभी को पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामना।

(रामचन्द्र यादव)

संदेश

डॉ. अमित सिंह चौहान
(एम.बी.बी.एस.)
विधायक
बीकापुर विधानसभा
अयोध्या

304, टाइप-5, नव निर्मित विधायक आवास,
दारूलशफा-लखनऊ
निवास-ग्राम व पोस्ट-महोली, अयोध्या-224126
ई-मेल : amit5589singh@gmail.com
क-7 No. 210096
मो.नं.-9838519794, 9415048315

दिनांक : 09.03.2025

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है, कि भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' (2024-2025) प्रकाशित करने जा रहा है।

पत्रिका के माध्यम से संस्थान में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं व शिक्षकों द्वारा रचनात्मक क्रिया-कलापों, साहित्यिक गतिविधियों व रचनाओं का समावेश करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को नवीनतम एवं वर्तमान परिदृश्य से अवगत कराये जाने का एक सफल प्रयास है। विद्यालय की ओर से इस प्रकार का प्रयास भविष्य में भी जारी रहेगा। जनमानस को इसकी प्रेरणा मिलती रहेगी ।

पत्रिका अभ्युदय के सफल प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(डॉ. अमित सिंह चौहान)

अभ्युदय : 2024-25

संदेश

चन्द्रभानु पासवान
विधायक-भाजपा
273-मिल्कीपुर, अयोध्या

विधान सभा उ0प्र0
क-7 No. 447917
मो.नं.-7380815200
9450243756

दिनांक : 18.02.2025

मुझे यह जानकर प्रसनन्ता है की भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सीवर, अयोध्या द्वारा दिनाक 21 मार्च, 2025 को अपने अपने वार्षिक समारोह के अवसर पर पत्रिका 'अभ्युदय' का प्रकाशन किया जा रहा है।

शिक्षा के माध्यम से जीवन, समाज और राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित होती है। शिक्षण संस्थाओं के द्वारा प्रकाशित होने वाली पत्रिकाएं संस्थान शैशिक गतिविधियों से युक्त होने के साथ ही विधार्थियों को अपनी प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का अवसर भी प्रदान करती है जिससे उनकी रचनात्मक शक्ति प्रदर्शित होती है। इसके दृष्टिगत पत्रिका का प्रकाशन सराहनीय है। मुझे आशा है पत्रिका विद्यार्थियों की रचनात्मक अभिव्यक्तियों से परिपूर्ण होगी

पत्रिका 'अभ्युदय' के सफल प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीय,

Chandra Bhanu

(चन्द्रभानु पासवान)

संदेश

नगर निगम अयोध्या

गिरीश पति त्रिपाठी
महापौर

''श्री गुरू सदन''
तिवारी मन्दिर नयाघाट
अयोध्या
9415140105

पत्रांक : मे. मो.

भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स
एनएच-28 अयोध्या - लखनऊ हाईवे,
लोहिया ब्रिज के पास अयोध्या (उत्तर प्रदेश)

मुझे यह ज्ञानकर हार्दिक प्रसन्नता है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, अयोध्या द्वारा वार्षिक सारस्वत समारोह का आयोजन एवं संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का सातवाँ अंक प्रकाशित होने जा रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पत्रिका में सम्मिलित नवीन सूचनाये एवं निर्देशात्मक लेख छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास उन्न्यन एवं उन्हें प्रेरणा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगे।

वार्षिक सारस्वत समारोह एवं 'अभ्युदय' पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु मैं अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(महंत गिरीश पति त्रिपाठी)
महापौर
नगर निगम अयोध्या

अभ्युदय : 2024-25

संदेश

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या-224001 (उ. प्र.) भारत
DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADH UNIVERSITY AYODHYA-224 001 (U.P.) INDIA

प्रो. प्रतिभा गोयल
कुलपति
Prof. Pratibha Goyal
Vice&Chancellor

Email : vc@rmlau.ac.in
vcrmlau2015@gmail.com
Website : www.rmlau.ac.in

दिनांक : 18.02.2025

शुभकामना

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सीवार, सोहावल, अयोध्या उ.प्र. शैक्षणिक सत्र 2024-25 में दिनांक 21 मार्च, 2025 को वार्षिक सारस्वत समारोह का आयोजन कर रहा है। इस अवसर पर अपनी वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का प्रकाशन करने जा रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पत्रिका में सम्मिलित नवीन सूचनायें एवं निर्देशात्मक लेख छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास, उन्नयन एवं उन्हें प्रेरणा प्रदान करने की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाएँगे।

'अभ्युदय' के इस संस्करण के सफल प्रकाशन के लिये शुभकामनाएं एवं सम्पादक मंडल को मेरी हार्दिक बधाई।

(प्रो. प्रतिभा गोयल)

सेवा में,

डॉ. अवधेश कुमार वर्मा
सचिव
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, अयोध्या

संदेश

प्रो. जय प्रकाश पाण्डेय
कुलपति
Prof. Jai Prakash Pandey
Vice Chancellor

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
Dr. A.P.J. ABDUL KALAM TECHNICAL UNIVERSITY, Uttar Pradesh, Lucknow

दिनांक : 13 फरवरी, 2025

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हुआ है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, फैजाबाद विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी संस्थान की वार्षिक पत्रिका (सत्र 2024-2025) 'अभ्युदय' का विमोचन दिनांक 21 मार्च, 2025 को करने जा रहा है।

पत्रिका के माध्यम से संस्थान में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं व शिक्षकों द्वारा रचनात्मक किया कलापों, साहित्यक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों व रचनाओं का समावेश करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को नवीनतम तकनीकी एवं वर्तमान परिदृश्य से अवगत कराये जाने का एक सफल प्रयास है। वार्षिक पत्रिका के प्रकाशित होने पर सभी गौरवान्वित होंगे।

आपकी यह पत्रिका ज्ञानवर्धक तथा दिशा-निर्देशिका के रूप में सफलता प्राप्त करे। आप सभी को पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामना।

(प्रो. जय प्रकाश पाण्डेय)
कुलपति

Sector-11, Jankipuram Extension Yojna, Lucknow-226 031 (U.P.) INDIA, Website : www.aktu.ac.in
☎ Office : +91 522 2772194 Fax : +91 522 2772189 E-mail : vc@aktu.ac.in, vinay@vpathak.in

अभ्युदय : 2024-25

संदेश

अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय, उ.प्र., लखनऊ
Atal Bihari Vajpayee Medical University, U.P., Lucknow

डॉ. संजीव मिश्रा
कुलपति
Dr. Sanjeev Misra
M.S. MCh, FRCS (Eng.), FRCS (Glasgow), FICS, FACS (USA), FAMS, FNASc, DSc (h.c)
Vice Chancellor

पत्रांक : 490

दिनांक 17.02.2025

शुभकामना

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि श्रीराम की नगरी अयोध्या के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित भवदीय ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन्स, सीवार सोहावल, जनपद अयोध्या द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 में वार्षिक सारस्वत समारोह का आयोजन किया जा रहा है तथा उक्त अवसर पर ''अभ्युदय'' नामक स्मारिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को अपने विचारों को अभिव्यक्त करने का अवसर प्राप्त होगा तथा समारोह के अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका से चिकित्सा क्षेत्र की प्रगति एवं आधुनिक चिकित्सा प्रणाली के सम्बन्ध में छात्र-छात्राओं के साथ-साथ जनमानस को भी जानकारी प्राप्त होगी। संस्थान द्वारा शिक्षण-प्रशिक्षण के साथ-साथ इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करना एक सराहनीय प्रयास है।

मैं संस्थान द्वारा आयोजित वार्षिक सारस्वत समारोह एवं उक्त अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका ''अभ्युदय'' के सफल प्रकाशन पर संस्थान के समस्त सदस्यों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त करता हूँ।

डा. अवधेश कुमार वर्मा
सचिव
भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल, अयोध्या

(डॉ. संजीव मिश्रा)

C.G. City, Sultanpur Road, Lucknow-226002
E-mail : vcabvmuup@gmail.com, Web: https://www.abvmuup.edu.in

संदेश

अ.शा. पत्र सं...........................

उ0प्र0 अनुसूचित जाति और
अनुसूचित जनजाति आयोग
10वाँ तल, इन्दिरा भवन, लखनऊ
पिन-226001
फोनः 0522-2287231 द्वकाओ
मो0: 9415059645
फैक्सः 0522-2287217

दिनांकः ....

बैजनाथ रावत
पूर्व सांसद/पूर्व विधायक
अध्यक्ष

हमें यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' (2024-25) प्रकाशित करने जा रहा है।

पत्रिका के माध्यम से संस्थान में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं व शिक्षकों द्वारा रचनात्मक क्रिया-कलापों, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों व रचनाओं का समावेश करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को नवीनतम तकनीकी एवं वर्तमान परिदृश्य से अवगत कराये जाने का एक सफल प्रयास है।

मेरे लिये यह गर्व की बात है कि मेरा संदेश इस प्रतिष्ठित पत्रिका में सम्मिलित किया जाएगा। इस पत्रिका में संस्थान द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में जो विकासशील कार्य हुए हैं उनका ब्यौरा होगा जो विद्यार्थियों के लिए वह सब जानकारी होगी जो उनको चाहिए। यह पत्रिका एक संदर्भ पुस्तक के रूप में उपयोग होगी।

आपकी यह पत्रिका ज्ञानवर्धक तथा दिशा निर्देशिका के रूप में सफलता प्राप्त करें। आप सभी को पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामना।

(बैजनाथ रावत)

अभ्युदय : 2024-25

संदेश

मिश्रीलाल वर्मा
मुख्य प्रबन्ध निदेशक

हेमकुञ्ज, 11/24/1-ए,
शृंगारहाट, अयोध्या-224123
दिनांक : 15.03.2025

मंगल-कामना

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार-सोहावल, अयोध्या

प्रिय छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों व सुधीजन!

शिक्षा जीवन की तैयारी, शिक्षा जीवन का प्रकाश है। शिक्षा है निर्माण चरित्र का, शिक्षा क्षमता का विकास है। भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स की वार्षिक पत्रिका "अभ्युदय" का अंक 07 सत्र 2024-25 प्रकाशित हो रही है। समग्र सम्भावनाओं से समन्वित छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों, कर्मचारियों के भाव एवं विचारों का प्रतिबिम्ब स्वरूप संस्थान की वार्षिक पत्रिका के प्रकाशन के लिए मैं अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करता हूँ और सम्पादक तथा सम्पादक मण्डल को हार्दिक बधाई देते हुए आभार प्रकट करता हूँ।

इस वर्ष हमने कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं और गतिविधियाँ आयोजित की जो न केवल शैक्षणिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण थी बल्कि छात्रों के व्यक्तिगत विकास में भी सहायक रहीं। हमारी टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयास किए हैं और मुझे गर्व है कि हमारे छात्र हर चुनौती का सामना करने के लिए तत्पर है।

यह "अभ्युदय' आपकी कोमल भावनाओं का दर्पण है। इसके माध्यम से मैं अपने विचार आप तक पहुँचाना चाहता हूँ। मेरी सदा यही आकांक्षा रही है कि मेरे विद्यार्थी अध्ययन में लगनशील, आचरणवान, उच्च विचार तथा नैतिकता की अच्छाइयों को ग्रहण कर ऊंचे पदों पर आसीन हों और राष्ट्र के उत्थान में अपना पूर्ण योगदान दें। साथ ही

अच्छे नागरिक का कर्त्तव्य पूर्ण निष्ठा से करें।

माता-पिता, परिजनों, गुरूजनों एवं सुहृज्जनों के आशीर्वाद, प्रोत्साहन एवं सहकार से विद्यार्थी जीवन से ही मेरे मन में शिक्षा-संस्कृति, मानवीय-मूल्यों एवं विद्योन्नयन के प्रति समर्पण-भावना का उन्मेष हो गया था। विज्ञान-वर्ग में स्नातक-स्तर तक की शिक्षा ग्रहण कर लेने के उपरान्त आगे की विद्यालयीय-शिक्षा में अग्रसर हाने की अनुकूलता न देखकर मैं शिक्षा-विद्या के प्रसार-प्रकाश के व्यवसाय में प्रवृत्त हो गया और वही सत्संकल्प आगे चलकर 'भवदीय ग्रुप' के रूप में मूर्तिमान हुआ, जिसके विभिन्न पाठ्यक्रम डॉ0 रा.म.लो. अवध विश्वविद्यालय और डॉ0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है और आज हजारों छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इस कार्य में शिक्षा-क्षेत्र के गुरूजनों, अभिभावकों एवं विशेषतः विद्यार्थियों का हार्दिक सहयोग और सद्भाव अपेक्षा से कहीं अधिक मात्रा में प्राप्त हुआ।

शिक्षा विकास की जननी है। विश्व में जो राष्ट्र जितना शिक्षित है, वह उतना ही विकसित है। भारत की आत्मा उसके गाँवों में बसती है। वस्तुतः गाँवों का विकास ही भारत का विकास है। दूर-दराज गाँवों में बसने वाले किसान, मजदूर की सन्तानों तक शिक्षा की रोशनी पहुँचाने का जो सपना कभी युग प्रवर्त्तक महात्मा गाँधी जी ने देखा था, उसी सपने को साकार करने की पवित्र संकल्पना के साथ स्थापित हमारा संस्थान शहर के कोलाहल एवं चहल-पहल से बहुत दूर शान्त, सुरम्य,नीरव ग्रामीण अंचल को विगत वर्षों से उच्च शिक्षा के प्रकाश से आलोकित एवं उसकी सुगन्ध से सुरभित कर रहा है। गाँव के बेटे-बेटियाँ, जिनकी पहुँच शहर के महाविद्यालयों तक नहीं है, वे आज व्यावसायिक क्षेत्र में विभिन्न पाठ्यक्रमों की गुणवत्तायुक्त एवं मूल्यपरक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

आज संस्थान का सुनाम अवध विश्वद्यिालय-परिक्षेत्र में अग्रणी विद्यापीठ के रूप में मुख्यतः हो रहा है। प्रबुद्ध, सम्भ्रान्त एवं शिक्षा के प्रति जागरूक विविध-वर्गीय नागरिकगण संस्थान के प्रति प्रोत्साहनपूर्ण आत्मीय सद्भाव रखते हैं। प्रबन्धन-संचालन-प्रशासन-शिक्षण-प्रशिक्षण से जुड़े समस्त महानुभाव पूर्ण तत्परता से संस्थान को अग्रसर बनाने में दत्तचित्त हैं। हमें हार्दिक प्रसन्नता है कि संस्थान में अध्ययनरत सभी छात्र-छात्राएं विनीत, अनुशासित एवं विद्यानुराग से आपूरित हैं।

मैं सभी शिक्षकों और कर्मचारियों का भी धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने छात्रों को प्रेरित करने और मार्गदर्शन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आपकी मेहनत और समर्थन से हमारे छात्र अपने लक्ष्यों को प्रप्त कर रहें है। इस पत्रिका में आपके विचारों, रचनाओं और अनुभवों का समावेश है। मैं सभी छात्रों से आग्रह करता हूँ कि वे इस अवसर का उपयोग करें और अपने विचारों को साझा करें।

हमारी मंगल कामना है कि संस्थान में शिक्षण-प्रशिक्षण-रत विद्यार्थी आगे चलकर अपने जीवन में सफलकाम बनें। अध्यापक-गण से हमारी हार्दिक अपेक्षा है कि इसी प्रकार पूरे मनोयोग से विद्यादान में निरत रहें। 'विद्यादान महादानम्!' साथ ही, अनुरोध है कि विद्या-विभूषित आदरणीय गुरूजन, विविध क्षेत्रों में अग्रणी सुधी-समाजसेवी महानुभाव एवं समस्त आत्मीय अभिभावक-वृन्द इसी प्रकार संस्थान को अपना सद्भाव एवं सहयोग प्रदान करते रहें, जिससे संस्थान और अधिक प्रवर्धमान हो सके और हम आपकी और अधिक शुभ सारस्वत सेवा करने में सफल-समर्थ सिद्ध हों। सर्वे भवतु मंगलम्।

आइए हम सभी मिलकर इस कॉलेज को और भी नई ऊँचाइयों पर ले जाने की दिशा में प्रयासरत रहें।

धन्यवाद!

(मिश्रीलाल वर्मा)

अभ्युदय : 2024-25

संदेश

चेयरमैन की कलम से.....

संस्थान द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका "अभ्युदय" सत्र 2024-25, अंक-7 आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत खुशी हो रही है। यह पत्रिका हमारे संस्थान की उपलब्धियों गतिविधियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का एक संकलन है जो हमारे सामूहिक प्रयासों और समर्पण का प्रतीक है। हमारा मुख्य लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण नैतिक मूल्यों युक्त विश्व-स्तरीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करते हुए समग्र वैयक्तिक विकास का है।

इस वर्ष, हमने कई नए शैक्षणिक कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन किया जिन्होंने छात्रों को न केवल अकादमिक ज्ञान प्रदान किया बल्कि उनके व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमारी टीम ने विभिन्न क्लबों और संगठनों के माध्यम से छात्रों को नेतृत्व और टीम वर्क के अनुभव प्रदान किए।

हम अपने इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु हमारे पास अनुभवी, दृढ़ इच्छाशक्ति वाला संकल्पित कर्मठ प्रबन्धतंत्र है जिसके उदार कर्त्तव्यनिष्ठ मुख्य प्रबन्ध निदेशक मा. मिश्रीलाल वर्मा जी हैं तथा सुधी अनुभवी संकाय सदस्य, सुसज्जित प्रयोगशालाएं, शिक्षण संसाधन, रमणीय वातावरण एवं कर्मठ-अनुशासित विद्यार्थी हैं। फलतः हमारी संस्थाओं के पंजीकृत छात्र एवं शिक्षक जहाँ भी जाते है अपने कर्त्तव्य एवं व्यक्तित्व की छाप छोड़ते है कि वे स्वयं उनके उत्प्रेरक बन जाते है अनेक क्षेत्रों में स्थापित हमारे पूर्व छात्र/छात्राऐं इसमें सफल उदाहरण है जो हमारे शिक्षण एवं प्रशिक्षण का उज्ज्वल पक्ष भी है। मैं सभी छात्रों से आग्रह करता हूँ कि वे इस पत्रिका को एक प्रेरणा-स्रोत के रूप में देखें। यहाँ प्रकाशित लेख, कहानियाँ और कविताएं आपके विचारों को व्यक्त करने और आपके रचनात्मकता को उजागर करने का मंच है।

मैं इस ग्रुप के सभी संस्थाओं के प्राचार्यों, अध्यापकों, अधिकारियों, एवं सहकर्मियों की भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूँ जो संस्थानों के उत्कृष्ट विकास के लिए सकारात्मक सोच, ईमानदारी, कड़ी मेहनत, समर्पण, अनुशासन, दृढ़ संकल्प, दूरदृष्टि तथा धनात्मक ऊर्जा के साथ अनवरत कार्यशील रहते हैं।

सम्पादक व सम्पादक मण्डल के सदस्यों, संस्थान के समस्त प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को शुभकामना सदभावना सहित!

(इं. पी. एन. वर्मा)
चेयरमैन-भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

संदेश

डॉ. अवधेश कुमार वर्मा
सचिव/प्रबन्धक

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स
सीवार, सोहावल-अयोध्या

शिक्षण को जीवन कों प्रयोगशला कहा गया है। शिक्षा ही वह सशक्त उपागम है, जिसके द्वारा व्यक्ति विभिन्न संस्कारों के माध्यम से शरीर, मन और आत्मा का समन्वित विकास कर समाज एवं राष्ट्र का योग्य नागरिक बनता है। नागरिक को अपनी संभावनाओं की सर्वोच्चता पर प्रतिष्ठित करना गुणात्मक शिक्षा का कार्य है।

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स आज शिक्षा के क्षेत्र में नूतन आयाम स्थापित कर रहा है। यहाँ पर संचालित स्नातक एवं परास्नातक रोजगारपरक पाठ्यक्रमों एम.बी.ए, बी.बी.ए, बी.सी.ए, डी-फार्मा, बी-फार्मा, एम.फार्मा, डीएलएड्, बीएड्, बी-एस.सी.(कृषि), बी-एस.सी.(गृहविज्ञान), बी.एस.सी, बी.लिब, बी.कॉम, बी.पी.ई.एस, एम.एस.सी(कृषि), एम.कॉम, एम.लिब, एम.एस.डब्ल्यू, जी.एन.एम. एवं बी-एस.सी. नर्सिंग में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को एक नये मुकाम पर पहुँचाने का प्रयास किया है। हमारा संस्थान स्थापना काल से ही विद्यार्थियों की शिक्षा के साथ मूल्यों को जोड़कर विवेक जागृत करने का पक्षधर रहा है।

शिक्षक शब्द का पहला वर्ण 'शि' है जो सतत शिवमय है, कल्याणमय है, शुभसंकल्पमय है। शिक्षक शब्द का दूसरा वर्ण 'क्ष' है जो क्षमता और क्षमा दोनों का प्रतीक है। शिक्षक शब्द का तीसरा वर्ण 'क' है जो कर्म और कर्त्तव्य का प्रतीक है। शिक्षक शब्द में निहित अर्थों का सार्थक करना ही सही अर्थ में शिक्षक होना है। छात्रों को संस्थान के प्राध्यापक बन्धु शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तिगत रूप से समर्थ एवं कौशलयुक्त नागरिक बनाने हेतु सदैव अग्रसर रहते हैं।

मैं हमारे शिक्षकों और कर्मचारियों का भी धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने छात्रों को मार्गदर्शन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आपकी मेहनत और समर्थन के बिना यह सब संभव नहीं था। मुझे आशा ही नही वरन पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में 'भवदीय' प्रदेश ही नहीं वरन् देश के उच्चतर शैक्षणिक संस्थाओं में अपनी भूमिका अदा करेगा।

आइए हम सभी मिलकर अपने कॉलेज को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध रहें और नई ऊँचाइयों को छुएं।

प्रशंसनीय तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकमानाओं के साथ.....

(डॉ. अवधेश कुमार वर्मा)
सचिव/प्रबन्धक

अभ्युदय : 2024-25

संदेश

from the Director

BHAVDIYA GROUP OF INSTITUTIONS, AYODHYA

I am delighted to address you as the Director of our esteemed group of educational institute, Bhavdiya Group of Institutions (BGI). It is my privilege to lead this dynamic organization that is dedicated to shaping the future of education and is one of the glorious educational hub in the eastern region of Ayodhya Prant. BGI is devoted to concentrating on a policy of continual quality enrichment of services supplied in order to enhance the nation's progress and economic success.

As the Director, my role is not only to oversee the strategic direction of our institute but also to ensure that we uphold our core values and principles. In an ever evolving world, it is crucial that our institute remain at the forefront of educational innovation. We embrace emerging technologies, pedagogical advancements, and global best practices to deliver an enriching and future-ready education. We equip our students with the knowledge, skills, and values necessary to navigate the complexities of the modern world and become global citizens.

I extend my deepest appreciation to the entire educational community for their unwavering support and dedication. It is through our collective efforts that we have achieved remarkable milestones and continue to make a positive impact on society. I am immensely proud of our students, whose achievements inspire us and reinforce our commitment to excellence.

As you explore our website, I encourage you to discover the diverse range of programs, initiatives and opportunities that our institute offer. Whether you are a student, parent, educator or stakeholder, I invite you to join us on this transformative journey of education and growth. Together, let us shape a brighter future for generations to come.

I congratulate to Dr. Rajneesh Kumar Srivastava, Principal, BEI for the excellent compilation of "ABHYUDAY" as Chief Editor.

(Dr. Sanjay Kumar Kushwaha)

प्राचार्य की कलम से....

संसार को सुंदर और समरस बनाने का बुनियादी मार्ग है अभिव्यक्ति में अतीत की स्मृतियी होती है तो वर्तमान की चुनौतियों और भविष्य के स्वप्न भी।

भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स परिवार की वार्षिक पत्रिका 'अभ्युदय' का सातवी अंक अभिव्यंजना की विविध विधाओं शैलिओं, संस्थान के जन समूह की विविध भावनाओं की अभिव्यक्ति की रंगभूमि में सभी छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, रिशक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं सुधी पाठकों के सम्मुख नव सृजनात्मकता एवं नवीन परिदृश्य को उकेरती रखनाधर्मिता के साथ प्रस्तुत है। पत्रिका के प्रकाशन से इस रंगभूमि को व्यापक दृष्टासमुदाय मिल सकेगा इस मंगल कामना के साथ 'अभ्युदय' का सातवीं अंक को प्रकाशित और लोकार्पित करते हुए मुझे असीम हर्ष और आनंद की अनुभूति हो रही है।

महाविद्यालय पत्रिका संस्थान की प्रगतिशीलता, विभिन्न पाठ्य सहगामी क्रिया-कलापों एवं शैक्षिक उद्देश्यों की पूर्ति का दस्तावेज होती है। ज्ञान के अन्वेषण एवं प्रसार उसका तात्विक विवेचन एवं सामाजिक सरोकारों की अन्तःक्रियाओं के एक वैकल्पिक लेकिन पूर्ण अनौपचारिक माध्यम के रूप में संस्थान की पत्रिका का स्थान होता है। इस तरह 'अभ्युदय' पत्रिका महाविद्यालय गतिविधियों का विवरण ही नहीं अपितु संस्थान की वैचारिक अभिव्यक्ति कर प्रवगान भाव है जो पत्रिका के माध्यम से अपने पथ पर अग्रसर है।

अतीत की घटनाओं का प्रभाव वर्तमान एवं भविष्य की जरुरतों में निश्चित रूप से परिवर्तन लाता है। परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। यह इतनी तीव्र गति के साथ परिवर्तित होता है कि हमें कुछ पता ही नहीं चल पाता कि यह रूप कैसे आ गया। कोविड-19 वैश्विक महामारी के असर से शिक्षा तंत्र भी अछूता नहीं रहा। वास्तविक कक्षा-शिक्षण का स्थान आभाषी शिक्षण ने ले लिया, परिणामस्वरूप शिक्षा द्वारा बालक के व्यक्तित्व के समग्र विकास की अवधारणा कमजोर पड गयी। दो-तीन वर्षों के पश्चात रिक्षण-व्यवस्था पटरी पर तो आयी परन्तु कक्षा-शिक्षण के

प्रति विद्यार्थियों के रुझान में कमी का भाव चिन्ता का विषय है। ऐसा इसलिये क्योंकि शिक्षण संस्थाओं का वातावरण, कक्षानुशासन एवं छात्र-शिक्षक अन्तकिया तथा शिक्षक व्यवहार अनुकरण का अभाव सत्रों के सर्वांगीण विकास को पूर्णता प्रदान करने में अक्षम सिद्ध हो रहे हैं। आभाषी शिक्षण व दूरस्थ शिक्षा प्रणाली से विद्यार्थियों के जान के उपार्जन में निःसंदेह सहायक है किन्तु छात्रों के सर्वांगीण विकास की पूर्णता में अक्षम है इसलिए विद्यार्थियों की कक्षा में उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिये संस्थाओं एवं शिक्षकों को संयुक्त रूप से दायित्व निर्वहन प्रयास निरन्तर जारी करते रहना होगा।

संस्थान का भौतिक स्वरूप प्रबन्ध समिति के कुशल प्रबन्धन तथा शैक्षिक स्वरूप, अनुभवी प्राध्यापकों एवं कुशल कर्मचारियों के अथक प्रयासों से निर्मित होता है। संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व अनुशासन के कडे मानदण्डों से प्रदेश के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में शुमार होने में सफलता प्राप्त की है। जिसका पूरा श्रेय प्रबन्ध समिति एवं कुशल प्राध्यापकों को है। संस्थान में परम्परागत पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त कृषि विज्ञान संकाय में परास्नातक पाठ्यकम एम.एस-सी. (कृषि), पुस्तकालय विज्ञान में परास्नातक (एम.लिब.), समाज कार्य में परास्नातक (एम.एस.डब्ल्यू) तथा वाणिज्य संकाय में परास्नातक (एम.कॉम) व फार्मेसी (एम.फार्मा) कुशलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। राज्य ही सस्थान को राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र की मान्यता प्राप्त हो चुकी है, जिसके तहत राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यकम भी संचालित हो रहे हैं। संस्थान के पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में जी.एन.एम. तथा बी.एस-सी. नर्सिंग की शिक्षा गतिमान हो चुकी है।

संस्थान के प्रबन्ध निदेशक, शिक्षा सेवी एवं उदारमना संस्थापक सम्मानीय श्री निश्रीलाल वर्मा जी चेयरमैन इंजीनियर पी.एन.वर्मा जी तथा कर्मठ एवं ऊर्जावान सचिव डॉ. अवधेश कुमार वर्मा जी के प्रति में अपना हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ जिनका पूर्ण सहयोग-सानिध्य व कुशल निर्देशन समय-समय पर हमें मिलता रहता है जिनके अथक प्रयास व सकारात्मक सृजनशीलता से संस्थान उत्तरोचर पथ पर प्रगतिशील है।

पत्रिका के इस अंक में पूर्ववर्ती अंकों में दृश्यवान न्यून त्रुटियों को यथा संभव दूर करने का प्रयास किया गया है, जिस हेतु सत्थान के प्रशासनिक सहयोगी बन्धुओं, कुशल संचालन में प्राध्यापकों/प्राध्यापिकाओं, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं एवं प्रत्यक्ष/परोक्ष रूप से सहयोगी स्वजनों को धन्यवाद प्रेषित करता हूँ।

सम्पादक मण्डल के सभी सदस्यों निदेशक, भवदीय ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन्स, डॉ संजय कुशवाहा, निदेशक मैनेजमेंट डॉ. शिशिर पाण्डेय व समस्त विभागाध्यक्षगण तथा आई.टी. सेल प्रभारी श्री कृष्णा दुबे व सौरभ सिंह यादव सहायक को बारम्बार बधाई एवं साधुवाद, जिनके कठिन परिश्रम से पत्रिका का यह अंक नव कलेवर के साथ आप सभी के कर कमलों में पहुँच रहा है।

पुनः इस सारस्वत साधना में सहयोग करने वाले सभी सज्जनों का हृदय से आभार....

(डॉ. रजनीश कुमार श्रीवास्तव)

भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स : स्थापना एवं विकास

- डॉ. अवधेश कुमार वर्मा

आदरणीय महानुभाव!

शिक्षा हम सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है, शिक्षा व्यक्ति की अर्न्तनिहित शक्तियों को उजागर करती है और उसे मानवीय मूल्यों की अनुभूति का अवसर प्रदान करती है तथा स्वानुभूति का मार्ग प्रशस्त करती है। शिक्षा हमारी सामाजिक, पारिवारिक एवं आर्थिक स्तरों को ऊपर उठाने एवं एक अलग पहचान बनाने में मदद करती है। शिक्षा के द्वारा ही, हम जीवन के कठिन समय में चुनौतियों से सामना करने में सहायता प्राप्त होती है।

शिक्षा के इसी महत्व को दृष्टिगत रखते हुए 05 जुलाई 2010 को इस भूखण्ड (जिसका क्षेत्रफल लगभग 8 एकड़ का है) की रजिस्ट्री कराई गई। इसके पश्चात् 21 अगस्त 2010 को हर्षोल्लास के साथ भूमि पूजन का कार्य सम्पन्न करके शैक्षणिक भवन निर्माण एवं विभिन्न पाठ्यक्रमों की मान्यता के लिए सम्बद्धता दस्तावेज का भी कार्य समानान्तर डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या में क्रमशः बी.बी.ए., बी.सी.ए. तथा एम.बी.ए. पाठ्यक्रम हेतु A .I.C.T.E नई दिल्ली में आवेदन किया गया, जिसकी सम्बद्धता डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ से प्राप्त है। आदरणीय चेयरमैन इं. पी.एन. वर्मा के कुशल निर्देशन एवं अथक प्रयास के परिणामस्वरूप एक ही वर्ष के अन्दर मंगलवार, 16 अगस्त, 2011 को संस्थान के प्रथम शैक्षिक सत्र का उद्घाटन परमादरणीय डॉ. रामशंकर त्रिपाठी, अयोध्या की अध्यक्षता में, प्रोफेसर अवधराम, पूर्व कुलपति महात्मागाँधी काशी विद्यापीठ वाराणसी द्वारा डॉ. राम अँजोर सिंह, पूर्व प्राचार्य रामनगर पी.जी. कॉलेज बाराबंकी तथा श्रीमती डॉ.राधारानी सिंह, बाराबंकी व अयोध्या-फैजाबाद के विशिष्ट जन एवं विद्वानों की उपस्थिति के साथ स्थानीय प्रबुद्ध वर्ग व सम्मानित जनता की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ था। आप सभी के सहयोग के फलस्वरूप शिक्षण कार्य सफलतापूर्वक प्रारम्भ है और संस्थान के बी.सी.ए. सत्र् 2014-15 की छात्रा ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर संस्थान को गौरव का अनुभव कराया इसी क्रम में बी.बी.ए. पाठ्यक्रम की छात्रा फातिमा जेहरा वसीम ने सत्र 2018-19 में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। सत्र् 2021-22 में एम.बी.ए. की छात्रा प्रज्ञा तिवारी ने समूचे विश्वविद्यालय की योग्यता सूची में प्रदेश स्तर पर आठवाँ स्थान प्राप्त कर संस्थान को गौरवान्वित किया। हमारे संस्थान से एम.बी.ए. पाठ्यक्रम की अध्ययन कर सैकड़ों छात्र प्रतिष्ठित कम्पनियों में नौकरी प्राप्त कर स्वयं तथा संस्थान का नाम रोशन कर रहे हैं।

तदोपरान्त शिक्षक प्रशिक्षण अनुभाग में डीएलएड् (पूर्व प्रचलित नाम बी.टी.सी.) एवं फार्मेसी अनुभाग में डी-फार्मा पाठ्यक्रम के संचालन हेतु प्रयास किया गया। फलस्वरूप अगस्त 2013 में डीएलएड् (पूर्व प्रचलित नाम बी.टी.सी.) पाठ्यक्रम हेतु भवदीय हेमराज वर्मा टीचर्स ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट की स्थापना हुई जिसके अन्तर्गत डीएलएड् की कक्षाओं का संचालन प्रारम्भ हुआ। इसी कड़ी में दिनाँक 24.08.2013 को डी-फार्मा की मान्यता प्राप्त होना संस्थान के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि साबित हुई, जिसकी कक्षाएँ सितम्बर 2013 से प्रारम्भ हुई।

छात्र व अभिभावकगण की मांग तथा प्रबन्ध तन्त्र के दृढ़ निश्चय के फलस्वरूप सत्र 2014-15 में बीएड् पाठ्यक्रम की सम्बद्धता NCTE द्वारा भवदीय एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट को प्राप्त होने के उपरान्त कक्षाएँ संचालित की गयी तथा डीएलएड् (पूर्व प्रचलित नाम बी.टी.सी.) पाठ्यक्रम के संचालन हेतु संस्थान की नयी शाखा ग्राम बरई कला जो कि भवदीय कैम्पस से मात्र 300 मीटर की दूरी पर है, श्री साईंराम इन्स्टीट्यूट के नाम से स्थापित हुई, जिसमें शैक्षणिक सत्र 2015-16 से NCTE द्वारा डीएलएड् पाठ्यक्रम की मान्यता प्राप्त है और प्रशिक्षण कार्य सफलतापूर्वक चल रहा है। इसके अलावा आदरणीय मुख्य प्रबन्ध निदेशक व चेयरमैन जी के निर्देशन में डीएलएड् के प्रत्येक संस्थान में अतिरिक्त यूनिट के लिए NCTE में आवेदन किया गया जो कि आपके कुशल निर्देशन में 3 मार्च 2016 को पूर्ण हो गया है। अब संस्थान में डीएलएड् पाठ्यक्रम की प्रवेश क्षमता इस ग्रामीण क्षेत्र की अपेक्षित माँग के अनुरूप हो चुकी है। यह आपके कुशल निर्देशन, प्रयास तथा टीम वर्क का प्रतिफल है। अभी हाल ही में बिहार राज्य में प्राथमिक एवं उच्च कक्षाओं हेतु शिक्षकों की नियुक्ति हुई है जिसमें हमारे शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान के लगभग 25 प्रशिक्षु चयनित होकर वहाँ कार्यरत हैं प्रशिक्षण कक्षाओं कै समापन के उपरान्त (UPTET) एवं (CTET) की तैयारी हेतु विशेष कक्षाओं का संचालन किया जाता है। बी0एड0 पाठ्यक्रम में आकाश चौधरी, डी.एल.एड. पाठ्यक्रम में B.H.V.T.T.I. सेतान्या अग्रवाल, S.S.R.I. से रोहित सिंह, B.E.I. से कीर्ति सिंह ने प्रथम स्थान हासिल किया। मैं सभी सफल प्रशिक्षुओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

उत्तरोत्तर विकास के क्रम में सत्र 2017-18 से बी.फार्मा की मान्यता PCI/AICTE द्वारा प्राप्त होने के उपरान्त कक्षाएँ संचालित हुईं। सत्र् 2020-21 से एम.फार्मा की कक्षाएं फार्मास्यूटिकल्स एवं फार्मास्यूटिकल क्वालिटी एश्योरेन्स पाठ्यक्रम में संचालित करने की अनुमति प्राप्त हुई। भवदीय इन्स्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइन्सेज एण्ड रिसर्च संस्थान में डी.फार्मा, बी.फार्मा एवं एम.फार्मा पाठ्यक्रमों की कक्षाएं सफलतापूर्वक संचालित हो रहीं है और वर्तमान शैक्षणिक सत्र में सभी पाठ्यक्रमों की सीटों पर शत-प्रतिशत प्रवेश हुआ है। डी-फार्मा सत्र 2016-18 की फिरदौश शेख ने डिप्लोमा परीक्षा में प्रदेश स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त कर हम सभी गौरवान्वित किया है। संस्थान के सौम्या द्विवेदी, विवेक तिवारी, सरल बच्चुका एवं तशनीम सुमैय्या ने वर्ष 2022 एवं 2023 में GPAT परीक्षा उत्तीर्ण कर संस्थान का नाम रोशन किया है। सफलता की इसी कड़ी में बी-फार्मा के सरल बच्चुका एवं तशनीम सुमैय्या ने वर्ष 2022 में NIPER की परीक्षा में सफलता प्राप्त किया है। दिनाँक 1 फरवरी 2020 को राष्ट्रीय स्तर का Novel Drug Delivery System Of Phytochemical Formulations In Life Style Disorders विषय पर सेमीनार आयोजित किया गया जिसकी वित्तीय सहायता डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम टेक्निकल विश्वविद्यालय लखनऊ से प्राप्त हुई।

उच्चतर शिक्षा के नूतन विकास की कड़ी में भवदीय एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट में बी.एस-सी.,बी.कॉम, बी.एस-सी. (कृषि), बी.एस-सी.(गृहविज्ञान), बी.लिब, बी.पी.ई.एस की कक्षाओं के संचालन की अनुमति डॉ. रा.म.लो. अवध वि. वि. द्वारा प्राप्त हुई। संस्थान परिसर में नियमित रूप से कक्षाओं का संचालन हो रहा है। इसी क्रम में सत्र 2021-22 से एम-एस.सी.(कृषि) में हार्टिकल्चर एण्ड एग्रीकल्चर बॉटनी, एग्रोनॉमी, जेनेटिक प्लॉन्ट ब्रीडिंग, इन्टेमोलॉजी और एग्रीकल्चर केमेस्ट्री तथा एम.लिब, एम.कॉम, एम.एस.डब्लू जैसे लोकप्रिय पाठ्यक्रमों में सम्बद्धता डॉ. रा.म.लो. अवध वि.वि. से प्राप्त हुई और अद्यतन नियमित कक्षाएं संचालित हैं। इसके अतिरिक्त संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की प्रथम इकाई संचालित है शीघ्र ही एक और इकाई बढ़ने वाली है। कृषि संकाय के छात्रों द्वारा प्रतिवर्ष पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जन्मदिन किसान दिवस के अवसर पर किसान गोष्ठी का आयोजन किया जाता है एवं आस-पास के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते हुए उनके सृजनात्मकता से कृषि संकाय के छात्र-छात्राएं रूबरू होते हैं। इस अवसर पर छात्रों द्वारा कृषि प्रदर्शनी भी आयोजित की जाती है।

एक साथ आना एक शुरुआत है, एक साथ रहना प्रगति है, और एक साथ काम करना सफलता है।

बालक बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य के साथ वर्ष 2018 में स्थापित भवदीय पब्लिक स्कूल अपने पिछले वर्षों के प्रयासों और उपलब्धियों के परिणाम स्वरुप मील का पत्थर साबित हुआ है। वर्ष 2023-24 में भवदीय पब्लिक स्कूल ने अपने लक्ष्य को प्राप्त किया है और नए अवसरों का लाभ उठाया है। वर्ष 2023-24 में हमारे स्कूल ने बोर्ड परीक्षाओं में शानदार 100% प्राप्त किया है। दसवीं कक्षा में 20 छात्रों ने 90% से अधिक अंक और 12वीं कक्षा में 5 छात्रों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त किया। अनुष्का चित्रांशी ने 12वीं कक्षा में 94.02% अंक तथा जय उपाध्याय ने दसवीं कक्षा में 98% अंक प्राप्त किया। जिन छात्रों ने बोर्ड परीक्षाओं में 90% अंक प्राप्त किए हैं उन्हें हमारा विद्यालय छात्रवृत्ति प्रदान कर रहा है। हमारे विद्यालय में छात्रों के सामने आने वाली शैक्षणिक चुनौतियों का समाधान करने और विशिष्ट विषयों में उनके सुधार को सुनिश्चित करने तथा छात्रों की प्रमुख अवधारणाओं की समझ में सुधार लाने के लिए उपचारात्मक कक्षाएं आयोजित की जाती हैं। सह पाठ्यक्रम गतिविधियां समग्र शिक्षा का एक अभिन्न अंग है। यह गतिविधियाँ हमारे छात्रों में रचनात्मकता, टीमवर्क, नेतृत्व और आत्मविश्वास को बढ़ावा देने में मदद करती हैं। हमारे छात्रों ने स्कूल में साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया साथ ही छात्रों ने इस वर्ष विभिन्न खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्कूल क्लब ने छात्रों को अपनी रुचियों को आगे बढ़ाने और नए कौशल विकसित करने के लिए मंच प्रदान किया। विज्ञान क्लब का उद्देश्य छात्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रति जिज्ञासा और रुचि को बढ़ावा देना है। इस वर्ष कक्षा 12 के जीव विज्ञान के छात्रों ने अपनी मार्गदर्शक शिक्षिका सुश्री रश्मीत कौर के साथ NBRI का दौरा किया NBRI लखनऊ की फील्ड ट्रिप का एक समृद्ध अनुभव था, जिसने छात्रों को टैक्सोनॉमी और जीनोम एडिटिंग की गहरी समझ प्रदान की। कला और शिल्प प्रतियोगिताओं और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों ने कार्यक्रमों के दौरान उत्कृष्ट परियोजनाएं बनाई। इस वर्ष भी हमारे विद्यालय को कला संरक्षक श्री आलोक सिंह की मार्गदर्शन में रंगोत्सव द्वारा अद्भुत उपहार और पदकों से सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक विरासत और कलात्मक विविधता के तहत विद्यालय के छात्र अविक श्रीवास्तव ने सूफी भजन में श्री हरि नारायण सिंह संगीत प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। हर साल हमारा विद्यालय जे.बी. ए.एम. यू .एन. में भाग लेता है और इस साल 4 छात्रों ने भाग लिया जिसमें राघवेंद्र प्रताप मिश्र को एम.यू.एन. में सर्वश्रेष्ठ मौखिक अनुशंसा का टैग मिला। हमारे स्कूल को शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार और समग्र शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण एन सी ई आर एफ मॉडल स्कूल के रूप में गौरांवित करने वाली मान्यता प्राप्त हुई। यह उपलब्धि हमें शिक्षा में नए मानक स्थापित करने के लिए प्रेरित करती है।

वर्तमान समय में शिक्षा के अतिरिक्त स्वास्थ्य भी जनमानस के लिए बहुत जरूरी विषय हो गया है, बढ़ती स्वास्थ्य सम्बन्धी चुनौतियों के दृष्टिगत शहर से दूर ग्रामीण परिक्षेत्र में 5 सितम्बर 2020 को आधुनिक सुविधाओं से युक्त 120 शैय्या का सुपर स्पेशलिटी भवदीय आयुष हॉस्पिटल का लोकार्पण हुआ जिसमें हाी रोग, नेत्र रोग, दन्त रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग सहित अन्य बीमारियों के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा सफलतापूर्वक ईलाज किया जा रहा है। स्वास्थ्य सुविधाओं में योगदान के लिए सत्र् 2022-23 में भवदीय मेडिकल कॉलेज एण्ड इन्स्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग की स्थापना की गई और वर्तमान शैक्षणिक सत्र् में जी.एन.एम एव ंबी-एस.सी. (नर्सिंग) पाठ्यक्रमों में छात्र-छात्राएं पैरामेडिकल की शिक्षा ग्रहण कर रहें हैं। शीघ्र की ए.एन.एम. पाठ्यक्रम की कक्षाएं प्रारम्भ हो जाएगीं।

अभ्युदय : 2024-25

छात्र-छात्राओं के लिए कम्प्यूटर शिक्षा वर्तमान समय में बहुत प्रासंगिक है इसको दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 2020 में NILET से 'O level' तथा CCC पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण देने का अनुमोदन प्राप्त हुआ। प्रबन्ध तन्त्र द्वारा संस्थान के किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु उक्त पाठ्यक्रमों में न्यूनतम शुल्क पर प्रवेश दिया जाता है जिससे वे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ ऐसे कम अवधि वाले रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में दक्षता प्राप्त कर अपने भविष्य को संवार सके। साथ ही संस्थान से दूरस्थ शिक्षा/पत्राचार पाठ्यक्रम में राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज से विभिन्न विषयों में प्रवेश लेकर शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं इसके लिए भी संस्थान सुविधा प्रदान कर रहा है।

प्रबन्धतन्त्र के आदरणीय मुख्य प्रबन्ध निदेशक श्री मिश्रीलाल वर्मा एवं चेयरमैन इं. पी.एन. वर्मा तथा प्रबन्ध समिति के अन्य सदस्यों के सहयोग से भवदीय ग्रुप निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। संस्थान द्वारा अपने स्थापना काल से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का जो संकल्प लिया गया था उसपर अग्रसर हैं और इसी कड़ी में संस्थान को नैक ग्रेड से आच्छादित कराने का निर्णय लिया गया है इस हेतु संस्थान में IQAC का गठन कर लिया है। संस्थान से उत्तीर्ण हो चुके छात्र-छात्राओं से मिलने-जुलने के क्रम में समय-समय पर पुरातन छात्र समागम (Alumuni meet) कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाता है।

शिक्षा के साथ खेलों के महत्व पर ध्यान देते हुए वर्ष 2023 से भवदीय प्रीमियर लीग(अन्तरविद्यालयी क्रिकेट प्रतियोगिता) का शुभारम्भ किया गया जिसमें रूदौली, सोहावल सहित आस-पास के लगभग 100 इण्टरमीडियट स्कूलों की टीमें प्रतिभाग करती हैं। प्रबन्धतन्त्र द्वारा बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु विजेता एवं उपविजेता टीमों को मेडल, ट्रॉफी के साथ-साथ नगद धनराशि प्रदान की जाती है। प्रबन्धतन्त्र का मानना है कि पढ़ाई के साथ-साथ पाठ्यसहगामी क्रियाओं का आयोजन छात्र-छात्राओं के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास के लिए बहुत आवश्यक है।

विभिन्न पाठ्यक्रमों में दूर-दराज क्षेत्रों से प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं को रहने एवं खाने हेतु आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं सावित्रीबाई फूले महिला छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है जिसमें रहकर छात्र सुगमतापूर्वक प्राकृतिक वातावरण में शिक्षा ग्रहण कर रहें हैं।

संस्थान के सभी संकाय सदस्यों व छात्रों के प्रयास से भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स ने शिक्षा के अलावा अन्य सामाजिक जिम्मेदारियों का भी भली-भाँति निर्वहन किया है, क्योंकि समग्र क्षेत्र में कल्याणकारी कार्य करने से ही समाज का विकास हो सकता है, ऐसा मेरा मानना है। संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष इस ग्रामीण क्षेत्र के असहाय ग्रामीणों में कम्बल-वितरण, निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कर दवा-वितरण एवं प्राकृतिक आपदा से पीड़ित व्यक्ति को आर्थिक राहत प्रदान करना आदि कार्य भी समय-समय पर किया जा रहा है।

प्रबन्धतन्त्र द्वारा स्टूडेन्ट वेलफेयर अकॉउण्ट की व्यवस्था की गई है जिसके माध्यम से जरूरतमन्द छात्र एवं छात्राओं को विभिन्न मदों जैसे- शिक्षण अथवा परीक्षा शुल्क के रूप में सहयोग किया जाता है। इस मद द्वारा अब तक विभिन्न कक्षाओं के जरूरतमन्द छात्रों की मदद् संस्थान द्वारा की गयी है।

इसी के साथ आपके सहयोग एवं आशीर्वाद की कामना करते हुए आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद!

(डॉ. अवधेश कुमार वर्मा)

मुख्य प्रबन्ध निदेशक श्री मिश्रीलाल वर्मा, अध्यक्ष इं० पी.एन. वर्मा, सचिव डॉ0 अवधेश कुमार वर्मा के साथ भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स के समस्त स्टॉफ

प्रबन्धतन्त्र के साथ भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स में संचालित संस्थानों के प्राचार्य/निदेशक एवं आई.टी.सेल प्रभारी

अभ्युदय : 2024-25

श्री सुधीर वर्मा
(विभागाध्यक्ष)
के साथ शिक्षण-
प्रशिक्षण संकाय
के प्राध्यापक एवं
कर्मचारीगण

डॉ0 संजय कुशवाहा
(निदेशक)
फार्मेसी संकाय के साथ
प्राध्यापकगण एवं स्टॉफ

डॉ0 शिशिर पाण्डेय
(निदेशक)
प्रबन्धन संकाय के साथ
प्राध्यापकगण एवं अन्य

डॉ0 रजनीश कुमार श्रीवास्तव
(प्राचार्य) के साथ विभिन्न
विभाग के प्राध्यापकगण
एवं कर्मचारी

डॉ. जॉन्सी रानी
(प्राचार्या)
नर्सिंग संकाय के साथ
प्राध्यापकगण

केन्द्रीय कार्यालय
के सदस्यगण

अभ्युदय : 2024-25

पत्रिका 'अभ्युदय' का सम्पादक मण्डल

भवदीय कैन्टीन संचालक के साथ कैन्टीन स्टॉफ

गार्डरूम में उपस्थित सुरक्षाकर्मी

परिसर की हरियाली को बढ़ावा देने वाले माली बन्धु

परिसर की स्वच्छता हेतु नियुक्त सफाई कर्मचारी

Admission Cell
Bhavdiya Group of Institutions

ARISE WITH VIRTUES

An ISO 9001 : 2008 Certified Group

BHAVDIYA EDUCATIONAL INSTITUTE

Seewar, Sohawal, Ayodhya

A UNIT OF BHAVDIYA GROUP OF INSTITUTIONS

रा.इ.सू.प्रौ.सं NIELIT Remembering **DOEACC**

Special exemption Rs. 5000/- for BGI students

Duration: 01 Year (Semester system) Foundation Course in Computer Application

ACCR No.: 03253

'O' Level

60 सीट

Registration fee : 500/-

Tuition Fee including Exam Fee :15000/-
(Both Semester I/II)

We make **Professionals**

ELIGIBILITY
10+2 Passed or ITI Certificate Passed (One year after class 10)

Website : www.bgi.ac.in
email: bhavdiya.nielit@gmail.com

Premises of Bhavdiya Group of Institutions

Center Manager : Mr. Sumit Kumar Srivastava
Mob. : +91-7703005308, +91-7007467610

Contact 7800422000, 7800266000, 7081680000

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अध्ययन केन्द्र : S-1790

भवदीय एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट

An ISO 9001 : 2008 Certified Group

शैक्षिक/विभिन्न व्यवसायिक पाठ्यक्रम में प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा, पी.जी. डिप्लोमा एवं स्नातक/परास्नातक उपाधि हेतु प्रवेश प्रारम्भ हैं।

DISTANCE EDUCATION

नियमित पाठ्यक्रम के साथ अध्ययन

विशेष आकर्षण

- एम.सी.ए.
- एम.एस-सी. (कम्प्यूटर साइंस)
- पी.जी. डिप्लोमा इन हॉस्पिटल एण्ड हेल्थ मैनेजमेन्ट
- पी.जी. डिप्लोमा इन योगा
- डिप्लोमा इन वेब टेक्नोलॉजी
- डिप्लोमा इन हॉस्पिटल एण्ड मैनेजमेंण्ट
- डिप्लोमा इन टूरिज्म स्टडीज
- अन्य उपयोगी पाठ्यक्रम

विशेष जानकारी हेतु सम्पर्क करें-
Website : www.bei.bgi.ac.in
Contact : 7703005308

For Further Enquiry

श्री सुमित कुमार श्रीवास्तव
अध्ययन केन्द्र प्रभारी
7703005308, 7007467610
uprt@bhavdiya.com

डॉ. रजनीश कुमार श्रीवास्तव
प्राचार्य
7703005326
beiprincipal@bhavdiya.com

Address : N.H.-28, (Faizabad-Lucknow Highway), Near Lohia Bridge, Seewar, Sohawal, Ayodhya- 224126 (U.P.)

विगत वर्षों में सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थियों की सूची

203-24 (MBA)
ANAS KHAN
(74.97%)

2023-24 (MBA)
MAYANK SINGH
(74.43%)

2023-24 (BBA)
SWEKSHASINGH
(77.60%)

2023-24 (BBA)
TANISHA RAWAT
(75.45%)

2023-24 (BCA)
M0HD ZAFEER
(79.60%)

2023-24 (BCA)
SHRADDHA YADAV
(79%)

2023-24 (B.com)
QUADSIYA SULTAN
(79.4%)

2023-24 (B.com)
LALITA CHAURASIYA
(75%)

2023-24 (M.Com)
TANIYA NAG
(75.68%)

2023-24 (M.Com)
ANJALI NAG
(75.57%)

2023-24 (D.Pharm)
ARJUN KANAUJIYA
(75.65%)

2023-24 (D.Pharm)
MOHD AYAZ
(73.30%)

2023-24 (B.Pharm)
VIKAS CHAURASIYA
(83.90%)

2023-24 (B.Pharm)
VERSHA VERMA
(83.60%)

2023-24 (B.Pharm)
TUSHAR MISHRA
(83.60%)

2023-24 (M.Pharm QA)
MALTI NISHAD
(86.10%)

2023-24 (M.Pharm QA)
SHAHNWAZ AHMAD
(86%)

2023-24 (M.Pharm PS)
RISHU SINGH
(84.70%)

2023-24 (M.Pharm PS)
PUSHPA PATIRAM HARIJAN
(83.10%)

2022-24 B.Ed
AKASH CHAUDHARY
(88.50%)

अभ्युदय : 2024-25

विगत वर्षों में सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थियों की सूची

2022-24 B.Ed
SURABHI PASI
(86.75%)

2021-23 (BTC)BHVTTI
TANYA AGRAWAL
(91.75%)

2021-23 (BTC)BHVTTI
ANURAG VERMA
(91.12%)

2021-23 (BTC.)SSRI
ROHIT SINGH
(89.28%)

2021-23 (BTC.)SSRI
SHIVADDH PANDEY
(88%)

2021-23 (BTC.)SSRI
SUNEEL KUMAR GAUTAM
(88%)

2021-23 (BTC) BEI
KIRTI SINGH
(89.56%)

2021-23 (BTC) BEI
MONIKA
(88.46%)

2023-24 (B.Sc.AG)
ANKIT KUMAR SHARMA
(87.65%)

2023-24 (B.Sc. AG)
PRAJWAL SINGH
(86.45%)

2023-24 (B.Sc. HS)
ANAMIKA PATHAK
(71.39%)

2023-24 (B.Sc. HS)
ANJALI SRIVASTAVA
(71.27%)

2023-24 (B.Sc. ZBC)
ZAINAB FATIMA
(82%)

2023-24 (B.Sc. ZBC)
ADEEBA PARVEEN
(78.30%)

2023-24 (BPES)
SANDHYA
(85.95%)

2023-24 (BPES)
HARSHA
(84%)

2023-24 (B.Lib.)
NITESH KUMAR SAINI
(82.8%)

2023-24 (B.Lib.)
AMIT KUMAR SHUKLA
(81.9%)

2023-24 (M.Lib.)
UMA MISHRA
(80.10%)

विगत वर्षों में सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थियों की सूची

2023-24 M.Lib
MADHURI DEVI
(74.30%)

2023-24 (M.SC Ag)AGRO
YOGENDRA PRATP SINGH
(85.33%)

2023-24 (M.SC Ag)AGRO
PUJA KUMARI
(82.92%)

2023-24 (M.SC Ag)HOR
SUBHASH KUMAR
(82.54%)

2023-24 (M.SC Ag)HOR
SAKSHI SUMAN
(82.26%)

2023-24 (M.SC Ag) SOIL SC
SIDDHANT CHAUDHARY
(78.11%)

2023-24 (M.SC Ag) SOIL SC
YASHWANT KUMAR
(75.83%)

2023-24 (M.SC Ag) GPB
GOVIND KUMAR
(80.31%)

2023-24 (M.SC Ag) GPB
AMAN KUMAR
(79.50%)

2023-24 (M.SC Ag) ENTO
SAURABH KUMAR
(82.54%)

2023-24 (M.SC Ag) ENTO
VIVEK PATEL
(75.32%)

2023-24(BSC-PCM)
ABHISHEK CHAUHAN
(82.00%)

2023-24(BSC-PCM)
CHARUL CHAUHAN
(79.62%)

विगत वर्षों में संस्थान से चयनित छात्र–छात्राएँ

Anshu Maurya Productio Officer Mediwell Biotech Baddi Himachal Pradesh

PANKAJ KUMAR Pharmacist New City Hosital Ambedkar Nagar

PARTHIV PATEL, PRODUCTION OFFICER POLESTAR POWER INDUSTRIES (PHARMA DIVISION) RAJSTHAN

Piyush Kumar Gupta Marketing Head GPR & Company Ayodhy

Prajal Tripathi Medical Representative Alkem Pharma Cardio diabetic division

PRATIBHA YADAV Chemist Vartika Chemicals and Pharmaceutical

PRIYANSHU GUPTA Chemist Vartika Chemicals and Pharmaceutical

SANDEEP YADAV PHARMACIST, KAUSHAL CHILD HEALTH CENTER AYODHYA

Abhishek Singh (MBA), Store Executive, Megha Engineering Infrastructure Pvt. Ltd., J&K.

Aditya Singh (BCA), Senior Executive, Click Melon Media Pvt. Ltd., Gurgoan.jpeg

Amit Kumar Singh(MBA), Carbo Assistant, Jeena & Comp any, Gurgoan

Anas Khan (MBA), Recruitment Consultant, Progermer's io company, Hyderabad

Avinash Singh (MBA), Human Resource Associate, Ernst & Young Pvt. Ltd., Noida

Devendra Verma (MBA), Territory Sales Officer, HUL Pvt. Ltd., Lucknow

Disha Sharma (MBA), Payroll operations Analyst, Accenture, Pune

Hareesh Kumar (MBA), HR Manager, Sekhani Industries Pvt. Ltd., Ahmedabad

Mayank Singh (MBA), Store Officer, Envero Infra Engineering Pvt Ltd, Jaipur

Rohit Kumar MBA, Branch Manager, Gonda, Chaitanya India Fin Credit Pvt Ltd

Salman (MBA), HR & Account, Mark Autorider LLP, Mumbai

Sunil Maurya (BCA), Medicial Billing, Pacific Access Health Care, Noida

Suraj Kumar Mall (MBA), HR Executive, Mahindra & Mahindra firm Divison, Indore MP

Suyash (MBA), Marketing Officer, PNB, Ayodhya

Tanisha Rawat (BBA), SEO Executive, Barrownz Peral Pvt. Ltd., Lucknow

राष्ट्रीय पर्वों पर आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ

मुख्य प्रबन्ध निदेशक श्री मिश्रीलाल वर्मा के साथ संकाय सदस्यगण

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती हुई संस्थान की छात्रा

ध्वाजारोहण करते हुए अध्यक्ष इं. पी.एन. वर्मा, मुख्य प्रबन्ध निदेशक व प्राचार्य

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए छात्र-छात्राएं

संस्थान की झलकियाँ

MAAsterG के द्वारा Happiness Guaranteed पर प्रेरणादायक व्याख्यान

MAAsterG के साथ मौजूद प्राचार्य व सदस्यगण

अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस में संस्थान में आयोजित कार्यक्रम के दृश्य

अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस में संस्थान में आयोजित कार्यक्रम के दृश्य

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के वृज प्रान्त के संगठन मंत्री श्री अंशुल श्रीवास्तव जी को लोकतंत्र के महापर्व में छात्र युवाओं की भूमिका पर व्याख्यान

फार्मेसिस्ट डे के अवसर पर फार्मेसी विभाग के छात्र द्वारा बनाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन करते निदेशक व अध्यक्ष इं. पी.एन. वर्मा

संस्थान की झलकियाँ

मैनेजमेण्ट संकाय के नवप्रवेशित छात्रों के समागम समारोह का दृश्य

मैनेजमेण्ट संकाय के नवप्रवेशित छात्रों के समागम समारोह का दृश्य

कृषि संकाय के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रयोगात्मक कार्य

कृषि संकाय के फार्म हाउस में प्रयोगात्मक कार्य करते संकाय के छात्र-छात्रा

कृषि दिवस के अवसर पर प्रगतिशील किसान के साथ भवदीय परिवार

प्रगतिशील किसान को सम्मानित करते प्रबन्ध निदेशक एवं प्राचार्य

पंजाब से अयोध्या 1100 किमी. की पैदल यात्रा करते प्रभु श्रीराम का दर्शन करने आये हुए 6 वर्षीय बालक मोहब्बत का स्वागत करते संस्थान के सदस्यगण

अभ्युदय : 2024-25

संस्थान की झलकियाँ

सीवेज एवं वाटर प्यूरीफिकेशन विषय पर नर्सिंग संकाय के छात्र-छात्राओं द्वारा शैक्षिक भ्रमण

वर्ल्ड डायबेटिक डे पर रैली निकालते नर्सिंग संकाय के छात्रगण

नेशनल कैंसर एवरनेस डे पर शपथ लेते मुख्य अतिथि डॉ. हरिओम श्रीवास्तव के साथ भवदीय परिवार

पीसीआई एक्जेक्टिव काउंसिल मेंबर श्री धर्मेन्द्र सिंह जी के साथ ग्रुप डायरेक्टर व फार्मेसी संकाय के छात्र-छात्राएं

प्रो.उत्तम कुमार (सेवी स्मार्ट) का स्वागत करते निदेशक डॉ. शिशिर पाण्डेय

यश पक्का लि. पर शैक्षिक भ्रमण

संस्थान की विविध झलकियाँ

कृषि संकाय के नव-प्रवेशित छात्र-छात्राओं के समागम समारोह में उपस्थित प्रबन्ध-तन्त्र, प्राचार्य व सदस्यगण

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि फार्मेसी कौंसिल ऑफ इण्डिया के अध्यक्ष डॉ. मंटू पटेल, संस्थान के सचिव डॉ. अवधेश कुमार वर्मा व ग्रुप डायरेक्टर

मैनेजमेण्ट संकाय में आयोजित दीवाली महोत्सव मेला में लगे प्रदर्शनी का अवलोकन व खरीदारी करते संस्थान के सचिव व बी.पी.एस. की डायरेक्टर डॉ. रेनू वर्मा

नर्सिंग संकाय के नव-प्रवेशित छात्र-छात्राओं के समागम समारोह में उपस्थित प्रबन्ध निदेशक-श्री मिश्रीलाल वर्मा, इं. पी.एन. वर्मा, प्राचार्य व अन्य सदस्यगण

अयोध्या दिव्य दीपोत्सव 2024 में भवदीय परिवार

अष्टम् वार्षिक समारोह पर आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ

अभ्युदय : 2024-25

अष्टम् वार्षिक समारोह पर आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ

संस्थान में आयोजित विभिन्न क्रीड़ा में प्रतिभाग करते छात्र-छात्राएं

विविध झलकियाँ

भवदीय ग्रुप में उपस्थित संगठन महामंत्री श्री धर्मपाल जी, उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्या जी व अन्य विधायकगण के साथ सचिव जी

मा. शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी के साथ भवदीय ग्रुप के बारे में चर्चा करते हुए सचिव डॉ. अवधेश कुमार वर्मा

जल शक्ति मंत्री मा. श्री स्वतंत्रदेव सिंह जी का भवदीय ग्रुप में स्वागत करते

उ.प्र. भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन श्री धर्मपाल जी के साथ सचिव डॉ. अवधेश कुमार वर्मा

भवदीय ग्रुप में खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री, उ.प्र. सरकार श्री राकेश सचान जी के साथ सचिव डॉ. अवधेश कुमार वर्मा, श्री के.पी. वर्मा व श्री संतराम वर्मा जी

राष्ट्रीय महामंत्री भाजपा श्री सुनील बंसल जी का स्वागत करते हुए सचिव डॉ. अवधेश कुमार वर्मा

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मा. श्री प्रांशुदत्त द्विवेदी जी(एम.एल.सी.) भवदीय ग्रुप में स्वागत करते हुए सचिव डॉ. अवधेश कुमार वर्मा

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अवध प्रान्त के प्रान्त प्रचारक श्रीमान् कौशल किशोर जी को स्मृति-चिन्ह प्रदान करते संस्थान के सचिव के साथ श्रीमान् प्रशान्त भाटिया जी

अभ्युदय : 2024-25

विभिन्न संकायों में प्रायोगिक कार्य करते हुए छात्र-छात्राएँ

विभिन्न संकायों में प्रायोगिक कार्य करते हुए छात्र-छात्राएँ

अभ्युदय : 2024-25

संस्थान में उपलब्ध सुविधायें

Registration Number : RMEE2115179

भवदीय आयुष हॉस्पिटल

—सेवा परमो धर्मः—

120 शैयायुक्त मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. हरिओम श्रीवास्तव

निदेशक, भवदीय आयुष हास्पिटल
वरिष्ठ सर्जन/पूर्व मुख्य चिकित्साधिकारी-अयोध्या

रमाऊ देवी हेमराज वर्मा चैरिटेबुल ट्रस्ट अयोध्या एवं भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा संचालित

समस्त रोगों का इलाज, ऑपरेशन एवं भर्ती करने की सुविधा

एन.एच.-28, अयोध्या -लखनऊ हाईवे, बरईकलाँ, सीबार, सोहावल, अयोध्या

24 घण्टे इमरजेन्सी सेवा

खून से सम्बन्धित समस्त प्रकार की जाँचों की सुविधा

डा. हरिओम श्रीवास्तव

डा. मूंगा मिश्रा

डा. एस.एस. खान

डा. संजीव कुमार

डा. तौफीक अंसारी

अल्ट्रासाउण्ड की सुविधा उपलब्ध है

जानकारी हेतु सम्पर्क करें-
श्री विकास वर्मा 9648619413
श्रीमती रितु वर्मा 7703005323

सर्जरी विभाग
- हार्निया व हाइड्रोशील का ऑपरेशन
- गुर्दे व पित्त की पथरी का ऑपरेशन
- अपेन्डिक्स, बवासीर, भगन्दर इत्यादि के ऑपरेशन
- अन्य सभी प्रकार की आकस्मिक सेवा

नेत्र विभाग
- मोतियाबिन्द व नाखूना का ऑपरेशन
- काला पानी की जाँच व ऑपरेशन
- पुतली की जाँच
- आँखों के नम्बर की जाँच

मेडिसिन विभाग
- जनरल ओ.पी.डी., ब्लड प्रेशर, थायराइड, डायबिटीज, लीवर एवं पेट सम्बन्धी समस्त रोगों का इलाज
- समस्त गंभीर बीमारियों का इलाज
- आपातकालीन सेवायें

दन्त विभाग
- दाँतों की नसों का इलाज
- दाँत निकालना व दाँत पर कैप लगाना
- फिक्स दाँत लगाना व दाँतो की सफाई
- टेढ़े-मेढ़े दाँतो का इलाज

स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग
- नार्मल व सिजेरियन डिलेवरी
- बच्चेदानी का ऑपरेशन
- समस्त महिलाओं से सम्बन्धित रोगों का इलाज

पैथॉलोजी विभाग
- खून, मल-मूत्र व अन्य जाँचें

बाल रोग विभाग
- बच्चों से सम्बन्धित समस्त रोगों का उपचार
- बच्चों का टीकाकरण इत्यादि

मानसिक विभाग
- सिरदर्द, मिर्गी का दौरा, उदासी, नींद न आना, थकान व सुस्ती, भूख न लगना
- दिमागी झटके, याद्दाश्त कमजोर पड़ना
- मंदबुद्धि व हिस्टेरिया
- शराब व अन्य नशीले पदार्थों की लत।

हड्डी रोग विभाग
- कमर, गर्दन व जोड़ों के दर्द का इलाज
- हड्डी से सम्बन्धित समस्त रोगों एवं फ्रैक्चर का उपचार

आई.सी.यू., एन.आई.सी.यू., जनरल ओ.पी.डी., जनरल एवं प्राइवेट वार्ड

for enquiry go on website
Website : bhavdiyaschool.ac.in
E-mail: bps@bhavdiya.com

Call us 6390250000
6390260000

(A UNIT OF BHAVDIYA GROUP OF INSTITUTIONS)

ARISE WITH VIRTUES — BHAVDIYA

BHAVDIYA PUBLIC SCHOOL

Affiliated to C.B.S.E. New Delhi (Playgroup to Class XII)

Individual focus.Infinite potential

MAHOBARA BAZAR, RANOPALI-AYODHYA (U.P.)

Bhavdiya Smart Campus

- Transport facility with GPS & CCTV surveillance Device
- Indoor & Outdoor Games for all age group
- Globally sourced students-friendly furniture
- Spacious, Digital & AC Classrooms
- Science, Maths, Computer & English Language Laboratories
- Music, Dance & Fine Art Studies
- Competent and Qualified Staff
- Modern Infrastructure with CCTV Camera
- Lift service for all floor
- Activity based learning
- Co-Curricular activities
- Hygenic Atmosphere
- Wi-Fi Campus
- Swimming Pool

MISSION :
Strive relentlessly and vigorously-to realize the vision-by making the best use of quality infrastructure, resources and commited faculty.

Security
The latest technology have been used in the premises to look after the security of the students such as-

I. Biomatrix devices
II. Fire proof and alarm system
III. CCTV cameras
IV. RFID (Radio Frequency Identification) Card for Student

DNAs

Designing New Approach Of Smile
Our motto is to make every child safe & secure in the premises. A teacher only emerges when the child is ready to learn. Here at Bhavdiya, each child feels special & celebrated with a smiling face.

समाचार-पत्रों में भवदीय ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स

65 विद्यार्थियों को वितरित किए टैबलेट

भवदीय में मतदाता जागरूकता सम्पन्न

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ मना सारस्वत समारोह

परिक्रमार्थियों के सेवा-सत्कार की होड़ रही

भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ने मनाया आठवां वार्षिकोत्सव

वार्षिकोत्सव के मुख्य अतिथि रहे बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान

नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए फेयर पार्टी आयोजित

भवदीय ग्रुप ने मनाया आठवां वार्षिकोत्सव रंगारंग कार्यक्रम की रही प्रस्तुति

देश सेवा में भी लगें फार्मेसी के छात्र

शहर एक नजर में...

एक सशक्त सरकार बनाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें विद्यार्थी

भवदीय ग्रुप ने मनाया आठवां वार्षिकोत्सव, रंगारंग कार्यक्रम की रही प्रस्तुति

भवदीय ग्रुप में चार दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम संपन्न

भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स ने मनाया आठवां वार्षिकोत्सव

बच्चों के लिए हुआ इंडक्शन कार्यक्रम

नव प्रवेशित छात्रों के लिए अनुगम समारोह का किया आयोजन

अनुक्रम

1.	Bhavdiya Institute of Business Management Annual Progress Report 2023-24	–	*Dr. Shishir Pandey*	5
2.	Annual Report 2023-24 : Bhavdiya Institute of Pharmaceutical Sciences and Research	–	*Dr. Sanjay Kumar Kushwaha*	11
3.	वार्षिक रिपोर्ट : शिक्षक-शिक्षा संकाय	–	*सुधीर वर्मा*	15
4.	वार्षिक व्याख्या : कृषि संकाय (2023-24)	–	*विनोद कुमार वर्मा*	16
5.	Academic Progress Report Department of Home Science (BEI)	–	*Dr. Sneh Lata Singh*	19
6.	Department of Science	–	*Mr. Anshu Gupta*	21
7.	Annual Report (2023-24)	–	*Mrs. Jyoti Rani*	22
8.	Annual Report : Bhavdiya Medical College and Institute of Nursing	–	*Mrs. Johnsi Rani*	23
9.	वार्षिक क्रीड़ा आख्या (2023-24)	–	*शैलेष मिश्र*	25
10.	वार्षिक आख्या : राष्ट्रीय सेवा योजना (2023-24)	–	*डॉ. सुजीत कुमार यादव*	26
11.	B.E.I. Event Report 2023-2024	–	*Dr. Sneh Lata Singh*	28

प्रबन्धन-अनुभाग

1.	Biometrics authentication for identification ..	–	*Er. Sumit Kumar Srivastava*	32
2.	The Role of Technology and Gadgets	–	*Shivendra Pratap Singh*	34
3.	Importance of Marketing Management.....	–	*Manoj Kumar Shukla*	35
4.	Forensic Accounting : Detecting and.....	–	*Kaushlendra Mishra*	37
5.	Effective Instructional Strategies in	–	*Amit Tripathi*	38
6.	The Impact of Social Media on Modern..	–	*Akanksha Mishra*	39
7.	Support Matters	–	*Faiza Rizvi*	40
8.	The Rise of E-commerce : Revolutionizing ..	–	*Shreya Singh*	40
9.	Embracing the Power of Modern.....	–	*Sateesh Kumar*	41
10.	Cashless Economy or Digital Economy	–	*Ananya Srivastava*	41
11.	College Life	–	*Suyash Agrawal*	42
12.	FLOW WITH BHAVDIYA	–	*Muskan Yadav*	42
13.	Smart City : The New Picture of India's	–	*Harshit Garg*	43
14.	विचार बिन्दु	–	*संजय सिंह*	44
15.	The Impact of Technology on Education	–	*Abhishek Kumar*	45
16.	शेर-सा साहसी, शिवाजी राजा	–	*शिखा शर्मा*	45
17.	कैसे पहचाने कौन जेबकतरा है	–	*मोहम्मद कैफ*	45

फार्मेसी- अनुभाग

1-	The Role of Pharmacology in Healthca....	–	*Mr. Ran Vijay Singh*	46
2-	The Life of a Career Woman	–	*Jyoti Verma*	48

3-	Contribution of Chemistry in Improving	–	*Mr.Prem Prasad*	49
4-	Importance of microbiology in daily life	–	*Jagdeesh Prasad*	50
5-	The Role of Pharmaceutics in Pharmacy	–	*Mr. Rakesh Kumar Pandey*	51
6-	Pharmacists : The Silent Heroes of Heal...	–	*Madhukar Prabhash*	52
7-	Reflecting on Year Progress	–	*Mayank Panday*	53
8-	I DREAM A WORLD	–	*Ankit Maurya*	53
9-	Pharmacist	–	*Dalveer kumar*	54
10-	Organic Chemistry	–	*Pranjal Gupta*	54
11-	Human Anatomy and Physiology	–	*Sandeep Kumar Yadav*	54
12-	Pharmaceutics	–	*Aditya Raj Pandey*	55
13-	NATURE	–	*Ansharah*	55
14-	JUSTICE : THE ONE-EYED GUARDIAN	–	*Avinash Rai*	55
15-	WHAT IS ANGER	–	*Saurabm Pandey*	56
16-	My Teacher	–	*Alok Pandey*	56
17-	माता–पिता और गुरु	–	*शिवानी यादव*	56
18-	मुस्कुराहट पर हक है आपका	–	*साक्षी नन्द*	57
19-	समस्याओं का बोझ और हम	–	*मीनाक्षी*	57
20-	माता–पिता का महत्त्व	–	*लक्ष्मी चौरसिया*	58
21-	पापा हैं कुछ नहीं कहते हैं	–	*Jannatul Salmani*	58
22-	पिता	–	*Abhishek Pandey*	59
23-	नारी शक्ति	–	*Abha singh*	59
24-	अनमोल विचार	–	*परतोष शर्मा*	59
25-	Pharmacist	–	*Shivangi Verma*	60
26-	कॉलेज की यादें	–	*समीक्षा पाल*	60
27-	गरीबों की आह	–	*VIVEK TIWARI*	60
28-	नौकरी	–	*Manoj Verma*	60
29-	प्रेम मंदिर	–	*संजय कुमार*	61
30-	जीवन का सफर	–	*Adarsh Verma*	61

शिक्षक– प्रशिक्षण अनुभाग

1.	हमारे जीवन में किताबों का महत्त्व	—	*सुधीर वर्मा*	62
2.	बाल मनोविज्ञान और शिक्षण	—	*सुनीता वर्मा*	63
3.	सामाजिक परिवर्तन	—	*अनूप कुमार सिंह*	64
4.	LICHEN	–	*Shiv Prasad Verma*	65
5.	घर के आँगन का महत्त्व	—	*ममता सिंह*	67
6.	Society and English	—	*Surya Nath Singh*	68
7.	गणित की भूमिका	—	*राजू वर्मा*	68
8.	डिजिटल इंडिया	—	*विशाल विश्वकर्मा*	69
9.	मानव जीवन में शिक्षा की उपयोगिता	—	*अरुण कुमार मौर्य*	70
10.	राष्ट्रभाषा–हिन्दी	—	*आँचल विश्वकर्मा*	72
11.	आत्मविश्वास	—	*हेमा सिंह*	72

12.	समय	—	महिमा	73
13.	You Are A Flame	–	*Sakeena Farooqui*	73
14.	कोशिश कर	—	*आयशा इरशाद*	73
15.	जीवन की कविता	—	*नैन्सी मोदनवाल*	73
16.	लड़कियों की जिन्दगी आसान नहीं होती	—	*सरिता वर्मा*	74
17.	भँवरे की सीख	—	*सौम्या सिंह*	75
18.	विद्यार्थी-जीवन	—	*शिवाली सिंह*	75
19.	माँ	—	*कामेश प्रताप सिंह*	75
20.	शिक्षा	—	*पूर्णिमा गुप्ता*	76
21.	कैदी और कोकिला	—	*वैशाली सिंह*	76
22.	एकता की ताकत	—	*नेहा*	76
23.	पक्षी	—	*सरिता गौड़*	77
24.	आधुनिक विज्ञान की कहानी	—	*हर्षिता सिंह*	77
25.	विज्ञान और प्रौद्योगिकी के फायदे और नुकसान	—	*निकिता पाण्डेय*	78
26.	बचपन की यादें	—	*कोमल रावत*	78
27.	शिक्षा और संस्कार के महत्त्व	—	*डिम्पल वर्मा*	79
28.	बेटी (नारी)	—	*प्रिया तिवारी*	79

कृषि- अनुभाग

1-	Scientific Cultivation of Litchi	–	*Dr. Vinod Kumar Verma*	80
2-	Role of Home Science Education	–	*Dr. Sneh Lata Singh*	83
3-	Advantages of Goat Farming in India	–	*Dr. Sujeet Kumar Yadav*	87
4-	Government Schemes Promoting Indian	–	*Jitendra Kumar Awasthi*	88
5-	SOCIAL MEDIA	–	*Saurabh Singh Yadav*	90
6.	संधारणीय कृषि, संधारणीय भविष्य	–	*विनय कुमार वर्मा*	91
7.	फसल अवशेष प्रबंधन से मृदा उर्वरता में परिवर्तन	–	*पतिराम मौर्य*	92
8-	Education	–	*Aastha Singh*	94
9-	I'll Start Tomorrow	–	*Hemant*	94
10-	Corruption in India	–	*Tanya Singh*	95
11-	Everything Happens for a Reason	–	*Akanksha Singh*	95
12-	Feminism and Women's Rights Movements	–	*Kavya Patel*	96
13-	The Power of Mindset : Unlocking Your.....	–	*Adarsh Garg*	96
14-	Lesson	–	*Zainab Fatima*	97
15-	DIGITAL INDIA	–	*DishaTiwari*	97
16.	मृत्यु से कठिन किसानी है	—	*माधवेन्द्र प्रताप यादव*	98
17.	जिन्दगी : एक सफर है सुहाना	—	*आकांक्षा सिंह*	98
18.	जल संरक्षण	—	*अंशिका मिश्रा*	99
19.	वर्तमान की घटनाएँ	—	*श्रेया चौधरी*	99
20.	बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ	—	*रजनी*	100

16- Leadership Studies – *Afreen Bano*

21.	कोशिश करने वालों की हार नहीं होती	—	*मानसी यादव*	100
22.	सामाजिक एकता	—	*अंशिका पाण्डेय*	101
23.	**Leadership Studies**	–	***Afreen Bano***	101

नर्सिंग- अनुभाग

1.	**Be A Nurse**	—	***Ms. Preeti Chakrawarti***	102
2.	**Few Psyhological Facts About Human.....**	—	***Ms. Divya Pal***	102
3.	**Some quotes and lines about nursing**	—	***Ms . Divya***	103
4.	जुनून	—	***Ms. Sandeepa Patel***	104
5.	बेटी	—	***Mr. Anukool Mishra***	104
6.	**Nursing Rhymes**	—	***Ashwani Srivastav***	104
7.	**Soul of Bhavdiya**	—	***Yashvardhan Maurya***	105
8.	**Florence Nightingale**	—	***Pallavi Patel***	105
9.	**Do you know what is she?**	—	***Tiam Fatima***	106
10.	**Struggle of Student Life**	—	***Oshika Singh***	106
11.	**Educational Thought**	—	***Keerti Verma***	106
12.	**Nature**	—	***Aashira Bano***	107
13.	**The ode to the beautiful college days**	—	***Priya Mishra***	107
14.	**Story**	—	***Twinkle Singh***	107
15.	**Drug Note**	—	***Sakshi Patel***	107
16.	**Our Profession**	—	***Anjali Dhuria***	107
17.	**Nursing as a Profession**	—	***Sunita Maurya***	108
18.	**The Nurse**	—	***Sakshi Verma***	108
19.	**Motivational Thought**	—	***Shraddha Prajapati***	108
20.	कलम की ताकत	—	***Jyoti Arya***	108
21.	कालेज जीवन	—	***Archana Verma***	108
22.	कुछ शब्द माता-पिता के लिए	—	***Muskan Singh***	109
23.	एक लड़की समाज से कुछ कहना चाहती है	—	***Reena Chaurasiya***	109
24.	पिता	—	***Nandani***	110
25.	माँ	—	**Ankita Verma**	110
26.	मेरा प्यारा परिवार	—	***Antima***	110
27.	शिक्षक	—	***Mahima Gupta***	111
28.	जीवन गाथा	—	***Kanchan Gupta***	111
29.	जब नानी के घर हम जाते हैं	—	***Vinita Kumari***	111
30.	जिन्दगी	—	***Shivanshi Kashyap***	112
31.	प्रकृति	—	***Akanksha Gautam***	112

❖❖❖

Bhavdiya Institute of Business Management

Annual Progress Report 2023-24

—Dr. Shishir Pandey

"In most cases one type of man is needed to plan ahead and an entirely different type to execute the work."

— Frederick Winslow Taylor

As the Director of Bhavdiya Institute of Business Management, I aim to shape students' greatness with the commencement of the new session. Numerous extracurricular activities that support students' overall development have been planned to fulfil the duty of reaching the objective. Presenting the annual report for the 2023–24 session is a joy for me. There were a lot of events and success stories throughout this session. The students' growth and development were greatly accelerated during this academic session.

The Bhavdiya Group of Institutions was established in 2010 and began offering M.B.A., BBA, and BCA courses in its first session in 2011–12. It is situated at Seewar, Sohawal, Ayodhya. B.Com. and M.Com.programs were then established as part of the ongoing enlightening academic service with the goal of offering professional education in the rural Ayodhya District and connecting members of all societal segments to this institution through education.

Under the Bhavdiya Institute of Business Management (BIBM), affiliated to A.P.J. Abdul Kalam Technical University, Lucknow (AKTU CODE: 743), the Master of Business Administration (MBA) program offers all of the university's specialization's, including Finance, Marketing, Human Resources, Information Technology and International Business. The All India Council of Technical Education (AICTE) approved the course since its inception. The intake of MBA is 60 seats; additionally 5 seats are reserved for EWS. Bhavdiya Institute of Business Management is one of the top institutes in Ayodhya and the surrounding districts. Any graduate can enroll in an MBA program with 50% of the possible points (45% for SC/ST students).

According to standards, the institute employs both teaching and non-teaching staff. It also has a library with a good selection of books and periodicals and a well-equipped computer lab.

Training and Placement : A separate Training and Placement cell is being managed under supervision of **Dr.ShishirPandey (Director BIBM).**

The Bhavdiya group of institutions' placement unit is dedicated to supporting and assisting thousands of students in all course

types. The placement cell oversees all of the institution's placement-related activities, including spoken English classes, presentations, mock interviews, and personality development. In order to recruit students from all disciplines and to organise unique guest lectures, industrial visits, internships, and campus drives, the office coordinates with a number of corporate houses and industrial establishments.

Our top placements during 2023-24 :

S.No	Name	Class	Company	Designation
1.	Anas Khan	MBA	Programers.io	Recruitment Consultant
2.	Suraj Kumar Mall	MBA	Mahindra & Mahindra firm Divison	HR Executive
3.	Hareesh Kumar	MBA	Sekhani Industries Pvt. Ltd.	HR Manager
4.	**Amit Kumar Singh**	MBA	Jeene	Carbo Assistant
5.	Rohit Kumar	MBA	Chaitanya India Fin Credit Pvt. Ltd	Branch Manager
6.	**SuyashSrivastava**	MBA	PNB	Marketing Officer
7.	**Disha Sharma**	MBA	Accenture	Payroll operation Analyst
8.	**Abhishek Singh**	MBA	Megha Engineering Infrastructure Pvt. Ltd.	Store Executive
9.	**Avinash Singh**	MBA	Ernst & Young Pvt. Ltd.	Human Resource Associate
10.	**Mayank Singh**	MBA	Envero Infra Enginer Pvt Ltd	Store Officer
11.	**Salman**	MBA	Mark Autorider LLP	HR & Accountant
12.	**DevendraVerma**	MBA	HUL Pvt. Ltd.	Territory Sales Officer
13.	Aditya Singh	BCA	Click Melon Media Pvt. Ltd.	Senior Executive
14.	Tanisha Rawat	BBA	BarrownzPeralPvt. Ltd.	SEO Executive
15.	Sunil Maurya	BCA	Pacific Access Health Care	Medical Billing

Toppers of MBA (Last Five Years) :

We consistently support and acknowledge our top students for their accomplishments.

SESSION	STUDENT NAME	PERCENTAGE	RANK
2019-20	SHIWANI SINGH KUSHWAHA	78.4% (HONOURS)	I
	AFREEN FATIMA	72.08% (HONOURS)	II
2020-21	SHAKTI MISHRA	74.44% (HONOURS)	I
	SHIVAM TRIPATHI	69.33%	II

2021-22	NIVEDITA SRIVASTAVA	79.18% (HONOURS)	I
	DISHA SHARMA	76.6% (HONOURS)	II
2022-23	**PRAGYA TIWARI (8th Rank in AKTU Toppers)**	80.1% (HONOURS)	I
	ARSHIYA SULTAN	77% (HONOURS)	II
2023-24	ANAS KHAN	74.97%	I
	MAYANK SINGH	74.43%	II

Bachelor of Business Administration (BBA) and **Bachelor of Computer Application (BCA)** are under graduation degree courses running in **Bhavdiya Educational Institute** (RMLAU CODE-275). The institute is affiliated to Dr.Rammanohar Lohia Awadh University, Ayodhya, U.P. Both the courses are approved by University Grant Commission, New Delhi.BBA and BCA have also Approved by AICTE since 2023.

Bachelor of Business Administration

BBA is a specialized course for Business Management in which student of intermediate having 40% marks from any discipline can get admission. Most of our students prefer MBA course after BBA, though we provide them the job opportunities. Some of our students are working in renowned companies.

Toppers of BBA (Last Five Years) :

We always encourage and recognize our topper students for their success.

SESSION	STUDENT NAME	PERCENTAGE	RANK
2020-21	**FATIMA ZEHRA WASSEM (RMLAU Gold Medalist)**	76.1 % (HONOURS)	I
	SHREYA GUPTA	74.55 %	II
2021-22	BRIJENDRA SINGH	67.97	I
	KAJOL SINGH	67.57	II
2022-23	MOHD SAJJAD KHAN	71.62 %	I
	RAHUL KUMAR	71.37 %	II
2023-24	SWEKCHHA SINGH	77.60 %	I
	TANISHA RAWAT	75.45 %	II

Bachelor of Computer Application :

To make aware with computer application and software technology, we provide **BCA** course. We produce software developers through BCA and most of our students are working in different Software companies. A separate training session is also provided to the students to improve and aware with new technologies of software development. In BCA, student of intermediate with

Mathematics having 45 % marks (for SC/ST 40 %) can get admission.

The toppers of BCA (Last Five Years):

SESSION	STUDENT NAME	PERCENTAGE	RANK
2020-21	RINKI TIWARI	76.69 % (HONOURS)	I
	PRIYANKA YADAV	76.44 % (HONOURS)	II
2021-22	SHRISHTI GUPTA	78.86 % (HONOURS)	I
	ISHIKA GUPTA	78.13 % (HONOURS)	II
2022-23	PRASHANT KUMAR SRIVASTAVA	76.10 %	I
	VIJAY LAXMI	76 %	II
2023-24	MOHD. ZAFEER	79.60 %	I
	SHRADDHA YADAV	79 %	II

Bachelor of Commerce:

Bachelor of Commerce (B.Com. Degree) is a three-year undergraduate course that attracts a large number of students each year. B.Com is one of the most popular Commerce courses. With the help of digitalization, this degree aims to give students a broad view on how technology is integrating business, trade, commerce, and finance. First batch of B. Com. started in the year 2019-20 affiliated to Dr. Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya.

Toppers of B. Com. :

SESSION	STUDENT NAME	PERCENTAGE	RANK
2021-22	JAHNVI PANDEY	62.66 %	I
	AANCHAL KUMARI	53.27 %	II
2022-23	MANU GUPTA	62.22 %	I
	AADARSH PRATAP SINGH	60.77 %	II
2023-24	QUDSIA SULTAN	79.14 %	I
	LALITA CHAURASIYA	75.00 %	II

Master of Commerce (M. Com.):

Students who wish to get a deeper understanding of accounting, taxation, banking, finance, and insurance often pursue an M.Com. degree. Through this curriculum, they can improve their skills in financial management and get specialized knowledge in the field of their choice.

Commencement of M.Com. is from the year 2021-22.

Toppers of M.Com.:

SESSION	STUDENT NAME	PERCENTAGE	RANK
2022-23	MOHD. MULTAMIS	57.81 %	I
2023-24	TANIYA NAG	75.68 %	I
	ANJALI NAG	75.57 %	II

EVENT REPORT 2023-24

1. BIBM organized a Financial Literacy Program on 28th August, 2023 (Monday). This Investor Awareness Program was designed to be an engaging and informative session that equips participants with the necessary knowledge to embark on their journey to financial success. The Speaker & Guest of that program was **Prof. Uttam Kumar SEBI SMART (Securities Market Trainer) Empaneled Trainer, BSE (Bombay Stock Exchange Limited)**.
2. On August 30, 2023, Small Industries Day was celebrated. On this day, Mr. Manoj Shukla, Asst. Prof. BIBM, spread awareness among students about small industries, and a debate competition was organized between BBA, BCA, B. Com., M.Com. and MBA students.
3. On 05 September, 2023,Teacher's Day was celebrated by the students of BIBM department in 'A' Block seminar hall.
4. On 26 September, 2023 Bhavdiya Institute of Business Management commenced its event with orientation day "Parichay" 2023, in which the newly admitted students of BBA, BCA, B. Com., M.Com. and MBA were introduced with their respective departments, Management authorities, HODs and Faculty members and also with their seniors along with other persons from different departments. Fresher's party for newly admitted students was also celebrated in the same day. New students performed in different programs to explore their skills and remove hesitation. On the basis of their performance, Mr. Fresher and Miss Fresher were declared.
5. On occasion of Gandhi Jayanti, the cleanliness drive "Swachh Bharat Abhiyaan" was organized on 03 Oct, 2023 by the students of BBA, BCA, B.Com., M.Com. and MBA.The main purpose of this event is to develop habit and awareness about cleanliness under Swachchh Bharat Abhiyan.
6. On 23 October 2023 Dusshera was celebrated by BIBM students during which Ramleela play was performed by the students of BIBM. The program was hosted by Siddharth Pandey, student, B.Com. Different aspects of Ramayana were covered in three hours play by the students. This event was highly appreciated by the guests and students were rewarded for their excellent performance.
7. On 2 Nov 2023, a CV Preparation Competition was held. This competition was scheduled after a C.V. preparation class taken by Mr. Dhananjay Singh, Asst. Prof. in which students were instructed how to prepare impressive C.V. This competition was a reflection of that session.
8. BIBM celebrated Deepawali Fest on 8th November, 2023. The college campus was decorated with flowers and designed rongoli at entrance. Chief Guests of this event were Dr. Awadhesh Kumar Verma, Secretary, BGI and Dr. Renu Verma, Director, BPS. The program started with the worship of Goddess Saraswatiji with lighting the lamp by the chief guests. Deepawali decoration items (handmade crafts, drawing, creative items) stalls were set up to sell their unique products. Students participated with vigour and zeal. Because

there was a competition between BBA, B. Com. and BCA to sell maximum items and earn maximum profit. The program was divided into three shifts. In the first shift, the chief guest, in the second shift all the staff members of BGI and in the third shift the students of all the departments purchased creative items from different stalls and appreciated the creativity of the children. All the students who participated in this fest were appreciated by the certificates.

9. BIBM has organized an informative Guest lecture on "Importance of youth participation in social work" on 10th November, 2023 for the students of first semester. The guest lecture has been organized to encourage students for social work. The speaker of the guest lecture was Dr. Sujeet Kumar Yadav (Program Officer, NSS). He informed all the students on a large scale about the National Service Scheme. He discussed about NSS certificates and benefits received from them. Further he explained about social work, national youth power, women empowerment, drug eradication, AIDS, cleanliness, unity day etc.
10. On 18 November 2023, a Computer Fundamental workshop was organized for BCA, BBA, B. Com, M. Com. and MB Astudents. The purpose of this workshop was to learn MS Office and is uses. Mr. Sumit Kumar Srivastava, Assistant Professor, BIBM had mentored the students.
11. On November 22, 2023, National Entrepreneur Day was celebrated, and on this day, we organized a quiz competition related to business and entrepreneurship for our BBA, BCA, B. Com., M. Com. and MBA students. Four teams, A, B, C and D were constituted with the students of each course. This program was guided by Mr. Shivendra Pratap Singh, Assistant Professor, BIBM.
12. Students of BIBM visited for an industrial at "Yash Pakka Limited, Ayodhya" on 29th November, 2023 for the students of first and third semester. A group of 39 students of the BIBM department led by Assistant Professor Mr. Kaushlendra Mishra, Mr. Amit Tripathi and Mr. Atul Singh visited Yash Pakka Limited. Students got an informative and wonderful experience of visiting an industry and witnessed the process of making paper and its by-products and got the real experience of the industry.
13. Industrial visit presentation competition was organized on 5th, December 2023, under the supervision of Mr. Kaushalendra Mishra and Mr. AmitTripathi, Asst.Prof. in which students shared their views and experience of last industrial visit by power point presentation.
14. During Decemeber 2023 to January 2024, second season of intermediate inter college tennis ball cricket tournament Bhavdiya Premier League-2 was organized. In this tournament teams from different inter college of Ayodhya District were participated. The league was started from 11, Dec 2024 and its final match was played on 13 Jan 2024 in which prizes were distributed by Shri.Vinod Kumar Chaudhary, Tehsildar-Sohawal, Ayodhya, and Chief Guest of the ceremony.
15. On December 20, 2023 a Mock Interview session was organized to practice of the students for job interviews. BIBM faculty members had interviewed the students for different positions in different sectors for their placement preparation.
16. On 16 January 2024, a National Startup Day was celebrated. The purpose of

celebrating this day to teach students how to start a business and how to grow a small business into a larger one. Mrs. Akanksha Mishra instructed students to prepare Charts and Models in a stipulated time.

17. On 19 January 2024 a Business/Computer Science Quiz was organized for MBA, BBA and BCA students. Teams were constituted by members of each class so that they could participate in each class so that they could participate in each question.
18. Seminar on different topics was organized on 2 Feb 2024 in this event students presented their topics in power point. The aim of this event was to develop research ability among students.
19. On February 4, 2024, World Cancer Day was organized by BBA, BCA, B.Com, M.Com. and MBA students and on this day Mr. Kaushlendra Mishra spread awareness among students about cancer.
20. To enhance analytical quality in the students a group discussion was conducted on 23 Feb 2024 in this event different corporate topic were given to the students for discussion and observed their views and knowledge about that.
21. A debate competition was held under the supervision of Mr. Amit Tripathi, Asst. Prof. on 10th March 2024 between two groups of students. The topic was "Is AI more beneficial or harmful to job markets? "Both groups performed very well.
22. On 20th March 2024 a Career Counseling Seminar was organized on which Mr. Manoj Kumar Shukla had taken the session in the presence of all faculty members to appreciate students so that they can enhance their skills and bring out their furtive talents.
23. Mr. Manoj Kumar Shukla organized a workshop of spoken English on 27 March 2024 for the students to enhance their communication skills in corporate behaviour.

Summary :

In order to adapt to the constantly shifting corporate and educational landscape, we consistently raise the bar by implementing the newest instructional resources, updated training curricula, and a variety of events and activities. After graduating from the institute, all students are prepared for a high-pressure work environment by being exposed to a real-world corporate setting.

In addition to imparting specialised knowledge and practical skills, one of the most significant things we do for students is to assist them in aligning their interests with their professional path. In order to meet the challenges of the future, the focus is on improving personal effectiveness and managerial competence. The institute is grateful to its dedicated employees, knowledgeable instructors, and those who consistently bless us with their support and growth. Not to mention, our pupils work hard and are cooperative. They have demonstrated their aptitude and capacity to realise our goal. They have a competitive grasping power since they do as their mentors say.

We look forward to a better future for this community and the other locations where we educate the youngsters.

(Dr. Shishir Pandey)
Director
Bhavdiya Institute of Business Management
Seewar, Sohawal, Ayodhya, U.P.

Annual Report 2023-24

Bhavdiya Institute of Pharmaceutical Sciences and Research

"I deem it my privilege to place a brief report of the activities of the academic year 2024-25"

Bhavdiya Institute of Pharmaceutical Sciences and Research (**BIPSR**) was established in 2013 and has emerged as a pharmacy institution with a promising institution of the region, providing value added quality education in pharmacy, and an institution striding towards excellence with the vision "***To establish an excellent, value-based higher educational hub to meet the challenges of global competitiveness***", several steps are being undertaken for multi-dimensional growth of the students and institution, contributing in turn towards the growth of a healthy and happy society.

Diploma in Pharmacy (**D. Pharm.**) was started on **2013** with the intake of 60 seats; ***Bachelor of Pharmacy*** (**B. Pharm.**) on **2017** with the intake of 100 seats and ***Master of Pharmacy*** **(M. Pharm.)** was started on **2021** with two allied branches i.e. ***M Pharm in Pharmaceutics***and ***M. Pharm. in Pharmaceutical Quality Assurance*** with the intake of 15 seats each. The BIPSR is affiliated from the Pharmacy Council of India (**PCI**) New Delhi. Diploma in Pharmacy is affiliated from the Board of Technical Education (**BTE**) Lucknow and Bachelor of Pharmacy & Master of Pharmacy are affiliated from Dr. APJ Abdul Kalam Technical University (**AKTU**), Lucknow.

Staff

The BIPSR have full time faculty members with specialization in core and allied braches of pharmacy and non-teaching staff as per PCI/ AKTU/BTE norms.

Students

In the current academic session, we have totally one hundred twenty students in the D. Pharm; about four hundred students in B. Pharm. and about fifty students in M. Pharm. Regular classes are conducted without compromising the standard of teaching. All academic measures are sincerely followed to create an ambience for teaching and learning in the BIPSR. Emphasis is given to experimental/ practical learning. Apart from this, presentation/ class test have also been organized for exposing the students to become confident. Strict discipline is maintained in the BIPSR to provide safety, security and ambience for learning. A balance between curricular and extracurricular activities is very well maintained in the college to prevent any student entering into a state of boredom or to become a bookworm.

Library

The BIPSR library has totally 4491 Volumes, 875 titles and animal experimental software CDs, in our library. We have subscribed fifteen Journals, five general magazines and two newspapers in the library.

Infrastructure

The BIPSR is having **eight classrooms** and **seventeen laboratories** including machine room, central instrument room and museum. Separate girls and boys common rooms with common facilities have been provided to the students.

Academic Excellency Achievers : The students of BIPSR were performed time to time and proved they outstanding.

S. No.	Rank Holder	Class	Session	Score/Rank
1.	***Arjun Kanaujiya***	D. Pharm	2023-24	75.65/ First
2.	***Mohd Ayaz***			73.30/ Second
3.	***Vikas Chaurasiya***	B. Pharm	2023-24	83.90/First
4.	***Versha Verma***			83.60/Second
5.	***Tushar Mishra***			83.60/Second
6.	***Rishu Singh***	M. Pharm Pharmaceutics	2023-24	84.70/First
7.	***Pushpa Patiram Harijan***			83.10/Second
8.	***MaltiNishad***	M. Pharm Pharmaceutical Quality Assurance	2023-24	86.10/First
9.	***Shahnawaz Ahmad***			86.00/Second

Extra-curricular activities

We firmly believe that all round development takes place only if a student participates in various extra-curricular activities. Therefore, a lot of emphasis and importance has been given to it. Sports activities, such as Cricket, Volley ball, Badminton, Carom, Chess, and various athletic events including field and tract were organized over the year. There were nearly nine to ten events in cultural activities were conducted during the session with active participation of the staff and students.

Induction Program

With the cooperation of the students and the faculty members the Induction program was able to record the feedbacks of the students in **Expert Talks**. ***A number of eminent persons*** weremotivated the new entrants. The total involvement of deputed facultiesactively engrossed in various responsibilities of induction program. That facilitated to motivate the entrants to stir like a sugar in water of institutional activities. Students are made aware about multidisciplinary areas and their developments and developed ability to transcend from subjective knowledge to the application of subject in real life situations.

Industrial Visit

The ***Industrial Visit*** is universally regarded as a vital component of pharmacy education and is an indicator of the extent of industry institute interaction, which is very essential to correlate the theoretical & practical knowledge. It is very important for the growth of industry and attaining excellence in technical

education. We conducted an industrial tour of about 68 students from B. Pharm final year on 31 March to 4 April 2024, and the objective of this industrial visit was to acquaint the students with the industrial setup and help them establish correlation between theoretical and practical knowledge.

Yoga Diwas

Yoga, a transformative practice, represents the harmony of mind and body, the balance between thought and action, and the unity of restraint and fulfillment.The 10th International Day of Yoga was organized with the theme "***Yoga for Self and Society***." On 21 June 2024 and about 380 students were actively participated.

Voters Awareness Program

The Voters Awareness Programme was conducted on 13 May 2024 to create awareness about the right to vote among the youngsters.

Celebration of World Pharmacist Day 2024

We celebrated **The World Pharmacists** Day on 25th September 2024. Pharmacist is the link between the doctor and the patient, who Along with proper use of medicines, patients are given proper advice on eating habits. Therefore, they should help the patients whol eheartedly.

The theme for 2024, 'Pharmacists : Meeting Global Health Needs', underscores how pharmacists are central to addressing diverse health challenges, including disease prevention, patient care, and medication access, particularly in underserved communities.

The Indian Constitution Day

India marked a historic milestone by celebrating the 75thanniversary of the adoption of the Constitution.The Constitution, adopted on November 26, 1949, and enforced onJanuary 26, 1950, established India as a sovereign, democratic republic. Constitution Day (**Samvidhan Divas**) has been commemorated annuallysince 2015 to honor this transformative moment in India's history. On 26 Nov 2024 we celebrated the Constitution Day with the theme "***Humara Samvidhan, Humara Swabhimaan***"

Plantation Drive

एक पेड़ माँ के नाम initiative, aimed at fostering a greener and more sustainable environment. This event underscored the crucial role of tree planting in environmental conservation and sustainability efforts. About 50 plants were planted at the BGI campus.

Conclusion

BIPSR is growing and marching ahead with all its might, definitely with the right spirit and in the right direction. This is possible because **BIPSR FAMILY** believes and follows the ***Institutional Core Values*** namely Discipline, Determination, Dedication, Integrity & Trust and Interest & Involvement. Students are oriented here towards conspicuous value additions, namely, the quest for knowledge, the desire for innovation, the approach for total personality development and the pride in being a member of BIPSR family. The institute has rightly envisioned becoming a role model in Pharmacy education and the most preferred choice of students, parents, faculty and industry.

–Dr. Sanjay Kumar Kushwaha
DIRECTOR
Bhavdiya Institute of Pharmaceutical Sciences and Research, Ayodhya

❑

वार्षिक रिपोर्ट : शिक्षक-शिक्षा संकाय

—सुधीर वर्मा
विभागाध्यक्ष

भवदीय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में शिक्षक शिक्षा संकाय की स्थापना सर्वप्रथम **भवदीय हेमराज वर्मा टीचर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट** संस्थान में एक यूनिट (50 सीटों) के साथ सत्र 2012-13 में हुई थी। वर्तमान में भवदीय ग्रुप में शिक्षक शिक्षा संकाय के तीन संस्थान यथा—

1. भवदीय हेमराज वर्मा टीचर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, कॉलेज कोड- 590004, इन्टेक- 100 सीट,
2. श्री साईंराम इंस्टीट्यूट, कॉलेज कोड- 590037, इन्टेक- 150 सीट एवं
3. भवदीय एजूकेशनल इंस्टीट्यूट, कॉलेज कोड- 590066, इन्टेक- 100 सीट संचालित हैं।

जिसमें भवदीय एजूकेशनल इंस्टीट्यूट में बी. एड्. इन्टेक- 100 सीट एवं डी. एल. एड्. दोनों पाठ्यक्रम संचालित हैं। सभी संस्थानों को सहशिक्षा में अनुमोदन प्राप्त है।

डिप्लोमा इन एलिमेंट्री एजूकेशन **(डी. एल. एड्.)** पूर्व प्रचलित नाम बी. टी. सी. पाठ्यक्रम का अनुमोदन राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् जयपुर तथा सम्बद्धता एस०सी०ई०आर०टी० प्रयागराज उ०प्र० से प्राप्त है। बैचलर ऑफ एजूकेशन (बी. एड्.) पाठ्यक्रम का अनुमोदन राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् जयपुर तथा सम्बद्धता डॉ० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या से है।

शैक्षणिक सत्र 2024-25 भवदीय हेमराज वर्मा टीचर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में इन्टेक के सापेक्ष शतप्रतिशत प्रवेश हुआ है, इसी क्रम में श्री साईं राम इन्स्टीट्यूट एवं भवदीय एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट में भी शतप्रतिशत प्रवेश हुआ है और सभी प्रशिक्षु कुशलतापूर्वक गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

संस्थान के बी. एड्. एवं डी. एल. एड्. पाठ्यक्रमों में परीक्षा वर्ष 2023-24 का परीक्षाफल शत-प्रतिशत रहा है। बी. एड्. पाठ्यक्रम में **आकाश चौधरी ने 88.50 प्रतिशत अंक** प्राप्त करके संस्थान में प्रथम स्थान हासिल किया। डी. एल. एड्. पाठ्यक्रम भवदीय हेमराज वर्मा टीचर ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट में **तान्या अग्रवाल ने 91.75 प्रतिशत अंक** लाकर प्रथम स्थान और श्री साईं राम इन्स्टीट्यूट में **रोहित सिंह ने 89.28 प्रतिशत** तथा भवदीय एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट में **कीर्ति सिंह 89.56 प्रतिशत अंक** प्राप्त कर संस्थान का नाम बढ़ाया है।

संस्थान के डी. एल. एड्. एवं बी. एड्. पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके सैकड़ों प्रशिक्षु विभिन्न परिषदीय तथा जूनियर हाईस्कूल एवं माध्यमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक एवं प्रवक्ता के पद पर कार्यरत हैं। अभी हाल ही में बिहार पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा आयोजित बिहार स्कूल शिक्षक परीक्षा में तीनों संस्थान के लगभग 25 प्रशिक्षु चयनित हुए हैं। विदित हो कि संस्थान में प्रशिक्षण कक्षाओं के समापन के उपरान्त (UPTET) एवं (CTET) की तैयारी हेतु विशेष कक्षाओं का संचालन किया जाता है, जिसके प्रेरणास्रोत प्रबन्ध निदेशक महोदय, चेयरमैन सर तथा माननीय सचिव जी हैं।

संस्थान में प्रशिक्षुओं के मार्गनिर्देशन एवं परामर्श हेतु विशेष व्यवस्था की गई है, साथ ही निदानात्मक एवं उपचारात्मक शिक्षा की व्यवस्था उपलब्ध है। प्रशिक्षुओं

को प्रशिक्षण के साथ-साथ सामुदायिक कार्य, जनभागीदारी के कार्यों की शिक्षा दी जाती है तथा आवश्यकतानुसार शैक्षिक भ्रमण भी करवाया जाता है जिससे प्रशिक्षुगण तनाव-रहित प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें।

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS), रोवर्स-रेंजर्स, रेडक्रास जैसे कार्यक्रमों का संचालन संस्थान में किया जाता है जिसमें प्रशिक्षुगण बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करते हैं और इस माध्यम से समाज में व्याप्त बुराइयों एवं कुरीतियों को दूर करने में मदद करते हैं।

पाठ्यसहगामी क्रियाओं के अन्तर्गत रंगोली, मेंहदी, वाद-विवाद तथा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन समय-समय पर किया जाता है। जिसमें प्रशिक्षुओं को अपनी प्रतिभाओं को निखारने का अवसर प्राप्त होता है। इसके साथ ही अन्तर्महाविद्यालयीय खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिसमें अयोध्या, बाराबंकी, गोण्डा तथा अम्बेडकरनगर जिले के विभिन्न तहसीलों के डी.एल.एड्. प्रशिक्षु क्रिकेट, कबड्डी, खो-खो, बैडमिंटन, वॉलीबाल, कैरम, चेस, दौड़ सहित कई अन्य खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं।

05 सितम्बर, 2024 को डॉ. सर्वपल्लीराधाकृष्णन् के जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया गया। प्राचार्य डॉ. रजनीश कुमार श्रीवास्तव एवं विभागाध्यक्ष सुधीर वर्मा ने केक काटकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर विभाग के श्रीमती सुनीता वर्मा, अनूप कुमार सिंह, अरुण मौर्य, ममता सिंह, शिवप्रसाद, वर्मा, सूर्यनाथ सिंह राजू वर्मा, विशाल विश्वकर्मा, दिलेराम सहित समस्त शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अयोजन किया गया एवं डॉ. सर्वपल्ली के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया।

12 जनवरी, 2025 को युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानन्द जी के शैक्षिक विचारों की वर्तमान में प्रासंगिकता विषय पर एक संगोष्ठी का अयोजन किया गया, इस एक दिवसीय संगोष्ठी में विभाग के प्राध्यापकों ने विषय पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला तथा प्रशिक्षुओं को स्वामी विवेकानन्दजी के विचारों को आत्मसात् करने की सलाह दी।

25 जनवरी, 2025 राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम बढ़वाने, मतदाता सूची में गलत जानकारियों को सही कराने एवं लोकतन्त्र में भागीदारी बढ़ाने हेतु मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई।

❑

वार्षिक आख्या : कृषि संकाय (2023-24)

—विनोद कुमार वर्मा
विभागाध्यक्ष- कृषि संकाय

भवदीय एजूकेशनल इंस्टीट्यूट सीवार, सोहावल, अयोध्या के अन्तर्गत कृषि संकाय विभाग की शुरुआत सत्र 2017 में 300 सीटों के साथ हुई थी। **प्रथम वर्ष सत्र 2017-18** में 84 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया था, जिसमें से 61 छात्र-छात्राएँ परीक्षा में सम्मिलित हुए थे, जिनका परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा था, जिसमें प्रथम स्थान बद्रीश गुप्ता (76.60 प्रतिशत), द्वितीय स्थान कन्हैयालाल वर्मा (70.30 प्रतिशत) एवं तृतीय स्थान संयुक्त रूप से अनुपम कुमार और प्रियंका यादव ने (70.00 प्रतिशत) अंक प्राप्त किया था। विगत सत्र की भाँति सत्र (2018-19) में 293 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया जिसके सापेक्ष परीक्षा में प्रथम वर्ष में 218 एवं द्वितीय वर्ष में 39 छात्र-छात्राएँ सम्मिलित हुए

थे। प्रथम वर्ष सत्र 2018-19 के घोषित परीक्षा में सम्मिलित 218 परीक्षार्थियों में से 209 परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित हुए। परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 95.87 प्रतिशत रहा। कुल सम्मिलित 193 छात्रों (पुरुष) के सापेक्ष 186 छात्र उत्तीर्ण घोषित हुए एवं उत्तीर्ण प्रतिशत 96.37 प्रतिशत रहा जबकि कुल सम्मिलित छात्राओं (महिला) के सापेक्ष 23 छात्राएँ उत्तीर्ण घोषित हुईं तथा उत्तीर्ण प्रतिशत 92 प्रतिशत रहा। जिसमें 100 प्रतिशत प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए तथा कु० कामिनी यादव ने (87.67 प्रतिशत) अंक प्राप्त करके संस्थान में प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान अभिषेक वर्मा (84. 66 प्रतिशत) एवं तृतीय स्थान अवनीश कुमार दूबे (84.16 प्रतिशत) अंक प्राप्त किये।

द्वितीय वर्ष सत्र 2018-19 के घोषित परीक्षा में सम्मिलित 39 परीक्षार्थियों में से 39 परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित हुए जिसमें 33 छात्र (पुरुष) एवं 6 छात्र (महिला) उत्तीर्ण हुए। परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 100 प्रतिशत रहा जिसमें महीप कुमार ने 87.66 प्रतिशत अंक प्राप्त करके संस्थान में प्रथम स्थान, संयुक्त रूप से शाजिया बानो और बद्रीश गुप्ता (79.33 प्रतिशत) द्वितीय स्थान एवं अनुपम कुमार ने (77.17 प्रतिशत) अंक हासिल करके तृतीय स्थान प्राप्त किया।

शैक्षिक सत्र 2019-20 में कृषि स्नातक की शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए सेमेस्टर प्रणाली के लिए संस्थान के **प्रबन्ध तंत्र एवं प्राचार्य डॉ० रजनीश कुमार श्रीवास्तव** ने डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के कुलपति जी को ज्ञापन दिया, जिसके फलस्वरूप विश्वविद्यालय प्रशासन ने **पंचम डीन कमेटी** की संस्तुति से सेमेस्टर प्रणाली का पाठयक्रम प्रारम्भ हुआ। शैक्षिक सत्र 2019-20 में सेमेस्टर प्रणाली के प्रथम सेमेस्टर में 166 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया तथा परीक्षा में 132 छात्र-छात्राएँ सम्मिलित हुए जिनका परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। वार्षिक प्रणाली के अन्तर्गत सत्र 2019-20 में द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्रों का परिणाम भी शत प्रतिशत रहा।

वैश्विक महामारी कोविड-19 संक्रमण काल का प्रभाव मार्च, 2020 से प्रारम्भ हुआ जो कि सत्र 2020-21 की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से प्रभावित होने के कारण संकाय के समस्त छात्र-छात्राओं को भारत सरकार / उ०प्र० सरकार व डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देश के अनुक्रम में अगली कक्षा में प्रोन्नत कर दिया गया।

ध्यातव्य है कि समस्त पाठ्यक्रमों की अन्तिम वर्ष की परीक्षा भौतिक रूप से डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के द्वारा करायी गई जिसमें परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। विद्यार्थियों की शिक्षण पद्धति भौतिक रूप से न होकर वर्चुअल/आनलाइन माध्यम से करायी गयी।

सत्र 2021-22 के प्रथम सेमेस्टर में 84 छात्र पंजीकृत हुए तथा द्वितीय, तृतीय वर्षों के सम एवं विषम सेमेस्टर के पंजीकृत छात्र-छात्राओं के सापेक्ष परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा व चतुर्थ वर्ष की वार्षिक परीक्षा प्रणाली में 198 पंजीकृत छात्र-छात्राओं के सापेक्ष 197 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए जिनका परिणाम शत-प्रतिशत रहा। इस सत्र में छात्राओं ने कृषि संकाय विभाग में सोनी यादव (84.41%) प्रथम, कु० कामिनी यादव (84.04%) द्वितीय एवं अभिषेक वर्मा (81.71%) तृतीय स्थान प्राप्त किया। सत्र 2021-22 में कृषि संकाय के अन्तर्गत परास्नातक स्तर पर एम.एस-सी. कृषि (एग्रोनामी, हार्टीकल्चर, स्वॉयल साइन्स, इन्टमोलाजी, जेनेटिक्स प्लान्ट ब्रीडिंग) विषयों में विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्धता प्राप्त हुई जिसके सापेक्ष विषयवार क्रमशः 53, 07, 04 एवं 04 छात्र पंजीकृत हुए जो कि इस वर्ष के दोनों सेमे. उत्तीर्ण करते हुए सत्र 2022-23 में प्रवेश कर गए।

सत्र 2022-23 बी.एस-सी. (कृषि) में प्रथम सेमे. में 71 छात्र पंजीकृत हुए तथा द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ वर्षों के सम व विषम सेमे. के छात्र/छात्राओं का परीक्षाफल शत-प्रतिशत रहा, **सत्र 2022-23** में बी.

एस-सी. (कृषि) में छात्रा उपासना प्रथम (80.42%) व मो. शोएब द्वितीय (79.62%) स्थान प्राप्त किया। सत्र 2022-23 में एम.एस-सी. (कृषि)- (एग्रोनामी, हार्टीकल्चर, स्वॉयल साइन्स, इन्टमोलाजी, जेनेटिक्स प्लान्ट ब्रीडिंग) जिसके सापेक्ष विषयवार कमशः 59, 38, 2, 12, 8 छात्र पंजीकृत हुए। एम.एस-सी. (कृषि) अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं का 2022-23 (एग्रोनामी, हार्टीकल्चर, स्वॉयल साइन्स, इन्टमोलाजी, जेनेटिक्स प्लान्ट ब्रीडिंग) विषयों का परीक्षाफल शत-प्रतिशत रहा। सत्र 2022-23 अंतिम वर्ष एम.एस-सी. (कृषि) एग्रोनामी में महीप कुमार प्रथम (79.59%), रजनीश सिंह पटेल द्वितीय (77.63%) हार्टीकल्चर में नेहा गोस्वामी प्रथम (73.88%), रिंकू देवी द्वितीय (72.85%) स्वॉयल साइन्स में दीपक कुमार प्रथम (75.76%) स्थान प्राप्त किया।

सत्र 2023-24 में बी.एस-सी.-कृषि (ऑनर्स) में 72 पंजीकृत हुए तथा द्वितीय तृतीय व चतुर्थ वर्षों के सम व विषम सेमे. के छात्र/छात्राओं का परीक्षाफल शत-प्रतिशत रहा बी.एस-सी. (कृषि) में छात्र अंकित कुमार शर्मा प्रथम (87.65%) व प्रज्वला सिंह द्वितीय (86.45%) स्थान पर रहीं। एम.एस-सी. (कृषि)-2023-24 (एग्रोनामी, हार्टीकल्चर, स्वॉयल साइन्स, इन्टमोलाजी, जेनेटिक्स प्लान्ट ब्रीडिंग) जिसके सापेक्ष विषयवार क्रमशः 38, 38, 10, 03, 02 छात्र पंजीकृत हुए। सत्र 2023-24 अंतिम वर्ष एम.एस-सी. (कृषि) एग्रोनामी में योगेन्द्र प्रताप सिंह प्रथम (85.33%),पूजा कुमारी द्वितीय (82.92%), हार्टीकल्चर में सुभाष कुमार प्रथम (82.54%), साक्षी सुमन द्वितीय (82.26%), स्वॉयल साइन्स में सिद्धांत चौधरी प्रथम (78.11%),यशवंत कुमार द्वितीय (75.83%) जेनेटिक्स प्लान्ट ब्रीडिंग में गोविंद कुमार प्रथम (80.31%), अमन सिंह द्वितीय (79.50%), इन्टमोलाजी में सौरभ कुमार प्रथम (82.54%), विवेक पटेल (75.32%) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

विदित हो कि इस वर्ष संकाय द्वारा वृहत् स्तर पर किसान दिवस मनाया गया जिसमें स्थानीय स्तर पर प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया तथा कृषि संकाय के छात्र/छात्राओं द्वारा कृषि प्रदर्शनी लगायी गई जिसमें छात्रों द्वारा नवीन तकनीक पर आधारित कृषि मॉडल प्रस्तुत किये गये।

कृषि संकाय के अन्तर्गत विभिन्न पाठ्य सहगामी क्रियाओं में शैक्षणिक भ्रमण आई.एफ.एस, आई.पी.एफ., आई.आई.एस.आर., आई.वी.आर.आई., एन.डी.आर.आई. आदि स्थानों पर कराया जाता है जिससे उनकी प्रयोगात्मक अभिरुचि पाठ्यक्रमों में बनी रहे। छात्रों को सृजनात्मक कार्य हेतु विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएँ करायी जाती हैं एवं विभाग विषयवार प्रयोगात्मक कक्षाओं पर विशेष बल देते हुए करायी जाती है। विषयवार प्रयोगशालायें विशेष उपकरणों से सुसज्जित हैं।

वर्तमान शैक्षिक सत्र 2024-25 में बी.एस-सी.-कृषि (ऑनर्स) में 127 छात्र-छात्राओं ने तथा एम.एस-सी.-(कृषि) यथा (एग्रोनामी, हार्टीकल्चर, स्वॉयल साइन्स, इन्टमोलाजी) में क्रमशः 38, 38, 09, 20 छात्र-छात्राओं ने प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लिया है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान शैक्षिक सत्र के विषम सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा हेतु संस्थान के छात्राओं हेतु स्वकेन्द्र परीक्षा प्रणाली के अन्तर्गत परीक्षा सम्पन्न हुई है और शिक्षण कार्य प्रगति पर है।

❑

Academic Progress Report
Department of Home Science

–Dr. Sneh Lata Singh
HOD
Department of Home Sience BEI

The Department of Home Science was established in 2017. It is Functioning as a section offering undergraduate course in Bhavdiya Educational Institute.

In general, Home Science is concerned with the attainment of the well-being of individuals and families, improvement of the homes and presentation of values, significant in home life. The core subject staught are :

1. Food and Nutrition
2. Family Resource Management
3. Communication and Extension Education
4. Textile and Clothing
5. Human Development, with minor subjects like English grammar and composition, computer application and research methodology being multidisciplinary subject a varied spectrum of courses so look forward to many most years of being an agent of positive change for society in general and for our student in particular.

Students Achiever Profile

Name of the Program	Year	Selected/Admitted Persentage	Pass	Topper Name
U.G. (3 Years Programme)	**2017-20**	Admitted	100 %	Anamika Singh
	2018-21	Admitted	100 %	Radhika Singh
	2019-22	Admitted	100 %	ShikhaTiwari
	2020-23	Admitted	100 %	Kamlesh Kumari
	2021-24	Admitted	100 %	Anamika Pathak
	2022-25	Admitted	Continue	Continue
	2023-26	Admitted	Continue	Continue
	2024-27	Admitted	Continue	Continue

Highlights of Departmental activities :

The department always has takennew initiative for the betterment of students. All efforts were made to chalk out the college goes in consonance with key programs an initiative :

- **Student orientation** – In order to motivate the students and to faster a sprit a independence and self-reflection and advocacy, orientation programme are offered to students.
- The students of the department are involve in NSS scheme . NSS provide a platform for the students to move out of their text books and engage themselves with broader , social and environmental stress. During 7 days **NSS camp activities** such as **essay writing competition, talks and lecture were organized to recognize the scarify of our freedom fighters and unsung heroes.**
- Slogan writing, poster making and plantation of kitchen/immunity boosting herb in the college herbal garden.
- Encouraging women empowerment through celebration a international women's day. A panel discussion was held where women from different walks of life shared **their journey, challenges and success stories to motivate** our students.
- Demonstration **on healthy cooking and baking food**.
- To sensitize students about **reproductive health and dental hygiene**.
- Sports it increases self-esteem-mental alertness and teaches the students life **skill like- team work, leadership and patience.**
- Department riched in all well practical equipment and organize time to time schedule practical, department also visit difficult place for **micro teaching study educational tour , hospital visit , baby clinic visit etc.**
- The department of Home Science conduct to nutrition quiz competition as part of national nutrition week-2023-24 and also celebrated the year of millets under which organized **Kisan Day** on **23rd December 2023** final year student **B.Sc.H.S.** prepared innovative recipy and promoted millets sustainable and tasty production while highlighting their potential to provide new sustainable market opportunities for maker and consumer.
- **Sustainable department initiative :** Swachhta Abhiyan, Sanitation, hygine, waste management, water management and energy management.
- **Eco sustainable initiative :** consistent efforts were put in by the department for reusing and recycling wastes materials. The purpose of the mission is to contribute towards the collection of waste materials and their using from the house hold level and community level.

And the end, in present **session 2023-24** the department has been going on smooth functioning in the way of are way of academic enhancement as well as best practices of co-curriculum assignment. Lastly, **Dr. Rajneesh Kumar Srivastava, Principal** congratulate an extend heartfelt blessing to all UG student who shall be receiving their degrees.

Thank You.

❑

Department of Science

– Mr. Anshu Gupta
Assistant prof. of mathematics
Head Coordinator of the Dept. of Science

B.Sc. (Bachelor of Science) three year under graduate or four year (UG+PG) degree course has been started from 2020 as new session (2020-21) with full energetic and qualified faculty members in D-block which is a part of Bhavdiya Educational Institute .

At present total strength of this department is 32 students approximately adding 2nd and 4thsem. which are based on **NEP (New education policy)** and 3rd year with annual system).

Our first batch passed out in 2022-23 with good academic record. Among of these students, some has been selected for higher education in top ranked universities of India with good merit.

To improve the quality of undergraduate level of science education, our institute has adopted semester system and in order to it we are operating vocational and co-curricular courses along with major subjects (mathematics, physics, chemistry, zoology , botany) and minor subjects (yoga and fitness, introduction of computer application etc.) as well.

By vocational and co-curricular courses we are not only check in mental abilities and skill awareness of student but also improving and familiarize themselves.

The Department provides employability and best practices for competition exam throughout by highly experienced faculty members as per norms of new education policy 2020.

Except it NEP has included various courses in every sem. according to competition exam.

Features of NEP :

1. Student of B.Sc. can get a good academic certificate on completion of 1st year program.

2. On being completing the second year course, B.Sc. student can achieve the higher level diploma in science field.

3. In sequence of completion of 3rd year of course, student attend specific degree of science stream.

4. Along all features NEP system fully support of students to choose the way of research field with different subject specialization.

NEP follow technicalful education through digital platform with the co-operation of **SWAYAM** (Study webs of active learning for young aspiring minds) Portal.

Our topper students :

Zainab Fatima	(6thsem, ZBC) - First Div.
Abhishek Chauhan	(6thsem, PCM) - First Div.
Palak	(2ndsem, ZBC) - First Div.
Abhishek Kumar	(2ndsem, PCM) - First Div.

Being as academic administrator of science department my intention is to render knowledge full education with embracing research and competition level schooling.

As well as department also organized many activities, events and seminars for the perfection of personality development of the semester and annual based system as per accomplish direction of principal BEI and management committee.

Highlights of events and seminars (2023-24) :

1. National mathematics day (22ndDec) : Our Department has organized online seminar on topic uses of mathematical modeling with graph theory in data science by Dr. Santosh Yadav (Associate professor, BITS Pilani) with co-operation of Mr. Anshu Gupta.

2. National science day(28thfeb) : On this day our science conducted a quiz program on the topic (Effect of Science and Technology in our life.) between 2nd& 6thsem. student with association of agriculture and Home Science department.

3. Except above events our department celebrate **National Statistics Day** by providing a platform for group discussion (Theme- Use of Data for decision making) between student of different block of BGI on **29 June** with the help of department head **Mr. Anshu Gupta** and all faculty members of **D-Block**.

I am highly thankful to my principal management and well educated faculty members who always support me for development of the department and institution.

❑

Annual Report (2023-24)

– ***Mrs. Jyoti Rani***
Co-ordinator
(B.Lib, I.Sc., M.Lib. I.Sc., M.S.W.)

Bachelor of library & informatics Science (B.Lib.I.Sc.) : To learn to read is to light a fine every syllable that is spelled out is a spark-victor Hugo.

Library & informatics science is an interdisciplinary field of study that centers on the documentation that records our stories, memories, history & knowledge.

It is one year undergraduate course, which established in BGI in year 2017.

In the first session 2017-2018 there was 27 students enrolled and they were passed with cent present result. Raj Kumar got gold medal from the Dr. Ram Manohar Lohia Awadh University, Ayodhyaby governor of UP government.

In this connection session 2018-19, 2019-20 & 2020-21, 2021-22 admission of students were working as an assist librarian, project manager library automation, library specialist & assistant, professor in library science in different firms.

In session 2022-23, 17 students were enrolled & they passed all good marks. Amit Shukla passed with 81.01% & got 2nd rank in BGI & Nitish Kumar Shaini passed with 82.8% got 1st rank in BGI.

Master of Library & Informatics Science (M.Lib.I.SC.) : It is one year post graduate course which established in the year of 2022 in BGI in 1st session the four students were enrolled & they passed all with cent persent. Anuj Singh got 1st rank in BGI with 73.10% in the session 2022-23. Puspa got 1st rank in BGI with 79.9%. in the session 2023-24 seven students were enrolled & they passed all with cent percent. Uma Mishra got 1st rank in BGI with cent percent 80% & Madhuri got 2nd rank in BGI with 74.3 marks

Master of Social Work (M.S.W.) : it is one of the most beautiful compensations of this life that you cannot sincerely try to help another without helping yourself. – Ralph Waldo Emerson.

The Master of Social Works is a Master's Degree in the field of social work. It is a professional degree with specializations compared to bachelor of social work.

It is two year post graduate program which was established in the year of 2021-22. Aspirants as pursue MSW course after pursuing a bachelor degree. Candidates who have pursued a bachelor of social work BSW degree are preferred if they opt to pursue a post graduate course in social work.

Students build their carriers in various across the nation social development. In the session 2020-21 only one student was enrolled & passed with good marks. In the session 2023-24 twenty students were enrolled & all of them are doing their studies & practical work smoothing & in a good way.

After MSW course they were worked in different NGO's.

The concern department riched with well-equipped practical equipment & extra curriculum activities department organized visit in different libraries & other organization for the enhancement of students.

Department conduct mock interview & seminars per the personality development of students.

❑

Annual Report : Bhavdiya Medical College and Institute of Nursing

– Dr. Johnsi Rani
Principal, BMCIN

It is my privilege and an immense pleasure to present first annual report of Bhavdiya Medical College and Institute of Nursing. Our esteemed noble, nursing professional course was started in the year 2022; the college building is located in the middle of green natural environment of Bhavdiya group of Institutions campus, seewar, Sohawal] Ayodhya.

COURSES :

In the name of Bhavdiya Medical College and Institute of Nursing we are running two programmes namely diploma in General Nursing and Midwifery , 3 years duration and Bachelor of science in Nursing [B.Sc.(N)] 4 years course. Each course annual intake of 40 students for each

GOVERNING BODY :

Our nursing college is affiliated with Uttarpradesh State Nursing Council, Indian Nursing Council and Atal Bihari Vajpayee Medical University Lucknow. INC Programme code for GNM-3102478, B.Sc. (N)-3103267. UP State Medical Faculty programme code for GNM-1531, ABVMU Programme code for B.Sc. (N) is 2040437.

EXAMINATION BODY :

Uttar Pradesh State Board of Nursing is the examination body of GNM Programme which conducts Board Examination Annually. ABVMU being examination body which conducts examination of B.Sc. (N) Students biannually (semester wise) as per Indian Nursing Council Curriculum.

INFRASTRUCTURE

1. Class room : Nursing college is having spacious and well ventilated 100 seating capacity class room for the nursing programme.

2. Laboratories : We have total seven labs in our nursing department such as foundation of nursing adult health nursing and advance nursing skill lab, Nutrition Lab, Child Health Nursing Lab, Obstetrics and Gynecology Nursing Lab, Pre-clinical Science Lab, Community Health Nursing Lab, Computer Lab and Audio Visual aids Lab.

Other facilities : We have 200 seated multipurpose hall to conduct examination, seminar etc. and wide spacious library contains 3959 books includes 489 titles, also 10 national and 10 international journals.

HOSPITAL AFFILIATION : Bhavdiya Medical College and Institute of Nursing is having BHAVDIYA AYUSH HOSPITAL, Which is 150 BEDDED PARENT HOSPIAL, Also our college is affiliated with Private Hospitals such as Dherghayu hospital (100 bedded sohawal) Kanak hospital (50 bedded) , Rajeshwari Hospital (50 bedded).Primary Health Center at Mobarakanj and Bada gaon, Community Health Center Sohawal and Rudauli. Our nursing students are availing these hospitals for their clinical training.

EXAMINATION RESULT

Course	Batch	Class	Overall %	Topper 1st position	Topper 2nd position	Topper 3rd position
B.Sc(N)	2022-2023	B.Sc (N)1st sem	76.9%	74% Ms. Iram Fatima	72.4% Ms.RoshiniYadav Ms.Twinkle Singh	71% Ms.Oshika Singh
		B.Sc (N) 2nd sem	87.17%	78.8% Ms. Iram Fatima	76.2% Ms. RoshiniYadav	74.2% Ms.Keerti Verma
		B.Sc (N)3rd sem	87.17%	74.6% Ms. Iram Fatima	72% Ms. Raunak Jahan	70% Ms.Twinkle Singh
		B.Sc (N) 4th Sem	Awaiting for the result			
	2023-2024	B.SC (N) 1st sem	97.5%	74% Ms. Baby Sharma	72.4% Ms. Aaradhya Patel	72% Aadharsh Tiwari
		B.Sc (N) 2ndsem	87.5%	73.1% Ms. Baby Sharma	72% Aadharsh Tiwari	70.8% Zarnain khan
		B.SC (N) 3rd sem	Written examination waiting for the result			
		B.SC (N) 4th sem	Students are in 4th semester			
GNM	2022-2023	1st year	75%	80.4% Ms.Aashita Shrivastava	79.6% Ms.SunithaYadav	78.8% Ms. Mantasha Bano
		2nd year	86.48%	75.2% Ms.Preeti Yadav	75% Ms.Aashita Shrivastava	74.4% Ms. Sunitha Yadav

		3rd year	Studying 3rd year			
	2023-2024	1st year	87.5%	75% Ms.Archana Verma	73.4% Ms. Neha Pal	73.2% Ms. Mamta Verma Ms. Saloni Kumari
		2nd year	Studying in 2nd year			
	2024-2025	1st year	Studying in 1st year			

EXTRA-CURRICULAR ACTIVITIES

Extra-curricular activities such as sports and cultural week are being organized every year inside the college campus. Students are getting opportunities to ventilate their extra-curricular talents.

वार्षिक क्रीड़ा आख्या 2023-24

—शैलेष मिश्र
(बी.पी.ई.एस.)

संस्थान में सत्र 2023-24 में 29 अगस्त खेल दिवस के अवसर पर संस्थान के समस्त प्रखण्डों के छात्र-छात्राओं के मध्य सामूहिक शतरंज प्रतियोगिता एवं कैरम प्रतियोगिता तथा खेलों को कराया गया। भवदीय एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ने डॉ. राममनोहर लोहिया की खेलतालिका के अनुसार विभिन्न खेलों शतरंज, कबड्डी, शूटिंग, खो-खो, कराटे आदि में अपने छात्र-छात्राओं को प्रतिभाग कराया। उसी संस्थान के बी.पी.ई.एस. द्वितीय के छात्र विपुल शर्मा ने एवं बी.पी.ई.एस. प्रथमवर्ष के छात्र लोकेश प्रधान ने कराटे प्रतियोगिता में अपने भार वर्ग क्रमशः 67 किलोग्राम एवं 55 किलोग्राम वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए आल इंडिया नार्थ जोन में अपनी जगह बनायी। उसी क्रम में आगे बी.पी.ई.एस. द्वितीय वर्ष के छात्र विपुल शर्मा ने आल इंडिया नार्थ जोन में कांस्य पदक हासिल कर डॉ. राममनोहर लोहिया विश्वविद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया। संस्थान के सभी प्रखण्डों के छात्र-छात्राओं को मिलाकर उन्हें विभिन्न समूहों में विभक्तकर उनके मध्य नियमित खेल गतिविधियाँ सम्पादित करायी जाती रही हैं।

संस्थान में 14 जनवरी के अवसर पर दो दिवसीय योगाभ्यास का भी आयोजन कराया गया। संस्थान में 21 जून 2024 के अवसर पर संस्थान के प्राचार्य निदेशकगण शिक्षक-शिक्षिका स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं ने योगाभ्यास शिविर में भाग लिया। संस्थान के सभी शिक्षा विभाग छात्र-छात्राओं के सतत विकास के लिए समर्पित हैं।

❑

वार्षिक आख्या–राष्ट्रीय सेवा योजना (2023–24)

—डॉ. सुजीत कुमार यादव

कार्यक्रमाधिकारी (रा.से.यो.)

भवदीय एजूकेशनल इंस्टीट्यूट सीवार, सोहावल, अयोध्या के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई- (प्रथम) का शुभारम्भ सत्र 2019–20 में हुआ था। रा.से.यो. के अन्तर्गत वार्षिक सामान्य कार्यक्रम होता है जिसकी अवधि 120 घण्टे की होती है तथा सात दिवसीय विशेष कार्यक्रम जिसकी अवधि 168 घण्टे की होती है। यह रा.से.यो. के चयनित स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं द्वारा कराया जाता है जिसमें मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, चयनित ग्राम के प्रधान, प्राचार्य इत्यादि लोगों को रा.से.यो. कार्यक्रमाधिकारी आमंत्रित करते हैं।

उपर्युक्त क्रियान्वयन के अनुसार सत्र 2019–20 में रा.से.यो. इकाई प्रथम में 100 सीटों का आवंटन हुआ था, जिसमें शत–प्रतिशत स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं ने प्रवेश लिया था। वार्षिक सामान्य कार्यक्रम के लिए ग्राम सीवार, सोहावल, अयोध्या को चयनित किया गया था जिसकी संस्थान से दूरी 1 किमी. थी। सामान्य कार्यक्रम का योजना विवरण दिनांक 01.11.2019 से प्रारम्भ होकर 08.03.2020 तक में सम्पन्न हुआ था तथा सात दिवसीय विशेष कार्यक्रम 07.02.2020 से 13.02.2020 तक में सम्पन्न हुआ था। इस कार्यक्रम में प्रबन्ध तन्त्र एवं डॉ. समीर सिन्हा (मुख्य अतिथि), डॉ. रजनीश कुमार श्रीवास्तव (प्राचार्य), डॉ. दयाशंकर वर्मा (कार्यक्रमाधिकारी), डॉ. संजय कुशवाहा, डॉ. शिशिर पाण्डेय, डॉ. पंकज यादव, श्री शिवप्रसाद वर्मा, श्री अवनीश शुक्ल (मीडिया प्रभारी), श्री अरुण मौर्य, श्रीमती सुनीता वर्मा आदि सभी प्राध्यापकगण उपस्थित थे।

विगत सत्र की भाँति सत्र 2020–21 में 100 सीटों का आवंटन हुआ था जिसमें शत–प्रतिशत स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं ने प्रवेश लिया। सत्र 2020–21 के वार्षिक सामान्य कार्यक्रम योजना का प्रारम्भ दिनांक 11.11.2020 को हुआ तथा 22.03.2021 को समापन हुआ था, जिसमें ग्रामसभा बरईकला को चुना गया था जिसकी संस्थान से दूरी 1.5 कि.मी. थी। रा.से.यो. के अन्तर्गत सात दिवसीय विशेष कार्यक्रम 25 फरवरी 2021 को प्रारम्भ हुआ जिसका कार्यस्थल श्री सांईराम इंस्टीट्यूट ग्रामसभा बरईकला में रखा गया था। इस कार्यक्रम में प्रबंधतंत्र एवं डॉ. अवधेश कुमार वर्मा (मुख्य अतिथि) सचिव, बी.जी.आई., डॉ. रजनीश कुमार श्रीवास्तव (प्राचार्य), डॉ. दयाशंकर वर्मा (कार्यक्रमाधिकारी), डॉ. संजय कुशवाहा, डॉ. शिशिर पाण्डेय, डॉ. पंकज यादव, श्री शिवप्रसाद वर्मा, श्री अवनीश शुक्ल आदि प्राध्यापकगण उपस्थित थे। सत्र 2021–22 में 100 सीटों का आवंटन हुआ था जिसमें शत–प्रतिशत स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं ने प्रवेश लिया। सत्र 2021–22 में वार्षिक सामान्य कार्यक्रम 04.09.2021 से प्रारम्भ होकर दिनांक 22.03.2022 को समापन हुआ था जिसमें ग्रामसभा बरईकला, अयोध्या को चुना गया था जिसकी संस्थान से दूरी 1.5 किमी. थी जिसके प्रधान श्री रामदीन कोरी थे। रा.से.यो. के अन्तर्गत सात दिवसीय विशेष कार्यक्रम का आयोजन 22 मार्च 2022 को भवदीय हेमराज वर्मा टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट पर रखा गया था। इस कार्यक्रम में प्रबंध तंत्र एवं डॉ. अवधेश कुमार वर्मा (मुख्य अतिथि) सचिव, बी.जी.आई., डॉ. रजनीश कुमार श्रीवास्तव (प्राचार्य), डॉ. सुजीत कुमार यादव (कार्यक्रमाधिकारी), डॉ. संजय कुशवाहा, डॉ. शिशिर पाण्डेय, डॉ. पंकज यादव, इं. सुमित श्रीवास्तव, श्री

अवनीश शुक्ल (मीडिया प्रभारी), श्री शैलेष मिश्रा, श्री शिवप्रसाद वर्मा, श्री अरुण मौर्य, श्री अमित मिश्रा, श्री विमलेश मौर्या, श्री इंक्रेश वर्मा, श्री जितेन्द्र कुमार अवस्थी, श्री धर्मवीर, श्री सूरज कुमार, कु. ज्योति रानी, श्रीमती रंजना सिंह, श्रीमती मंजू वर्मा आदि प्राध्यापकगण एवं सदस्य उपस्थित थे। दिनांक 28 मार्च 2022 को कार्यक्रम का समापन हुआ था।

विगत सत्र की भाँति सत्र 2022-23 में 100 सीटों का आवंटन हुआ था जिसमें शत-प्रतिशत स्वयंसेवकों / स्वयंसेविकाओं ने प्रवेश लिया। सत्र 2022-23 के वार्षिक सामान्य कार्यक्रम के योजना का प्रारम्भ दिनांक 06.09.2022 को हुआ तथा 22.03.2023 को समापन हुआ था। जिसमें विशेष शिविर के लिए चयनित ग्राम गौरियामऊ, न्योति, अयोध्या को चुना गया था, जिसकी संस्थान से दूरी 2.5 किमी. थी। रा.से.यो. के अन्तर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर का कार्यक्रम 15.02.2023 को प्रारम्भ हुआ जिसका कार्यस्थल पंचायत भवन / प्रा. वि. गौरियामऊ, न्योति, अयोध्या में रखा गया था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री पूर्णवासी ग्रामप्रधान गौरियामऊ तथा विशिष्ट अतिथि श्री एस.पी. सिंह प्रधानाध्यापक प्रा.वि.गौरियामऊ एवं प्रबन्धतंत्र श्री मिश्रीलाल वर्मा (प्रबन्धक) बी.जी.आई., इं. पी.एन. वर्मा (अध्यक्ष) बी.जी.आई., डॉ. अवधेश कुमार वर्मा (सचिव) बी.जी.आई., डॉ. रजनीश कुमार श्रीवास्तव (प्राचार्य) बी. ई.आई., डॉ. संजय कुशवाहा (डायरेक्टर) BIPSR, डॉ. शिशिर पाण्डेय (डायरेक्टर) BIBM, डॉ. सुजीत कुमार यादव (कार्यक्रमाधिकारी) (रा.से.यो.), इं. सुमित श्रीवास्तव, श्री अवनीश शुक्ल (मीडिया प्रभारी), डॉ. स्नेहलता सिंह, श्री विनोद वर्मा, श्री रणविजय सिंह तथा अन्य सभी प्राध्यापकगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिनांक 21.02.2023 को विशेष शिविर कार्यक्रम का समापन हुआ था जिसमें मुख्य अतिथि श्री कृष्णकुमार पाण्डेय (जिला उपाध्यक्ष) तथा प्रबन्धतंत्र एवं सभी डायरेक्टर, प्राचार्य, विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापकगण, कर्मचारी इत्यादि उपस्थित रहे।

इसी क्रम में सत्र 2023-24 में पूर्ववत् सत्र 2022-23 में पंजीकृत 100 स्वयंसेवकों को द्विवर्षीय पाठ्यक्रम की अवधि के अनुसार सत्र 2023-24 में नवीनीकरण किया गया। सत्र 2023-24 के वार्षिक सामान्य कार्यक्रम के योजना का प्रारम्भ 04.09.2023 को प्रारम्भ हुआ तथा 22.03.2024 को समापन हुआ था। वार्षिक सामान्य कार्यक्रम के अन्तर्गत पौधारोपण, साक्षरता दिवस, स्वच्छ भरत अभियान, सड़क सुरक्षा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसका कार्यस्थल गौरियामऊ, न्योति, अयोध्या को चुना गया था जिसकी संस्थान से दूरी 2.5 कि.मी. थी। रा.से.यो. के अन्तर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर का कार्यक्रम 09.03.2024 को प्रारम्भ हुआ जिसका कार्यस्थल पंचायत भवन/प्रा. वि. गौरियामऊ, न्योति, अयोध्या में रखा गया था। इस विशेष शिविर कार्यक्रम में सत्र 2022-23 के शेष 50 स्वयंसेवकों की उपस्थिति थी। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री कृष्ण कुमार पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष, (भा.ज.पा.), अयोध्या तथा विशिष्ट अतिथि श्री मिश्रीलाल वर्मा (प्रबन्धक) बी.जी.आई., इं. पी.एन. वर्मा (अध्यक्ष) बी.जी.आई., डॉ.0 अवधेश कुमार वर्मा (सचिव) बी.जी.आई., डॉ. रजनीश कुमार श्रीवास्तव (प्राचार्य) बी.ई.आई., डॉ. संजय कुशवाहा (डायरेक्टर) BIPSR, डॉ. शिशिर पाण्डेय (डायरेक्टर) BIBM, श्री पूर्णवासी (ग्राम प्रधान) गौरियामऊ, न्योति, अयोध्या, डॉ. सुजीत कुमार यादव (कार्यक्रमाधिकारी) रा.से.यो., श्री फूलचन्द्र वर्मा (परिसर प्रभारी), श्री सौरभ सिंह (लिपिक) रा.से.यो. एवं सभी प्राध्यापकगण तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिनांक 15.03.2024 को विशेष शिविर कार्यक्रम का समापन हुआ था। जिसमें मुख्य अतिथि श्री शेखरनाथ सिंह (उपनिरीक्षक) पुलिस कोतवाली रुदौली, अयोध्या, उ.प्र., ग्राम प्रधान तथा प्रबन्धतन्त्र एवं सभी डायरेक्टर, प्राचार्य विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, कर्मचारी इत्यादि सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत गाँव की सफाई, जल संरक्षण, कन्या भ्रूण हत्या, नशा उन्मूलन, आर्थिक सर्वेक्षण इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

वर्तमान सत्र 2024-25 जिसका कार्य प्रगति पर है। ❑

BHAVDIYA EDUCATIONAL INSTITUTE
EVENT REPORT- 2023-24

S.No.	Event Title Date	Content
1.	**Independence Day 15.08.2023**	Celebration of Independence Day was held in mesmerizing way on the campus of BGI, celebrates its 78th independence day as **"Viksit Bharat",**which aligns with the government vision of transferring India in to developed nation by 2047, coinciding with the 100 years of independence. On this occasion various cultural program given by different department of student on table CMD sir,Chairman sir impulse and all respected Principal, Director, teaching and non-teaching staff it up and student participates in the celebration.
2.	**Sports Day 29.08.2023**	On the 29th of August, organized sports day **"Khel Divas".** The students were very excited about the events and activities carried out throughout the event. In the end, The Principal addressed the students and also congratulation and prizes given the winning students.
3.	**Nutritional Weak 01.09.2023- 07.09.2023**	The National Nutrition week is celebrated in India from 1st- 7th September, with theme "**Healthy Diet Gawing Affordable for All**". This weak aims to educate people about the importance of diet and nutrition in their life. On this occasion, Principal of college and other dignitaries were invited for tasting the recipe and they were appreciated to the students as well as the department.
4.	**Teacher's Day 05.09.2023**	On 5th September, celebrated every year by student of Agriculture, H.S., Science, BPES, B.Lib, M.lib. & all- organize cultural programme for teachers and facilitate them in their own way. Various cultural events and fun games like musical chairs are also organized.
5.	**Farewell Party 09.09.2023**	It is organized by the 3rd year (Ag.) students to wish outgoing batch a warm farewell and bless them for bright future. All the faculty members with other department. With students of the college participate in the cultural

events to bring college participate in the cultural events to bring smile on the faces of their loving seniors and make the day memorable for the passing batch.

6. **Farmers Fair Visit (NDUAT Kumarganj, Ayodhya) 10.10.2023**

A group of agriculture student from BEI visited farmers fair (NDUAT Kumarganj) on the students visited also field farm. With different style related agriculture and find more information about agriculture technology is in Mela exhibition students were able to myths the method involved in organic farming and various traditional type of cultivation students had a great exposure and gained a lot of information on the scientist about various technique and methodology that are carried in modern agriculture field.

7. **Induction Cum Fresher Party 14.10.2023**

This Party is organized by 2nd year student of agriculture, Home science and Science of the college. The new comers are given opportunity showcase their talent and express their goal while introducing them to the faculty. They receive welcome refreshment and gift from their seniors on this occasion Miss Fresher and Mr. Fresher along with the other performers runner are selected by a committee. Miss Fresher and Mr. Fresher along with the other performers are facilitated and have a moral responsibilities to enhance cultural activities environment by encouraging and guiding their batch mate are well a co-operate and cultural program and events.

8. **World Food Day 16.10.2023**

The student of Agriculture celebrated, World food day in their own creative manner. The teachers encouraged them to adopt healthy eating habits as eating well is fundamental a good health and wellbeing. The students were motivated not to waste food as wasted of money and efforts which is new good for anyone.

9. **Diya Making and Rangoli competition 08.11.2023**

The Rangoli and Diya making competition at the BEI seminar hall on 8th Nov. 2023, It was a colorful and artistic event celebrated as traditional Indian art form. This event organized by the department of home science, under the supervision of Dr. Sneh Lata Singh (HOD). The objective of this event promotes the rich Indian Heritage and tradition of Rangoli passion.

10. **Making of Cheese 11.11.2023**

The department of agriculture conducted the many practical program for enhancement of practical approach in this view the making cheese were made by final year students under the direction Dr. Sujit Kumar Yadav.

11. **Deepotsava 28.11.2023**

Divya Deepotsava, recorded give records of books, Mega organized on 28 October 2023 by Uttar Government, With the collaboration tourism Dr. Ram Manohar Lohia, BGI also actively participated in this event with 250 volunteers for making Deeps. In this event different deptt. Involve of the groups basically faculty of Agriculture, Science, Home science, faculty of Pharmacy with NSS volunteers. Over all the program initiated and co-ordinated by Mr. Shailesh Mishra, HOD, Department of BPES with their colleges faculty members of different department, as a principal of institution

nominated by Dr. Rajneesh Kumar Srivastava. On this occasion as more than 25 lakhs diyas lit up, to presenting memorizing view on the banks of **SARYU RIVER** at **Ayodhya.** The major highlight of 2024 Deepotsava will be the mega drone show in which 500 drones will fly over the **SARYU RIVER**.

12. Agiculture Education Day 03.12.2023	Agricultural Educational Day was celebrated to mark the birth anniversary of the first President of India as well as Union Minister of Agriculture. The objective of this day is to exposed the students to various facts of agriculture and inspire them to choose is and allied subjects as a professional career to come agro enterprises in future. This program was organized by Mr. Himanshu Verma under supervision Dr.Rajneesh Kumar Srivastava, Principal and also helped coordinated by Dr.Snehlata Singh.
13. World Soil Day 05.12.2023	The Department of agriculture celebrated world soil day under the theme "soil and water: A Source of Life". The program aims to rage awareness of the importance of water and healthy ecosystem.
14. National Mathematics Day 22.12.2023	On 22 December 2023 was celebrated as **NATIONAL MATHEMATICS** day as well as **Ramanujam** birthday who was great mathematics. On this day a quiz competition is conducted by coordinator faculty Mr. Anshu Gupta is guidance of Principal of BGI Dr. Rajneesh Srivastava with corporation other staff members. In the quiz competition approximately 40 student participated.
15. Kisan Day 23.12.2023	On 23rd December 2023 the Department of Agriculture celebrated National Farmer Day. The day was celebrated by inviting chief guest Principal Scientist & Head, ICAR, Dr. R.K. Patel and special guest Deputy Director of agriculture Dr. Sanjay Tripathi and innovative inspire younger generations on the prospects of new generation farming as a career option. On this occasion Agriculture exhibition is being started at the very begin program by chief guest, special guest management and all dignitaries demonstration by students of agriculture and home science.
16. International Youth Day 12.01.2024	On 12th January 2023 Institute organized the international youth day. All the student of different department had given tributes to the Swami Vivekanand. On this occasion Principal, Dr. Rajneesh Kumar Srivastava focused on the power and potential of the youth in our country. It is a day to inspire and empower young people to contribute to society impress their talent and work towards their dreams.
17. Republic Day 26.01.2024	BGI celebrate 76th republic day on the 26 January 2024, student, staff and faculty member filled with feeling of patriotism and dedication gathered in campus. The celebration started with the hosting of the national flag by the CMD sir and also gave an inside on the various accomplishment

	achieved by college and motivated the colleges through their accomplishment other representations of the classical or horns in the different dances and from performed by the student. The program ended with the sweet was distributed among all the guest and students.
18. Annual Function 07.04.2024	The Annual Function celebration was held at our college on 7th april,2024 The event was a grand success, showcasing the talents the achievements of our students and fostering a sense of community and pride among the participant. The Annual Day celebration provided an opportunity to acknowledge and achievement of our students. Certificate and award were distributed to students who excelled in various subjects, extra-curricular activities.
19. Plant health day 12.05.2024	In celebration of **The International Day Of Plant Health Day**on 12 May, 2024 Student of agriculture, BEI through practical initiative such as dash plantation drive and creative endeavor like the painting competition. The college real commitment to nurturing a culture of environmental consciousness and sustainable practices among its students all the under community Plantation and other competition like debate essay and skit. ITC were organized to mask the World environment day is here by all awareness programs related to environment sustainability environment protection water conservation etc. are organized.
20. World environment day 05.06.2024	On 5th June 2024 celebrated for awareness among students about importance of the environment and the need protect it. The Principal Dr.Rajneesh Kumar Srivastava, HOD,Mr. Vinod Verma and along with the other faculty members participated in the program in full sprit. Dr Sujit Kumar Yadav, Mr Himanshu Verma and Mr. Vimlesh Kumar Maurya along with other faculty member of the college and all students planted by trees in college premises.
21. Nutrition Day 28.05.2024	As per the requirement of curriculum B.Sc. Home Science Final year students decided to celebrate nutrition day. Under the guidance of Dr. Sneh Lata Singh. In this program student planned to prepared different dishes according to different types of Diet.
22. International Yoga Day 21.06.2024	International yoga day celebrated the international Day of yoga on 21st June 2024. The theme of yoga is this year for **Self And Society** as per guidelines is send by the **Ministry Of A Yoga,** Government of India. Mr. Shailesh Mishra, yoga instructor guided all participants in practice the yoga.Dr.Rajneesh Kumar Srivastava addressed gathering and explain the importance and uses of yoga day to day life he harder stressed about health being it's of practicing yoga.

All above conducted event reports are displayed in detailes with pics on our college website www.bci.bgi.ac.in

–Dr. Sneh Lata Singh

❑

Biometrics authentication for identification systems

Er. Sumit Kumar Srivastava
Head of Department,
Computer Science & Management

Biometric Identification

Biometric identification consists of determining the identity of a person.

- The aim is to capture an item of biometric data from this person. It can be a photo of their face, a record of their voice, or an image of their fingerprint.
- This data is then compared to the biometric data of several other persons kept in a database.

Biometric features can be more efficient and trustworthy than other techniques, like knowledge-based verification systems (like a password or PIN) or token-based systems (like an ID card or license), since they are typically unique to each individual.

Biometric verification systems offer a robust and reliable verification method that ensures data privacy, security, and user satisfaction. It is an essential tool for preventing identity theft and fraud and provides unparalleled access control and authorizations.

Objective of Biometric authentication-

Enhanced Security : Biometric traits are unique to individuals, making it difficult for unauthorized individuals to impersonate or replicate.

Convenience : Biometric authentication eliminates the need to remember passwords or carry physical tokens, providing a seamless user experience.

Purpose of Biometrics

The definition of biometric identification says that it is a method for recognizing people based on their physiological or behavioral traits. The process is nothing out of the ordinary - humans do it every day to identify the person we are looking at or recognize a friend, but we do it without noticing.

Fingerprint identification plays a crucial role in criminal investigations, enabling law enforcement agencies to link suspects to crime scenes. Fingerprints left behind on surfaces can be collected and compared to a database of known individuals, aiding in identifying perpetrators.

Biometrics : Trends

In the face of identity theft and document fraud, cybercrime and terrorism, and changes in international regulations, new biometric security solutions are being put into place.

The most feasible method of quickly and reliably identifying and authenticating people using their distinct biological traits is called biometrics.

Of course, deploying biometric systems is made easier by growing public

acceptance, significant accuracy advances, a rich offer, and declining costs for sensors, IP cameras, and software.

Biometric identifiers

There are two types of biometrics :

1. Physiological measurements

They can be either morphological or biological.

- Morphological identifiers mainly consist of fingerprints, the hand's shape, the finger vein pattern, the eye (iris and retina), and the face's shape.
- For biological analyses, DNA, blood, saliva, or urine may be used by medical teams and police forensics.

2. Behavioral measurements

The most common are :

- voice recognition,
- signature dynamics (speed of movement of pen, accelerations, pressure exerted, inclination),
- keystroke dynamics,
- the way we use objects,
- gait, the sound of steps,
- Gestures, etc.

The techniques used are subject to ongoing research and development and are being improved continuously.

To see how behavioral biometrics is gaining momentum in Banking, visit our web dossier.

However, the different sorts of measurements do not all have the same level of reliability.

Physiological measurements usually offer the benefit of remaining more stable throughout an individual's life.

For example, they are not subject to stress, in contrast to identification by behavioral measurement.

Authentication Method Types

The term "biometric authentication" is a cyber-security procedure that uses a user's distinct biological characteristics—such as fingerprints, voices, retinas, and facial features—to confirm their identification. When a user enters their account, biometric authentication systems use the information they have stored to confirm their identity. Generally speaking, this kind of authentication is more secure than more conventional multi-factor authentication methods.

Types of Authentication Methods

The following are a few common authentication methods used for network security designed to beat cybercriminals and some of the biometric authentication technologies below are ones that you might use daily.

Facial recognition : These systems use a person's unique facial features to identify them. It's used in a variety of places such as smartphones, credit card payments, and law enforcement.

Fingerprint Recognition : Fingerprint authentication uses a person's unique fingerprint to verify their identity, using a device like a FIDO2

Authentication Token. It can be used to secure everything from mobile devices to automobiles, even buildings, making it the most widespread biometric authentication technology.

Eye Recognition : Eye recognition uses the unique pattern of someone's iris or retina to identify them. Because this type of biometric authentication is harder to implement, it's less common than the other types of biometric authentication options. An iris scan requires an infrared light source, a camera that can see IR, and minimal light

pollution in order to ensure accuracy. Although it poses its challenges, it is one of the most accurate biometric authentication systems available when those conditions are met. Eye recognition is generally used in situations where security is most critical such as nuclear research facilities, etc.

Voice Recognition : Voice recognition uses the tone, pitch, and frequencies that are unique to an individual to authenticate them. This is the most commonly used biometric to verify users when they contact a call center for customer service support (for example, online banking)

Retina/Iris Recognition : Retina or also known as iris recognition, uses the pattern of someone's iris or retina to identify them. This type of biometric authentication is less common as it is harder to implement. It requires the implementation of an infrared light source, a camera that can see IR, and minimal light pollution to ensure accuracy. However, it happens to be one of the most accurate biometric authentication methods when those conditions are met. So it's typically used in situations where security is most critical (nuclear research facilities, for instance).

Gait Recognition : Gain recognition authenticates using the way someone walks to identify them. Each person walks a little differently, so the way a person puts one foot in front of the other is an effective way to verify their identity. As of now, it's not a common form of authentication but it's expected to become more common as future forms of authentication become more popular.

Vein Recognition : Vein recognition uses the pattern of blood vessels in a person's hand or finger to identify them. This type of biometric authentication uses infrared light to map the veins under the skin in your hands or fingers. Vein recognition is extremely accurate, more than retina/iris recognition.

❑

The Role of Technology and Gadgets in Modern Life

—Shivendra Pratap Singh
(Asstt. Prof., BIBM)

Introduction : Technology and gadgets have become an integral part of our daily lives, influencing how we work, communicate, and entertain ourselves. From smartphones and laptops to smart home devices and wearable tech, innovations continue to reshape modern society. While these advancements bring convenience and efficiency, they also present challenges that require responsible usage.

The Benefits of Technology and Gadgets

1. Improved Communication : Technology has revolutionized communication through smartphones, video calls, and instant messaging apps. People can connect across the globe in real time, making interactions faster and more efficient.

2. Increased Productivity : Smart devices, AI-driven assistants, and automation tools help businesses and individuals streamline their tasks. Gadgets like tablets, smartwatches, and voice-controlled

assistants improve work efficiency and time management.

3. Entertainment and Leisure : Streaming services, gaming consoles, and virtual reality (VR) devices provide immersive entertainment experiences. Whether watching movies, playing games, or exploring virtual worlds, technology enhances relaxation and enjoyment.

4. Health and Fitness : Wearable gadgets like smartwatches and fitness trackers help monitor heart rate, steps, sleep patterns, and overall wellness. These devices encourage healthier lifestyles by promoting exercise and mindfulness.

Challenges of Technology and Gadgets

1. Screen Addiction : Excessive use of gadgets can lead to screen addiction, affecting mental health, sleep quality, and social interactions. Digital well-being strategies, such as screen time limits, are essential.

2. Privacy and Security Risks : With increased connectivity comes the risk of data breaches, hacking, and identity theft. Users must adopt strong passwords, enable two-factor authentication, and be cautious about sharing personal information online.

3. Environmental Impact : Electronic waste (e-waste) is a growing concern due to rapid technological advancements. Recycling old gadgets and supporting sustainable technology practices can help reduce environmental damage.

Conclusion : Technology and gadgets have transformed modern life, making daily activities more convenient and efficient. While these innovations bring numerous benefits, responsible usage is key to minimizing risks such as addiction, privacy threats, and environmental impact. By striking a balance between digital and real-world interactions, we can make the most of technology without compromising well-being.

❑

Importance of Marketing Management in Business

—Manoj Kumar Shukla
(Asstt. Prof., BIBM)

Marketing management is the catalyst that propels business growth through strategic planning, implementation, and insightful analysis of marketing techniques. Essentially, it's the backbone of effective branding and sales operations.

The significance of astute marketing management cannot be overstated. Let's delve into why it's indispensable, its role in business expansion, the process involved, career prospects it offers, and its overarching importance for businesses.

Understanding Marketing Management

Marketing management involves the orchestration of planning, executing, and controlling marketing activities to meet organizational objectives. It encompasses a gamut of tasks: market research, identifying target audiences, product development, pricing, distribution,

advertising, and maintaining customer relationships.

At its essence, marketing management seeks to comprehend customer needs and desires, devising strategies to meet these needs profitably. Through efficient marketing management, businesses can fortify their brand presence, retain customers, and drive revenue.

Significance of Marketing Management for Businesses

1. Enhanced Customer Understanding : Through market research, businesses grasp customer preferences, demographics, and buying behaviour, leading to tailored marketing campaigns and heightened customer satisfaction.

2. Competitive Advantage: Distinctive value propositions, positioning strategies, and effective branding set businesses apart from competitors, ensuring a sustainable competitive edge.

3. Revenue Generation: Well-executed marketing campaigns attract and convert leads into customers, thus driving revenue growth.

4. Adaptability to Market Changes: Marketing management enables agility, allowing businesses to adapt to evolving market landscapes, technological advancements, and consumer preferences.

Processes Involved in Marketing Management

1. Comprehensive Market Analysis: Understanding market trends, competition, and identifying target segments.

2. Setting Clear Objectives: Defining measurable goals for marketing strategies.

3. Developing Effective Strategies: Outlining approaches for audience targeting, product positioning, and brand communication.

4. Implementation and Execution: Bringing planned activities to life, coordinating across departments for consistent messaging.

5. Continuous Evaluation: Monitoring campaigns, analyzing KPIs, and refining strategies based on insights.

Also, the **challenges within marketing management** often directly influence the processes employed.

Addressing consumer behaviour changes may require more robust market analysis, leading to adaptive strategies and refined objectives.

Technological advancements demand innovative strategies, integrated with meticulous monitoring to ensure ROI amidst a competitive landscape.

Lucrative Careers in Marketing Management

1. Marketing Manager : Overseeing marketing strategies, campaign management, and cross-functional team coordination.

2. Digital Marketing Specialist : Focused on online channels like social media, SEO, content marketing, and PPC advertising.

3. Market Research Analyst : Gathering and analysing data to inform marketing strategies and business decisions.

4. Brand Manager: Responsible for maintaining a strong brand image across all marketing channels.

Recap of Marketing Management's Importance

- Increased Brand Awareness
- Customer Acquisition and Retention
- Business Growth and Expansion
- Competitive Edge
- Long-Term Sustainability

❑

Forensic Accounting : Detecting and Preventing Financial Fraud

–Kaushlendra Mishra
Asstt. Professor, BIBM

Financial fraud poses significant risks to organizations, investors, and the economy at large. Forensic accounting plays a crucial role in detecting, investigating and preventing fraudulent activities.

Forensic accounting involves the application of accounting principles and investigative techniques to uncover financial fraud or irregularities. Unlike traditional accounting, which focuses on financial reporting, forensic accounting delves deeper into uncovering fraudulent activities, often involving legal proceedings.

Forensic accountants employ various methods to detect financial fraud. These include data analysis, trend analysis and forensic interviews. By scrutinizing financial records, transactions and patterns, forensic accountants can identify anomalies that may indicate fraudulent behaviour. Advanced tools and technologies, such as data analytics software, enhance their ability to uncover suspicious activities efficiently.

Once potential fraud is identified, forensic accountants conduct detailed investigations to gather evidence and build a case. This may involve examining documents, conducting interviews, and collaborating with legal experts. Through meticulous analysis, forensic accountants reconstruct financial transactions and trace the flow of funds, uncovering the root causes of fraud.

In addition to detection and investigation, forensic accounting plays a proactive role in preventing financial fraud. Forensic accountants assess internal controls, identify vulnerabilities, and recommend measures to strengthen risk management processes. By implementing robust internal control and fraud prevention mechanisms, organizations can mitigate the risk of fraudulent activities occurring.

Forensic accountants often collaborate with law enforcement agencies and legal counsel to support criminal or civil proceedings against perpetrators of financial fraud. Their expertise in financial analysis and evidence presentation is crucial in securing convictions and recovering assets obtained through fraudulent means.

Forensic accounting serves as a vital tool in combating financial fraud, protecting the integrity of financial system, and preserving trust in the marketplace. By employing advanced techniques, conducting thorough investigations, and collaborating with stakeholders, forensic accountants play a pivotal role in safeguarding against financial misconduct and promoting transparency and accountability in organisations.

❑

Effective Instructional Strategies in Computer Education

–Amit Tripathi
Assistant Professor (BIBM)

Introduction : Computer education has become an indispensable part of modern education, equipping students with essential digital literacy and computational thinking skills. Effective instructional strategies are crucial to ensure that students not only acquire knowledge but also develop a deep understanding of computer science concepts. This article explores some of the most effective instructional strategies that can be employed in computer education.

1. Project-Based Learning (PBL)

PBL involves students working collaboratively on real-world projects that require them to apply their knowledge and skills. This approach fosters creativity, problem-solving, and critical thinking skills. Students can work on projects such as developing a website, creating a mobile app, or designing a video game.

2. Game-Based Learning (GBL)

GBL leverages the power of games to engage students and make learning fun. Educational games can be used to teach programming concepts, algorithmic thinking, and computational logic. Games can also be used to simulate real-world scenarios and provide students with hands-on experience.

3. Flipped Classroom

The flipped classroom model reverses traditional teaching methods. Students learn new concepts through online videos or other resources before class. In class, they apply their knowledge through activities, discussions, and projects. This approach allows teachers to provide individualized support and cater to different learning styles.

4. Coding Challenges and Competitions

Coding challenges and competitions provide students with opportunities to test their skills and collaborate with peers. These activities can be highly motivating and can foster a love for computer science. Online platforms and educational institutions offer a wide range of coding challenges and competitions for students of all levels.

5. Real-World Applications

Connecting computer science concepts to real-world applications can help students understand the relevance and importance of what they are learning. Teachers can use examples from various fields such as medicine, engineering, and business to illustrate the practical applications of computer science.

6. Peer-to-Peer Learning

Peer-to-peer learning involves students teaching and learning from each other. This approach can be highly effective in fostering collaboration, communication, and critical thinking skills. Students can work in pairs or small groups to solve problems, share knowledge, and provide feedback.

7. Technology Integration

Integrating technology into the classroom can enhance the learning experience and provide students with access to a wealth of resources. Teachers can use interactive whiteboards, online simulations, and virtual labs to create engaging and interactive learning experiences.

Conclusion : Effective instructional strategies are essential for creating a stimulating and engaging learning environment in computer education. By incorporating a variety of approaches, teachers can cater to different learning styles, foster critical thinking skills, and inspire a lifelong love for computer science. ❑

The Impact of Social Media on Modern Society

–Akanksha Mishra
Asstt. Professor
(BIBM Department)

Introduction : Social media has become an essential part of daily life, influencing how people communicate, consume information, and interact with the world. Platforms like Facebook, Instagram, Twitter, TikTok, and LinkedIn have transformed everything from personal relationships to business strategies. While social media offers numerous benefits, it also presents challenges, including misinformation, privacy concerns, and mental health effects.

The Positive Aspects of Social Media

1. Enhanced Communication and Connectivity : Social media bridges geographical gaps, allowing people to stay connected with friends, family, and colleagues worldwide. Platforms facilitate instant messaging, video calls, and group discussions, making communication easier than ever.

2. Business Growth and Marketing : Businesses leverage social media for brand awareness, customer engagement, and advertising. Small businesses, in particular, benefit from cost-effective digital marketing strategies, reaching global audiences without significant investment.

3. Information and Awareness : Social media serves as a powerful tool for spreading awareness on social issues, news, and educational content. Movements like #MeToo and #BlackLivesMatter gained traction through social media, demonstrating its impact on activism and change.

4. Opportunities for Creators and Influencers : Platforms like YouTube, Instagram, and TikTok have given rise to content creators and influencers who monetize their skills, from fashion and fitness to education and entertainment.

The Negative Aspects of Social Media

1. Mental Health Concerns: Excessive social media use can lead to anxiety, depression, and low self-esteem. The constant comparison with others' curated lives can create unrealistic expectations and feelings of inadequacy.

2. Misinformation and Fake News : The rapid spread of false information is a significant challenge. Misinformation about health, politics, and global events can mislead users and cause unnecessary panic or division.

3. Privacy and Security Risks : Sharing personal data on social media increases the risk of identity theft, cyber bullying, and hacking. Many users unknowingly compromise their privacy by oversharing information.

4. Addiction and Reduced Productivity : Social media addiction can interfere with real-life responsibilities, reducing work or study efficiency. Many people spend hours scrolling through content, affecting their productivity and social interactions.

How to Use Social Media Responsibly

Limit screen time: Set boundaries to avoid excessive use and ensure a healthy balance between online and offline activities.

Verify information: Cross-check news and facts before sharing to combat misinformation.

Protect personal data: Use strong passwords, adjust privacy settings, and be cautious about sharing personal details.

Follow positive content: Engage with accounts that promote mental well-being, education, and motivation rather than negativity and comparison.

Conclusion : Social media is a double-edged sword—offering connection, information, and opportunities while also presenting risks to mental health, privacy, and productivity. Responsible use is key to maximizing its benefits while minimizing its drawbacks. By being mindful of how we engage with social media, we can make it a tool for growth and positivity rather than a source of stress and misinformation.

❑

Support Matters

–Faiza Rizvi
B. Com. [3rd Sem]

Imagine a tree. It needs sunlight to grow, right? But what about those strong roots that hold it steady in the wind and rain? That's support! Just like a tree, we all need that extra push, a listening ear, or a helping hand sometimes. Support is like those roots, keeping us grounded and helping us reach for the sun. It makes us feel strong and brave, and reminds us that we're not alone on this journey called life.

To support someone, focus on :

Active listening: Pay attention, let them speak, and reflect on what they say.

Emotional support: Offer empathy, validate their feelings, and provide a safe space.

Practical help: Provide resources (e.g., information, contacts, financial assistance) and Help them create a plan or problem-solve.

Encourage self-care: Remind them to prioritize their well-being.

Respect their boundaries: Understand their needs and don't pressure them.

Most importantly, be genuinely present and understanding.

❑

The Rise of E-commerce : Revolutionizing the Retail Landscape

–Shreya Singh
BBA 1st year

The e-commerce industry has witnessed unprecedented growth in recent years, transforming the way we shop and interact with businesses. The convenience, flexibility, and personalized experience offered by online platforms have led to a significant shift in consumer behavior.

According to statistics, the global e-commerce market is projected to reach $4.9 trillion by 2023. The rise of mobile commerce, social media, and digital

payments has further fueled this growth. Online marketplaces like Amazon, Flipkart, and Alibaba have become household names, offering a wide range of products and services.

As e-commerce continues to evolve, businesses must adapt to changing consumer preferences and technological advancements to remain competitive. The future of retail is undoubtedly digital, and those who embrace this shift will thrive in the years to come.

❑

Embracing the Power of Modern Technology

–Sateesh Kumar
BCA 1st Semester

"Transforming Lives, Empowering Futures"

Modern technology has revolutionized our lives, transforming the way we communicate, work, and access information.

With smartphones, laptops, and tablets, we can stay connected and access knowledge from anywhere.

Artificial intelligence, machine learning, and the Internet of Things (IoT) are driving innovation and efficiency.

Modern technology has enabled remote work, online shopping, and digital entertainment.

It has also improved healthcare, education, and transportation systems.

Automation and robotics have increased productivity and reduced manual labor.

Virtual and augmented reality are changing the gaming and entertainment industries.

Modern technology has also enabled us to track our fitness and health goals.

We can now access a vast array of online courses and educational resources.

Modern technology has made it easier to connect with people from all over the world.

However, with great power comes great responsibility.

We must ensure that we use technology in a way that is safe, secure, and respectful of others.

"Empowering Tomorrow, Today"

By embracing modern technology, we can create a brighter future for ourselves and for generations to come.

Let's harness the power of technology to drive innovation, improve lives, and create a better world.

"Technology for a Better Tomorrow"

❑

Cashless Economy or Digital Economy

–Ananya Srivastava
BBA 2nd Year

A cash less society is an economic state whereby financial transactions are not conducted through cash or physical form of money. In cash less economy, all financial transactions are routed digitally through electronic representations of money and no bank notes and coins are used. The digital transaction can take place through various mediums such as Debit Cards, Credit Cards, UPI, Google Pay, Phone Pay, Paytm, Internet banking, USSD, and point of Sale. There are various advantages of going cash less. The ease of doing the financial business is the biggest motivator to go digital. People will no longer need to carry wards of cash, plastic cards or even queue up for ATM

❖❖❖

withdrawal. If all transactions are recorded, it will be very easy for people to keep track of their spending. It will help while filling income tax returns, and in case of a scrutiny, people will find it easy to explain their spends. The written records will help people keep tabs on their spending and this will result in better budgeting. Transactions made through digital form of money are recorded online and therefore better transparency in transaction is ensured.

In spite of the above advantages, no electronic medium is full proof and is also prone to certain drawbacks. The biggest fear is the risk of identity theft since we are not well familiar to the digital transactions, even the well educated people run the risk of falling into phishing traps. The compromised system security and installing unauthorized applications increase the risk of financial frauds. Therefore certain safety measures and guidelines need to be followed while making financial transactions online. These measures include using smart and verified applications only, using internet connections in secure mode, updating mobile and computer security, not responding to unsolicited calls, SMS or e-mails and frequently changing the passwords of the financial applications

❑

College Life

–Suyash Agrawal
B.Com 2nd Year

College life is a unique blend of academic rigor and personal growth. It's a time where students transition from adolescence to adulthood, navigating the challenges of balancing coursework, social life, and often, part-time jobs. For many, it's their first taste of independence, living away from home, and managing responsibilities. Academically, students are pushed to think critically and pursue subjects that ignite their passion. Outside the classroom, college life offers a vibrant social scene—clubs, sports, and events help students make lifelong friendships. While the freedom can be exhilarating, it also requires self-discipline, especially with time management and finances. Despite the pressures, college life offers opportunities for personal development, shaping individuals for their future careers and life goals. It's a time to explore interests, build connections, and create memories that last a lifetime.

❑

FLOW WITH BHAVDIYA

• ARISE WITH VIRTUES •

–Muskan Yadav
BBA . II year

Motive of Education ....!

Education is our Passport to the future.

: A little progress each day adds up to big results.

: Teachers open the door , but you must enter by yourself.

: Failure is the opportunity to begin again more intelligently.

: Success is the sun of small efforts.

Remember Bhavdiya gives you opportunity to know that you are :

" you are capable .
you are strong .
you are important .
you are special .
you are perfect " .

❑❑

Smart City : The New Picture of India's Future

–Harshit Garg
M.Com. (final year)

Introduction : In the 21st century, rapid urbanization has posed significant challenges for cities worldwide. To tackle these challenges, the concept of "Smart Cities" has emerged as a revolutionary solution. In India, the Smart Cities Mission, launched by the Government in 2015, aims to transform urban areas into technologically advanced, efficient, and sustainable spaces. With the integration of digital technology, green energy, and improved infrastructure, smart cities are shaping the future of urban living in India.

What is a Smart City?

A smart city is an urban area that uses technology and data-driven solutions to enhance the quality of life for its citizens. It integrates modern infrastructure, smart governance, sustainable development, and efficient public services. These cities use IoT (Internet of Things), AI (Artificial Intelligence), and Big Data to improve transportation, healthcare, education, and security.

Key Features of a Smart City

1. Smart Infrastructure: Advanced roads, bridges, smart buildings, and efficient drainage systems.
2. Sustainable Energy: Use of solar panels, wind energy, and LED street lights to reduce carbon footprint.
3. Digital Governance: Online services, e-governance, and digital transactions for better transparency.
4. Smart Transportation: Intelligent traffic management, electric buses, metro expansion, and smart parking systems.
5. Waste Management: Automated garbage collection, waste recycling, and sewage treatment plants.
6. Security and Surveillance: AI-powered CCTV cameras, emergency response systems, and smart policing.
7. Water and Electricity Management : Smart meters, rainwater harvesting, and water recycling techniques.
8. Eco-Friendly Living: Green parks, pollution control measures, and clean air initiatives.

India's Smart Cities Mission

The Government of India launched the Smart Cities Mission with an initial plan to develop 100 smart cities across the country. The goal is to improve urban mobility, waste management, digital connectivity, and efficient governance. Some of the leading smart cities in India include Pune, Surat, Bhopal, Indore, Varanasi, and Bhubaneswar.

Benefits of Smart Cities in India

- Improved Quality of Life: Better infrastructure, healthcare, and public services.
- Economic Growth: Creation of new job opportunities and business hubs.
- Environmental Sustainability: Reduced pollution, green energy use, and efficient waste management.
- Enhanced Safety and Security: AI-driven surveillance and smart emergency response systems.

- Efficient Resource Utilization: Proper use of water, electricity, and public transport systems.

Challenges in Smart City Development

1. High Cost: The implementation of smart city projects requires massive investment.
2. Technological Adaptation: Many cities still lack the necessary digital infrastructure.
3. Data Security: Cyber security threats and data privacy concerns need to be addressed.
4. Population Growth: Managing urban population expansion remains a major challenge.
5. Coordination Issues : Proper coordination between government agencies, private firms, and citizens is essential.

Conclusion : Smart cities represent the future of India, providing a sustainable, technology-driven, and efficient urban lifestyle. While challenges exist, the benefits far outweigh them. With the right policies, investments, and active citizen participation, India can achieve its vision of becoming a global leader in smart urban development. The transformation towards smart cities is not just an infrastructural change but a step towards a better, cleaner, and more efficient future for the country.

❑

विचार बिन्दु

—संजय सिंह
एडमिशन सेल

लोग जल जाते हैं मेरी मुस्कान पर, क्योंकि मैंने कभी दर्द की नुमाइश नहीं की,
जिन्दगी से जो मिला कबूल किया, किसी चीज की फरमाइश नहीं की,
मुश्किल है समझ पाना मुझे, क्योंकि जीने का अलग है अन्दाज मेरे,
जब जहाँ जो मिला अपना लिया जो न मिला उसकी ख्वाहिश नहीं की,
माना कि औरों के मुकाबले कुछ ज्यादा पाया नहीं मैंने, पर खुश हूँ कि खुद को गिराकर उठाया नहीं मैंने।

सचमुच क्षमा या माफ कर देने से बेहतर कोई बात नहीं, इससे मन और शरीर दोनों आराम महसूस करते हैं, क्योंकि व्यक्ति या आप मानसिक व भावनात्मक रूप से हलके हो जाते हैं।

जिन्दगी की खुबसूरती यह नहीं है कि आप कितने खुश हैं, बल्कि जिन्दगी की असली खुबसूरती यह है कि आप से लोग कितने खुश हैं।

❑

The Impact of Technology on Education

–Abhishek Kumar
B.C.A.- 1st Year (II semester)

Technology has had a profound impact on education in recent years. With the advent of the internet and mobile devices, students now have access to a wealth of information and resources that were previously unavailable. Technology has also made it possible for students to learn in new and innovative ways.

"Education is most powerful weapon which you can use to change the world."

"One teacher one child one pen and one book can change the world."

❑

शेर–सा साहसी, शिवाजी राजा

—शिखा शर्मा
B.C.A (Ist Semester)

मिट्टी से जिसने लोहा गढ़ा,
स्वराज का जिसने दीप जला।
बिजली से भी तेज था जिसका वार,
हर दिल में बसता है जिसका सार।

गौरव था वो मराठा वीर,
रणभूमि का वो था अधीर।
मुगलों के सिंहासन को डगमगाया,
स्वतंत्रता का मंत्र सिखाया।

सिंहगढ़ की गाथा गूँज रही,
रण में जिसकी तलवार धधक रही।
हर संकट से जिसने पार किया,
माँ भवानी का आशीर्वाद लिया।

जय भवानी, जय शिवाजी!
गूँज रही है हर इक बाजी।
मराठा का वो गौरवशाली ताज,
अमर रहेगा शिवाजी राज।
छत्रपति शिवाजी महाराज की जय!

❑

कैसे पहचाने कौन जेबकतरा है

—मोहम्मद कैफ
B.Com. III Year

कैसे पहचाने कौन शख्स जेबकतरा है,
कपड़े-लत्ते से तो हर कोई साफ-सुथरा है।

पर्स रह जाती है और रुपया निकल जाता है,
अपने घर वालों से तो और अधिक खतरा है।

आप अपने को आदमी समझ के खुश रहिए,
पैसे वालों के लिए हर गरीब बकरा है।

सबकी नजरें टिकीं बिछे हुए रेड कारपेट पर,
देखता कौन है कि उसके तले कचरा है।

योग्यता और जल की थाह मापना मुश्किल,
क्या पता कौन कुआँ कितना अधिक गहरा है।

ऐसे हालात में दुष्यंत का शेर याद आया,
मुझको मालूम है कि पानी कहाँ ठहरा है।

मोतियों की नहीं ये बात मेरी प्यास की है,
सिंधु का नीर है खारा तो वो भी सहरा है।

❑❑

फार्मेसी-अनुभाग

The Role of Pharmacology in Healthcare and Medicine

–Mr. Ran Vijay Singh
Associate Professor
Co-ordinator
Master of Pharmacy
B. I. P. S. R., Ayodhya

Pharmacology studies how chemical agents or medications impact biological systems and how live organisms react. Besides that, pharmacology guarantees that synthetic and natural medications are practical and safe for human ingestion.

Without pharmacological research, we could not distinguish between therapeutic and harmful chemical substances, which could lead to fatal outcomes. So, what's the importance of pharmacology? Here are some reasons why pharmacology is essential.

Researches Toxic Effects of Drugs

Pharmacology studies the toxicity of medications as well as their therapeutic benefits. Toxicology is the scientific field concerned with the harmful effects of chemical substances on biological systems.

Toxicology also identifies and cures exposure to various poisons and toxicants. Toxicologists would be unable to identify and avoid the adverse effects of chemical compounds on people, animals, and other living beings without pharmacology. Moreover, toxicologists in the pharmaceutical industry collaborate with pharmacologists to ensure that new pharmaceuticals are safe for clinical trials or consumption by human beings.

Analyses of Effects of Drugs

Therapeutic indications are desirable or advantageous outcomes of medical treatment. These are behavioral or physiological changes caused by the use of chemical reagents. Pharmacology is a subject that gives specific information on pharmacological advantages and describes how medications favorably interact with biological targets. As a result, pharmacology is associated with therapeutics, which investigates the treatment and care of patients to prevent and treat illnesses or injuries

Improvement of Drugs

Pharmacological research is critical for enhancing existing medications and developing new ones. Pharmacology is essential in drug discovery and development because it studies the interactions between medications and biological systems.

Knowing how cellular targets respond to medications and the impacts of biologically active molecules is critical for developing medication that works. As a result, pharmacologists are involved in all stages of medication development, from lab to shelf.

Crucial for Treating & Preventing Diseases

Clinical pharmacology utilizes pharmacokinetic and pharmacodynamics knowledge to comprehend the use of medications to treat or prevent disease. Pharmacotherapeutics is the discipline of pharmacology that deals with medications for disease treatment and prevention.

Furthermore, pharmacology aims to describe disease progression through medication concentration and dose. Clinical pharmacological studies are critical for developing and understanding new therapeutic interventions.

How does the Body Respond to Drugs?

Another significant part of pharmacology is pharmacokinetics (PK), which studies how biological systems react to chemical compounds. In other words, pharmacokinetics describes what the body does to medicine.

Pharmacokinetics studies how medications are absorbed, transported, metabolized, and eliminated from biological systems. Moreover, clinical pharmacokinetics applies PK concepts to facilitate safe and effective therapeutic medication management in patients.

Effects of Drugs Biological Systems

Pharmacodynamics (PD) is an area of pharmacology that explores how medications affect various biological systems. In other words, pharmacodynamics is the study of how drugs affect the body. It investigates medications' molecular, biochemical, and physiological impacts on numerous cellular targets.

Pharmacodynamics is also concerned with assessing medications' intended and unwanted effects and the duration of action. As a result, pharmacodynamics is critical for determining medication dosages while considering the drug's concentration, advantages, and potential adverse effects.

Explores Properties of Drugs

Knowing pharmaceuticals' physical and chemical features is essential for developing effective medications. The chemical structure of molecules significantly affects these qualities, and pharmacologists are in charge of determining the associated physicochemical parameters. Drugs have three vital physical characteristics: size, shape, and polarity.

Drug chemical properties, on the other hand, include acid-base characteristics, solubility, lipophilicity, ionization, and permeability. Pharmacologists can assess the activity of pharmaceuticals and their compatibility with other treatments by studying these factors.

Advancement of Nanotechnology

Nanotechnology is widely used in the pharmaceutical industry to improve medication solubility and bioavailability. Nanotechnology-based technologies enable scientists to create medications that directly cure damaged cells.

Combining nanotechnology with pharmacology is essential for developing novel medicines and cures. Moreover, pharmacological investigations support the development of diverse Nano- technological techniques, resulting in improved drug treatment results. Given the complexities of pharmacology, scientists have a wide range of research options that might lead to the creation of more effective medications and therapies.

❑

The Life of a Career Woman

–Jyoti Verma
Associate Professor BIPSR

As career-driven women, we often hear about work-life balance, but it can be tough to achieve. In my opinion, work-life balance is both a myth and a reality, and it's important to understand what that means for you.

The reason I say work-life balance is a myth is that work is not separate from life but rather a part of it. As women who are ambitious in our careers, we feel extra pressure to prove ourselves. This often leads to placing too much emphasis on our work, making it hard to separate our work from other aspects of our lives.

But we also juggle many responsibilities as mothers, wives, daughters, sisters, colleagues, and friends. We have hobbies, passions, and interests, and we need to take care of our physical, emotional, and mental health. All of these things are important and make up different domains of our lives.

Imagine, for a moment, a circus performer juggling multiple balls—some are made of rubber and will bounce back if they fall, while others are made of glass and will shatter if they break.

Our lives are like this juggling act, and we must identify our glass balls — the non-negotiables that we cannot afford to let drop. These are our health, relationships, and passions — the things that make us feel whole and complete.

As career-driven women, there is a desire to have it all — success in our careers, time with family, and self-care.

It is possible, but not all at once.

We need to perfect the art of juggling the different domains by recognizing that certain balls will be in the air at times while others will be in our palms. *A time for everything and everything in its time!*

We can keep all the balls from falling if we steady ourselves and give each one the attention it deserves.

We can keep all the balls from falling if we live mindfully wherever we find ourselves—at work or with family.

We can keep all the balls from falling if we focus on finding the right balance that works for us rather than achieving a perfect balance.

In conclusion, let's prioritize our glass balls and identify what's essential in our lives to achieve a fulfilling and balanced life. Work-life balance is both a myth and a reality. The reality is that we must make choices that allow us to thrive both professionally and personally. And that choice is what helps us live a full life.

Things can be summarized in form of a short poem.

With dawn's first light, she rises tall,
Juggling dreams and duty's call.
A briefcase in hand, a heart full of grace,
Navigating life's demanding race.

In boardrooms bright, she takes her stand,
With wisdom sharp and vision grand.

Yet echoes of home tug at her soul,
Where love and laughter make her whole.

Deadlines press, the clock won't pause,
But she fights on without a cause for applause.
Balancing roles, a masterful art,
Driven by passion and strength of heart.

Through bias thick, she clears her way,
Breaking barriers every day.
Her voice, a beacon strong and true,
Inspiring others to pursue.

She wears no cape, but she's a hero,
A symbol of strength where doubts are zero.
A career woman, fierce and free,
Crafting a legacy for all to see.

❑

Contribution of Chemistry in Improving Healthcare Scenario

–Mr. Prem Prasad
Associate Professor
Pharmacy Department

Chemistry plays a critical role in health and medicine, enabling the development of drugs, understanding bodily functions at a molecular level, diagnosing diseases through laboratory tests, and ensuring the safe and effective administration of medications, essentially forming the foundation for modern medical treatments and research; making it an indispensable field for healthcare professionals. It is the part of science that explores what things are made of and how they changes under different circumstances. From the food we eat to the industrial development to medicines we take, chemistry's touch is everywhere.

Importance of Chemistry in health and medicine

Drug development : Chemists design and synthesize new drugs by understanding the molecular structure of diseases and potential therapeutic targets, leading to the creation of targeted medications with minimal side effects

Biochemistry : Studying the chemical processes occurring within the body, including metabolism, enzyme functions, and hormone signaling, helps diagnose and treat diseases linked to biochemical imbalances.

Pharmacokinetics : Understanding how drugs are absorbed, distributed, metabolized, and excreted within the body to optimize dosage and treatment regimens,

Diagnostic tools : Chemical analysis through laboratory tests like blood chemistry, urine analysis, and tissue biopsies are crucial for identifying diseases and monitoring treatment efficacy.

Medical imaging : Certain imaging techniques rely on chemical contrast agents to visualize specific tissues and abnormalities within the body.

Toxicology : Studying the harmful effects of chemicals on the body helps identify potential toxins and develop safety measures.

Application of Chemistry in medicine

Antibiotics : Development of antibiotics to combat bacterial infections relies on understanding the chemical mechanisms of bacterial growth and inhibition.

Cancer treatments : Chemotherapy drugs are designed to target specific molecular pathways involved in cancer cell proliferation.

Insulin for diabetes : Synthetic insulin production using chemical synthesis allows effective management of diabetes

Pain management : Analgesics are developed based on their chemical interactions with pain receptors in the body, ❑

Importance of Microbiology in Daily Life

–Jagdeesh Prasad
Assistant professor/Microbiologist
BIPSR

Microbiology plays a crucial role in daily life, influencing health, food, environment, and industry in various ways. Here are some key aspects :

1. Health & Medicine

Disease Prevention & Treatment : Microbiology helps in diagnosing and treating infectious diseases caused by bacteria, viruses, fungi, and parasites.

Antibiotics & Vaccines : Development of antibiotics (e.g., penicillin) and vaccines (e.g., COVID-19, polio) rely on microbiological research.

Probiotics & Gut Health : Beneficial bacteria like Lactobacillus and Bifidobacterium aid digestion and improve immune function.

2. Food & Agriculture

Fermentation : Microorganisms are essential in making yogurt, cheese, bread, beer, and wine.

Food Preservation : Understanding microbes helps in food safety and storage, preventing spoilage and food borne illnesses.

Soil Fertility : Nitrogen-fixing bacteria like *Rhizobium* improve soil fertility and enhance plant growth.

3. Environmental Impact

Waste Decomposition : Microbes break down organic matter, recycling nutrients in nature.

Bioremediation : Certain bacteria and fungi help clean up oil spills, sewage, and industrial waste.

Water Purification : Microbial activity helps in wastewater treatment, making water safe for reuse.

4. Industry & Biotechnology

Pharmaceutical Production : Microbes are used to produce insulin, antibiotics, and enzymes.

Bio-fuels : Microbes help in bio-ethanol and biogas production as alternative energy sources.

Genetic Engineering : Microbiology aids in the production of genetically modified

organisms (GMOs) for medicine and agriculture.

5. Household & Personal Care

Cleaning Products : Antibacterial soaps and disinfectants target harmful microbes.

Cosmetics & Skincare : Probiotic-based skincare products help maintain skin health.

Laundry & Waste Management : Microbial enzymes improve stain removal in detergents.

Conclusion : Microbiology is essential for improving health, food production, environmental sustainability, and industrial advancements. Understanding microbes helps us harness their benefits while controlling harmful effects in daily life.

❑

The Role of Pharmaceutics in Pharmacy

–Mr. Rakesh Kumar Pandey
Lecturer
BIPSR

Pharmaceutics is a branch of pharmacy that deals with the preparation, formulation, and dispensing of drugs. It involves the study of the physical, chemical, and biological properties of drugs, as well as the design, development, and evaluation of drug delivery systems. The primary goal of pharmaceutics is to develop safe and effective medications that can be easily administered to patients. Pharmaceutics plays a critical role in the pharmaceutical industry, as it helps to ensure that drugs are manufactured and distributed in a consistent and reliable manner. Pharmaceutical formulations are made up of a variety of different ingredients, including Active Pharmaceutical Ingredients (APIs), excipients, and other additives. The process of developing a new drug formulation involves identifying the appropriate API and selecting the right excipients to ensure that the drug is stable and can be delivered effectively to the patient. One of the most critical aspects of pharmaceutics is drug delivery. Drug delivery systems are designed to ensure that drugs are delivered to the body in a controlled and efficient manner. The most common drug delivery systems include oral formulations (such as tablets and capsules), transdermal patches, injectable, and inhalation systems.

Oral formulations are the most widely used drug delivery system, as they are easy to administer and are typically less invasive than other delivery methods. Oral formulations can be in the form of tablets, capsules, or liquids. Tablets and capsules are made by compressing or encapsulating the drug and other ingredients into a solid form. Liquid formulations are made by dissolving the drug in a liquid medium, such as water or alcohol. Transdermal patches are another drug delivery system that is commonly used to deliver drugs. These patches are applied to the skin and release the drug over a period of time. This method is commonly used for drugs that need to be

delivered continuously over a long period of time, such as hormone replacement therapy. Injectable are another drug delivery system that is commonly used. These are typically administered by a healthcare professional and can be given intravenously, intramuscularly, or subcutaneously. Injectable are used when a rapid onset of action is required, or when the drug cannot be absorbed through the digestive system.

Inhalation systems are another drug delivery system that is commonly used to deliver drugs to the lungs. These systems are typically used to deliver drugs for respiratory conditions such as asthma and Chronic Obstructive Pulmonary Disease (COPD). Pharmaceutics also plays a critical role in drug development. The drug development process involves a series of stages, including drug discovery, preclinical testing, clinical trials, and regulatory approval. Pharmaceutics is involved in all of these stages, from the initial development of the drug formulation to the final stages of clinical testing and regulatory approval. During the drug discovery stage, pharmaceutics is involved in the identification and selection of the API and the development of the drug formulation. This stage also involves the preclinical testing of the drug, which includes testing the drug's safety and efficacy in animal models.

The clinical trials stage is the next step in the drug development process. This stage involves testing the drug in human subjects to determine its safety and efficacy. Pharmaceutics is involved in the formulation of the drug for use in clinical trials and in the design and implementation of the clinical trials themselves. Once a drug has successfully completed clinical trials, it must be approved by regulatory agencies such as the U.S. Food and Drug Administration (FDA) before it can be marketed and sold to the public. Pharmaceutics is involved in the preparation and submission of the drug application to regulatory agencies and in ensuring that the drug meets all regulatory requirements. Pharmaceutics also plays a critical role in ensuring the quality of drugs that are manufactured and distributed to the public. ❑

Pharmacists : The Silent Heroes of Healthcare

–Madhukar Prabhash

Assistant Professor (BIPSR)

Pharmacists are important in healthcare, but their role is often unnoticed. While doctors diagnose and prescribe, pharmacists ensure that medications are safe, effective, and used correctly. They provide essential guidance on dosages, side effects and interactions, helping patients confidently manage their treatments.

Though they may work behind the scenes, pharmacists are silent heroesensuring health, one prescription at a time.You are more than a dispenser of medicineyou are a healer, a guide and a protector of public health. Every pill you count, every prescription you check and every patient you counsel is a step toward saving a life.

Their expertise reduces medication errors and improves patient outcomes, making them indispensable to the medical community. Remember that your expertise makes a difference in the long hours and endless consultations. You prevent harm, ensure safety, and provide comfort when patients need it most. Your knowledge is a shield against illness, and your compassion is a source of hope.

Never underestimate the impact of your work. You are a vital force in healthcare, a trusted advisor, and a guardian of well-being. The world may not always see the effort behind the counter, but lives are healthier because of you.

Keep going. Keep caring.
Keep changing lives.
You are the heart of healthcare.

❑

Reflecting on Year Progress

–Mayank Panday
B Pharm 2nd year

Reflecting on the Year's ProgressAs we approach the end of the year, it's essential to take a moment to reflect on the progress we've made. This past year has been filled with challenges, triumphs, and lessons learned.

Achievements and Successes

We've accomplished many significant milestones, including :

- Successfully launching new initiatives and projects
- Expanding our reach and impact through strategic partnerships
- Achieving notable improvements in efficiency and productivity

"OVERCOMING CHALLONGES

Despite facing numerous obstacles, we've demonstrated resilience and adaptability :

- Navigating unexpected setbacks and finding creative solutions Embracing change and innovation to stay ahead of the curve

"Lessons Learned"

This year has taught us valuable lessons about :

- The importance of flexibility and adaptability in an ever-changing environment. The value of effective communication and transparency
- The need for continuous learning and professional development

LOOKING Ahead"

As we move forward into the new year, we're excited to build on our progress and tackle challenges

Expanding our hortions, innovative initiatives andpartnershipsContinuing to reftive and improve our processes and systems Fostering a culture of excellence and continuous Improvement

Conclusion : Reflecting on the year's progress, we re proud of what we've achieved and grateful for the lessons learned. We're eager to carry this momentum forward, embracing the opportunities and challenges that lie ahead.

❑

I DREAM A WORLD

–Ankit Maurya

I dream a world where man No other man will scorn, Where love will bless the earth

And peace its paths adorn I dream a world where all Will know sweet freedom's way,

Where greed no longer saps the soul

Nor avarice blights our day.

A world I dream where black or white,
Whatever race you be,
Will share the bounties of the earth
And every man is free,
Where wretchedness will hang its head
And joy, like a pearl, Attends the needs of all mankind of such I dream, my world!

❑

Pharmacist

–Dalveer Kumar
D. Pharm

Pharmacist Pharmacist We are your Pharmacist,
And for the treatment of all discease
We are simply exists -
We are your pharmacist made the medicine,
And how to take it Explain you again
We are - your medicines experts and responsible to do this here,
So, we'll always take Your health care
We know prevention of discease and how to cure their
Because, before we start to treat We are trained for many years.
It is our profession and it is our addiction
Yours healthy health Our passion

❑❑

Organic Chemistry

–Pranjal Gupta
B.Pharm 2nd year

In the realm of carbon, where bonds are key,
Organic chemistry reigns, a science to see.
Molecules dance, with atoms in tow,
Forming compounds, with structures to show.
Alkanes, alkenes, alkynes, and more,
Hydrocarbons abound, on the organic shore.
Functional groups, with properties so fine,
Help us predict, the reactions that align.
Aromatics, with rings so fair,
Display unique properties, beyond compare.
Electrophiles, nucleophiles, in a delicate spin,
React with each other, to form new bonds within.
Stereochemistry, with 3D views so grand,
Helps us understand, the molecules' hand.
Enantiomers, diastereomers, in a chiral dance,
Illustrate the complexity, of organic romance.
Synthesis, with steps so precise,
Requires patience, skill, and a chemist's device.
Protecting groups, with a temporary hold,
Help us achieve, the desired molecules to mold.
Organic chemistry, a field so vast,
With reactions, mechanisms, and compounds to amass.
A challenge, a puzzle, a science so divine,
Organic chemistry, a world to design.

❑

Human Anatomy and Physiology

–Sandeep Kumar Yadav
B.Pharm-2nd Year

1. The human body, a marvel so fine, Composed of systems, intricate and divine.
2. The skeletal framework, strong and so grand, Protects the organs, a sheltering hand.
3. The muscular system, powerful and sleek, Enables movement, a wondrous technique.
4. The circulatory system, a network so fine, Transports oxygen, a life-giving design.
5. The nervous system, a complex web of might, Transmits signals, a communication delight.

6. The digestive system, a processing machine, Breaks down nutrients, a vital sheen.
7. The respiratory system, a breathing art, Exchanges gases, a life-supporting heart.
8. The endocrine system, a hormonal guide, Regulates functions, a balancing stride.
9. The integumentary system, a protective shield, Guards the body, a defensive yield.
10. This intricate machine, a symphony so grand, Functions in harmony, a wonder to expand.
11. The human body, a masterpiece so divine, A testament to life, a work of art sublime.

❑❑

Pharmaceutics

–Aditya Raj Pandey
B. Pharm 2nd year

In labs where science meets arts,
Pharmaceutics plays its part.
A field of study, precise and fine,
Where medicines are crafted, design divine
From molecules to market, a journey long,
Pharmaceutics guide, where chemistry's strong
Formulation crafted with skill and care
To heal, to cure, to show we truly care.
Tablet, capsules, liquids and more,
Dosage forms abound on pharmacy shores.
Excipients, actives, in harmony blend
To create medicines, that heal and mend.
Pharmacokinetics, pharmacodynamics too,
Help us understand, what medicines can do.
Bioavailability, efficacy, and safety in sight,
Pharmaceutics ensures, medicines shine so bright.
So here's to pharmaceutics, a science so true,
A field that heal, with medicines anew.
A tribute to those who work with dedication,
To bring hope, health, and healing, to all nation.

❑

NATURE

-Ansharah
B. Pharm 1st year

> I am a Human I am tired from CITIES; I am going to Nature To find PEACE!
> Long and Shady TREES And that cool BREEZE ; Made me Relax and CALM And found the tree of PALM !
> The plain ground With flora and fauna ; And silence all over the area Made me feel peace !
> The clouds were as light as Air And blew with the Wind; And the Sun SET Was the Day's END.....

❑

JUSTICE : THE ONE-EYED GUARDIAN

–Avinash Rai
B. Pharm- 1st Year

Ladies and gentlemen, gather near,
Let's talk of laws so bent, so clear.
Justice is blind, they always say,
But for some, it looks the other way!
Section 498A, take a bow,
Once for safety, but look at it now!
No proof? No worries! Just make a claim,
The husband's life won't be the same.
Domestic violence? Oh, what a game!
Only men are guilty-what a shame!
A man could be hit, thrown out in the cold,
Yet the law will say, "Sir, be bold!"
And then comes the biggest show,
Child custody? dads, just let go!

You earn, you pay, but that's your part,
A father's love? Not in the court's heart.
Atul Subhash-remember the name,
A life lost in justice's game.

If tables turned, loud would be the cry,
News would shout, the world would sigh.
So, dear lawmakers, hear this rhyme,
Fairness is due-it's long past time!
Or should we print, for all to see,
"The Holy Guide to Female Supremacy?"

❑

WHAT IS ANGER

–Saurabh Pandey
B. Pharm IInd year

Anger is a basic human emotion that is experienced by all people. Typically triggered by an emational hurt, anger is usually experienced as an unpleasant feeling that occurs when we think we have been injured, misguided, opposed in our long held views, or when we are faced with obstacles that keep us from attaining personal goals.

"For every minute you are angry you lose sixty seconds of happiness."

The experience of anger varies widely; how aften anger occurs, how intensely it is felt, and show long it lasts are different for each person. People also vary in how easily they get angry, as well as how comfortable they are with feeling angry. Some people are very aware of their anger, while other fail to recognise anger when it occurs. Some experts suggest that the average adult get angry about once a day and annoyed or peeved about three times a day. Other anger management experts suggest that getting angry fifteen times a day is more likely a realistic average.

"Anger is never without a reason, but seldom with a good one."

❑

My Teacher

–Alok Pandey
B. Pharm IInd year

My Teacher are like beautiful pearls,
They take care of all the boys and girls
They are helpful and kind
Everything they teach settle in our mind
They are never rude, they never scold.
They make us confident, they make us bold.
Oh! they are intelligent, their minds are pure.
They want our progress, about this I am sure.
They are very gentle, they are our pride,
We will never forget them, nor their advice,
They always help us.
We love our teachers.
We sing in chorus
Here comes the end of my poem with a message.
Listen to your teacher.
It will certainly pay us in the long run.

❑

माता–पिता और गुरु

–शिवानी यादव
डी. फार्मेसी

प्रथम गुरु माता बनी देत पिता भी ज्ञान,
मात–पिता–गुरु, तीनों ही होते देव समान।
गुरु की महिमा का करूँ, कितना और बखान,
गुरु के अंदर है भरा, अतुल ज्ञान की खान
गीली माटी शिष्य है, गुरु ही बने कुम्हार,
अपने गहरे ज्ञान से, देत उसे आकार।

❑

मुस्कुराहट पर हक है आपका

—साक्षी नन्द
बी फार्म (1 सेमेस्टर)

मुस्कुराइए कि पावन भूमि में जन्म लिया है आपने। आपको मुस्कुराने की वजह ढूँढने की जरूरत भी नहीं। बेवजह इन होंठों को थोड़ा फैलाइए और दर्पण में निहारिए। आपकी रोनी सूरत से यह छवि आपको खुद भली-भली सी लगेगी। आप खुद को और अच्छी लगेंगी। सच मानिए यह यौगिक प्रक्रिया आपका व्यक्तित्व बदल देगी। दुनिया को समझने का नजरिया ही बदल जाएगा। इसलिए कार्य का चाहे कितना भी भार आपके ऊपर हो अपने लिये और दूसरों के लिए अपने कार्य की शुरुआत एक प्यारी मुस्कान के साथ कीजिए और फिर देखिए कैसे सिद्ध होते हैं आपके बिगड़े हुए कार्य। सिर्फ एक मुस्कान आपके चेहरे को आकर्षक चमक प्रदान करती है, जिसे आप अंग्रेजी में फेशियल ग्लो कहती हैं। यही मुस्कान आपके अंदर ऊर्जा का संचार करती है, आपके मस्तिष्क की सभी नसों को रक्त संचार बढ़ाने में मदद करती है। आपके रोगों से लड़ने का भी एकमात्र उपाय है आपकी अनमोल मुस्कान, तो फिर देर किस बात की मुस्कुराइए और फैला दीजिए अपने होंठों को गालों तक।

मुस्कान कॉफी के प्याले से भी मीठी होती है। यह मधुमेह की नहीं, बल्कि आपके होंठों से निकलकर सामने वाले के मन को प्रसन्न करने वाली मधुर मुस्कान होगी। सोचिए, यदि किसी को आप पर बहुत गुस्सा आ रहा हो, वह आपकी बातों से खुश न हो तो आप उसको एक मुस्कान देकर समझा सकती हैं। समझने वाले को देर नहीं लगेगी कि आप समस्या को धैर्य के साथ आसान बनाने में माहिर हैं। इसी मुस्कान के द्वारा आप किसी का गुस्सा चुटकियों में काफूर कर सकती हैं। नाराजगी से दोस्ती तक पहुँचने का एकमात्र रास्ता है आपकी प्यारी और मधुर मुस्कान।

लोग अकारण ही चिंताओं से खुद को घिरा पाते हैं। ऐसे में यदि सांत्वना के लिए आप उनके चेहरे पर थोड़ी-सी मुस्कान ला दें या अपनी मुस्कान से उनका मन जीत लें तो निश्चय ही यह कारगर सिद्ध होगा। तो फिर देर किस बात की? मुस्कुराइए और बना दीजिए जीवन को और भी खूबसूरत, ताकि सब कहें, "मुस्कुराने की वजह तुम हो।" मुस्कुराइए, क्योंकि इस मुस्कुराहट पर हक है आपका।

❑

समस्याओं का बोझ और हम

—मीनाक्षी
बी-फार्म (1 सेमेस्टर)

एक प्रोफेसर कक्षा में दाखिल हुए। उनके हाथ में पानी से भरा एक गिलास था। उन्होंने उसे अपने छात्रों को दिखाते हुए उनसे पूछा, यह क्या है? छात्रों को जवाब देने में कोई कठिनाई नहीं हुई। उन्होंने उनके प्रश्न का एक साथ उत्तर दिया, गिलास।

प्रोफेसर ने दोबारा पूछा, इसका वजन कितना होगा? उत्तर मिला लगभग 100-150 ग्राम।

उन्होंने फिर पूछा, अगर मैं इसे थोड़ी देर ऐसे ही पकड़े रहूँ तो क्या होगा?

छात्रों ने जवाब दिया, कुछ नहीं। अगर मैं इसे एक घण्टे पकड़े रहूँ तो? प्रोफेसर ने दोबारा प्रश्न किया।

छात्रों ने उत्तर दिया, आपके हाथ में दर्द होने लगेगा। उन्होंने फिर प्रश्न किया, अगर मैं इसे सारा दिन पकड़े रहूँ तो क्या होगा, तब छात्रों ने कहा, आपकी नसों में

तनाव पैदा हो जाएगा। नसें संवेदन शून्य भी हो सकती हैं, जिससे आपको लकवा हो सकता है।

प्रोफेसर ने कहा बिल्कुल ठीक अब यह बताओ कि क्या इस दौरान इस गिलास के वजन में भी कोई फर्क आएगा? छात्रों का जवाब था नहीं, नहीं, कतई नहीं

तब प्रोफेसर बोले, यही नियम हमारे जीवन पर भी लागू होता है, हम किसी समस्या को थोड़े समय के लिए अपने दिमाग में रखते हैं तो कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन अगर हम देर तक उसके बारे में सोचेंगे तो वह हमारे दैनिक जीवन पर असर डालने लगेगी। हमारा काम और पारिवारिक जीवन भी प्रभावित होने लगेगा। इसलिए सुखी जीवन के लिए आवश्यक है कि समस्याओं का बोझ अपने सिर पर हमेशा नहीं लादे रखना चाहिए। समस्याएँ सोचने से नहीं हल होतीं। सोने से पहले सारे समस्यायुक्त विचारों को बाहर रख देना चाहिए। इससे आपको अच्छी नींद आएगी और आप सुबह तरोताजा रहोगे। इस प्रसंग की सीख यह है कि समस्याओं को लेकर ज्यादा परेशान नहीं होना चाहिए, क्योंकि उससे फायदे के बजाय नुकसान ही होता है। ❑

माता-पिता का महत्त्व

–लक्ष्मी चौरसिया

डी. फार्म, प्रथम वर्ष

मात-पिता के चरणों में स्वर्ग है मात पिता के चरणों में स्वर्ग है। -2

सुख का सूरज यहाँ नहीं ढलता है। जिंदगी में सुकून यहाँ मिलता है।

माँ के आँचल की ठंडी छाया है, पिता के प्यार का सर पे साया है ॥

थामकर हाथ चलना सिखाया हमें, प्यार की थपकियों से सुलाया हमें।

आशा मात-पिता की चुकाना है, इनका हम पर जो कर्ज हैं।

माँ-पिता सा नहीं कोई इनकी दूजा है, सेवा करें, इनकी यही पूजा है

ये घर मंदिर है, यहाँ हम रहते हैं, अपना भगवान् हम इनको कहते हैं।

चोट हमको लगे दर्द सहते हैं ये, फिर छिपा कर दर्द उफ न कहते हैं ये॥

❑❑

पापा हैं कुछ नहीं कहते हैं

–Jannatul Salmani

B. Pharm Ist year

मैं उन्हें Thank you नहीं बोलती न ही वो मुझे Sorry बोलते हैं पापा हैं तड़ी में ही रहते हैं।

पापा मैं उन्हें 4 दिन में एक बार Call करती हूँ वो भी ज्यादा नहीं कहते हैं पापा हैं चुप ही रहते हैं ॥

Mummy से होकर बात उन तक पहुँचती है
जानते सब हैं पर जाहिर नहीं करते हैं,
पापा हैं सब देखते रहते हैं ॥

स्कूल हमेशा Mummy आती हैं वो हमेशा duty पर होते हैं
पापा है घर की सोच में रहते हैं ॥

मैं चाहे अपनी Salary उड़ा लूँ वो अपनी Savings मेरे लिये रखते हैं,
पापा हैं न जाने ऐसा क्यूँ करते हैं।

मैं कुछ Gift करूँ तो ठीक है। कहते हैं, लेकिन अपने लिए कुछ नहीं लेते हैं,
पापा हैं ऐसे ही रहते हैं॥

मैं उन्हें A Love you papa नहीं कहती वो भी Love you to beta नहीं कहते, पापा है कुछ न भी कहें, लेकिन प्यार उतना ही करते है॥

मुझे रख दिया छांव में खुद जलते रहे धूप में,
मैंने देखा है एक फरिश्ते को अपने पिता के रूप में ॥

❑

पिता

–Abhishek Pandey
B. Pharm 6th Sem.

पिता एक उम्मीद है, एक आस है।
परिवार की हिम्मत और विश्वास है।
बाहर से सख्त अंदर से नर्म है।
उसके दिल में दफन कई मर्म हैं।
पिता संघर्ष की आंधियों में हौसलों की दीवार है।
परेशानियों से लड़ने की दो धारी तलवार है।
बचपन में खुश करने वाला खिलौना है।
नींद लगे तो पेट पर सुलाने वाला बिछौना है।
सपनों को पूरा करने में लगने वाली जान है।
इसी से तो माँ और बच्चों की पहचान है।

❑

नारी शक्ति

–Abha singh
B. Pharm 1st year (1st semester)

जले जहाँ मासूम जवानी, घर नहीं वह शमशान है।
दहेज के खातिर घर घर होता, नारी का अपमान है।
निर्धन की बेटी को मिलता, क्यों जीने का अधिकार नहीं ?
न्याय के ठेकेदारों बोलो, क्या यह अत्याचार नहीं ?
नारी हमेशा दर्द सहे, यह सीधेपन का अंजाम है।
जले जहाँ मासूम जवानी, घर नहीं वह शमशान है।
नई नवेली दुल्हन लाकर जीवन का बीमा करवाते,
आग लगाकर घर के अंदर जिंदा ही बहू को जलाते हो।
घोर यातनाएँ सहे वह, न जाने क्या क्या दर्द उठाए।
नर्म बदन पर गर्म सलाखें, कम दहेज की मिलती सजाएँ।
मजहब के ठेकेदारों की, क्यों बंद रहती आवाज है।
जले जहाँ मासूम जवानी घर नहीं वह शमशान है।
दया-धर्म के सौदागर बनते, और कहते हैं खुद को दानी।
हवन कर पानी पीते थे जो, अब वो पीते हैं लहू इंसानी।
उजड़ते आज लाखों घराने, उनकी है सब मेहरबानी।
सब्जी से भी सस्ती बिकती, दहेज के कारण आज जवानी।
दहेज न संग लाने वाली बहू, बस दो दिन की मेहमान है।
जले जहाँ मासूम जवानी घर नहीं वह शमशान है।।

❑❑

अनमोल विचार

–परतोष शर्मा
डी. फार्म प्रथम वर्ष

1. अज्ञान को खतम कर,
   ज्ञान का सागर पाया
   अपने भवदीय कालेज की
   कृपा से, ये अनमोल विचार मिल पाया।
2. आदतें अलग हैं हमारी दुनिया वालों से,
   कम दोस्त रखते हैं, मगर लाजवाब रहते हैं।
   क्योंकि
   "बेशक हमारी माला छोटी है पर फूल,
   उसमें सारे गुलाब रखते हैं।"
3. तुम्हारा मंजिल तुम्हारा हौसला आजमायेगी,
   तुम्हारे सपनों को तुम्हारी आंखों से हटायेगी।
   कभी पीछे मुड़कर न देखना ए दोस्त,
   रास्ते की ठोकर ही तुम्हें चलना सिखायेगी।
4. सोचा है तो पूरा होगा, बस शुरू कहीं से करना होगा।
   तुझे दुनिया से बाद में पहले खुद से लड़ना होगा।
5. कोई भी लक्ष्य मनुष्य के साहस से बड़ा नहीं,
   हारा वही है जो कभी लड़ा नहीं।
   "जो कभी संघर्ष से परिचित नहीं होता,
   इतिहास गवाह है वो कभी चर्चित नहीं होता।"

❑

Pharmacist

–Shivangi Verma
B. Pharm 1st year

तुम इक कड़वे काढ़े को,
लजीज सिरप बनाते हो,
जड़ी के पाउडर को तुम,
टेबलेट का रूप दिलाते हो,
डॉक्टर को तुम उसके,
हथियारों से लैस कराते हो,
नाम किसी का होता है,
तुम पर्दे पीछे मुस्काते हो,

काम तुम्हारे ऊँचे हैं,
पर वो सम्मान नहीं मिल पाता है,
सर दर्द कैंसर तक,
सब दवाएँ pharmacist बनाता है,
इंसान की बेहतर सेहत में,
तुम अपना हाथ बटाते हो,
नित मेहनत करते हो,
गुमनामी में नाम कमाते हो॥

❑

कॉलेज की यादें

–समीक्षा पाल
बी. फार्म द्वितीयवर्ष

कॉलेज के दिन, यादें अनगिनत हैं,
दोस्तों के साथ, जिंदगी की शुरुआत है
क्लासरूम में पढ़ाई, कैन्टीन में मजाक
जिंदगी के सबसे अच्छे पल हैं
दोस्तों के साथ, लंबी बातचीत
जिंदगी की सबसे अच्छी यादें हैं
प्रोफेसरों की बातें, किताबों की दुनिया
जिंदगी की सबसे अच्छी शिक्षा है
कालेज के दिन, जिंदगी की शुरुआत है।
यादें जो कभी नहीं भूलती।
कॉलेज की दीवारें, शिक्षा का मंदिर हैं
जहाँ ज्ञान की बातें, और सपनों का संसार है
कॉलेज की यादें, सदा याद रहेंगी
दोस्तों के साथ, खुशियों के पल, सदा याद रहेंगे।

❑

गरीबों की आह

—VIVEK TIWARI
M. PHARM I YEAR

अमीरी रोशनी आँखों की ऐसे छीन लेती है।।
बहुत कुछ पाने की कोशिश बहुत कुछ छीन लेती है।।
करो ना बात दुनिया की ये दुनिया है फरेबों की।।
कलेजे से लगाकर के कलेजा छीन लेती है।।
जहाँ पर नफ़रतों की बात रहती हो जुबाँ सबके ।।
वहाँ रंजिश दिलों से प्रेम अक्सर छीन लेती है।।
किनारे की जमीं का ये हुनर तो देखिए कैसे।।
समंदर के गले लग कर चुरा नमकीन लेती है।।
जमाने की चमकती रौशनी में यूँ न उलझो तुम।।
जमाने की चमक अक्सर नजर को छीन लेती है।।
सताओ मत गरीबों को, गरीबों की गरीबी को ।।
गरीबों के हृदय की आह बरकत छीन लेती है।।

❑

नौकरी

–Manoj Verma
D. Pharm 1st year

बड़ी हसीन होगी तू ऐ नौकरी
सारे युवा आज तुझपे ही मरते हैं
सुख-चैन खोकर,चटाई पर सोकर

सारी रात जागकर पन्ने पलटते हैं
दिन में तहरी और रात को मैगी
आधे पेट ही खाकर तेरा नाम जपते है
सारे युवा आज तुझपे ही मरते हैं
अंजान शहर में छोटा सस्ता रूम लेकर,
किचन बेडरूम सब उसी में सहेज कर चाहत में
तेरी अपने माँ-बाप और
दोस्तों से दूर रहते हैं
सारे युवा आज तुझपे ही मरते हैं
राशन की गठरी सिर पे उठाये
अपनी मायूसी और मजबूरियाँ खुद ही छुपाये,
खचाखच भरी ट्रेन में बिना
टिकट के रिस्क लेके आज सफर करते हैं
सारे युवा आज तुझपे ही मरते हैं
इण्टरनेट, अखबारों में तुझको तलाशते हैं,
तेरे लिए पत्र-पत्रिकाएँ
पढ़ते-पढ़ते बत्तीस साल तक के
जवान कुंवारे फिरते हैं
तू कितनी हसीन है ऐ नौकरी
सारे युवा आज तुझपे ही मरते हैं

❑❑

प्रेम मंदिर

—संजय कुमार
डी. फार्म प्रथम वर्ष

विश्वास तू कर मुझपे तुझे जीत दिलाऊँगा
तेरे एक कदम पर मैं सौ कदम बढ़ाऊँगा

सुख दु:ख तो जीवन मणि आएंगे जाएंगे
कभी तुझे हँसाएँगे कभी तुझे रुलायेंगे
तू चिंतन कर मेरा मैं चिंता मिटाऊँगा
तेरे एक कदम पर मैं सौ कदम बढ़ाऊँगा

दुनिया क्या कहती है इससे तू ना डरना
बस नेक नियत से तू हर एक करम करना
तू प्रेम बढ़ा मुझसे मैं प्रेम लुटाऊँगा
तेरे एक कदम पर मैं सौ कदम बढ़ाऊँगा

तू सौंप दे सब मुझको इतना-सा कहना
मान मेरी राह पे चलता चल हो जायेगा
कल्याण भजनों से कर मोहित अनमोल बनाऊँगा
तेरे एक कदम पर मैं सौ कदम बढ़ाऊँगा।

❑

जीवन का सफर

—Adarsh Verma
B.Pharm 3 year (V sem)

चलो सफर पर चलते हैं,
जहाँ रोशनी के दीप जलते हैं।
कुछ हँसी के नगमे होंगे,
कुछ आँसू भी साथ पलते हैं।
राह कठिन है, मगर चलना होगा,
हर मोड़ पर कुछ बदलना होगा।
कभी धूप होगी, कभी छाँव मिलेगी,
कभी खुशियों की, कभी घाव मिलेगी।
जो गिर गया, वो फिर उठेगा,
सपनों का सूरज फिर चमकेगा।
हौसलों की उड़ान जरूरी है,
हर मुश्किल में मुस्कान जरूरी है।
चलो सफर पर चलते हैं,
जहाँ रोशनी के दीप जलते हैं।

❑

हमारे जीवन में किताबों का महत्त्व

—सुधीर वर्मा
विभागाध्यक्ष, शिक्षण-प्रशिक्षण संकाय

किताबें ज्ञान से भरी होती हैं, वे आपको जीवन की सीख देती हैं तथा कठिनाइयों प्रेम, भय और हर छोटी-छोटी चीज के बारे में सिखाती हैं जो जीवन का हिस्सा है। किताबें यहाँ सदियों से मौजूद हैं और इनमें हमारे अतीत एवं सभ्यताओं तथा संस्कृतियों का ज्ञान होता है। पुस्तक पढ़ने का महत्त्व उन तरीकों से प्रतिबिम्बित हो सकता है जिनसे यह हमारे आत्म-विकास और समग्र विकास को पूरा करता है।

किताबें आपकी सबसे अच्छी दोस्त हैं— हमारे जीवन में पुस्तक पढ़ने के महत्त्व को दर्शाने वाला एक बड़ा कारण यह है कि किताबें हमारे सबसे अच्छे दोस्त के रूप में कार्य करती हैं। एक अच्छे दोस्त के साथ बिना हम अपने जीवन की कल्पना नहीं कर सकते इसी तरह एक किताब एक सबसे अच्छे दोस्त की तरह है। हम किताबों से बहुत कुछ सीख सकते हैं और वह हमारी असफलताओं पर काबू पाने के साथ-साथ हमारे दिमाग को आकार देने में भी मदद कर सकती है।

किताबें आपकी कल्पना को रोशन करती हैं— किताबें सबसे रचनात्मक कला के रूपों में से एक हैं। हमारे द्वारा पढ़ी गई प्रत्येक पुस्तक हमें कई अद्‌भुत पात्रों से भी एक अलग दुनिया में स्थानान्तरित करने की शक्ति रखती है। एक अच्छी काल्पनिक किताब पढ़ने से आपकी कल्पना और रचनात्मकता का अनुकरण होगा। किसी के क्षितिज का विस्तार करने में मदद करने की क्षमता निश्चित रूप से पुस्तक पढ़ने के महत्त्व का एक उदाहरण है।

किताबें आस-पास की दुनिया को परिप्रेक्ष्य देती हैं— एक अच्छी किताब हमारे सोचने, बात करने और चीजों का विश्लेषण करने के तरीके को बदलने की शक्ति रखती है। आज उपन्यास, ड्रामा आदि कई शैलियों में अनगिनत किताबें लिखी गई हैं, हर किताबें अपने अनूठे परिप्रेक्ष के साथ आती हैं। यदि आप एक शौकीन पाठक हैं तो आपको अपना दृष्टिकोण बनाने में मदद मिलेगी। पढ़ने से हमें विभिन्न परिवेशों का विश्लेषण करने का लाभ मिलता है जो हमारे दिमाग को चौकन्ना रहने के लिए प्रेरित करता है। किताब दिमाग की उपस्थिति और अवलोकन कौशल को विकसित करने में मदद करती है।

किताबें आत्मविश्वास पैदा करती हैं— हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करती हैं। जब हम कोई किताब पढ़ते हैं तो हमें विभिन्न पात्रों के संघर्षों और कठिनाइयों के बारे में जानने को मिलता है। इसके अलावा एक अच्छी तरह से पढ़े-लिखे व्यक्ति को हमेशा विभिन्न विषयों के बारे में अधिक जानकारी होगी।

किताबें मानसिक और भावनात्मक रूप से बढ़ने में मदद करती हैं— हमारे जीवन में किताबें पढ़ने से कई तरह से मानसिक और शारीरिक लाभ मिलते हैं पढ़ने से आपकी शब्दावली और संचार कौशल का विस्तार हो सकता है जिससे आपको लोगों के साथ बेहतर बात-चीत करने में मदद मिल सकती है। किताबें पढ़ना आपको सहानुभूतिपूर्ण बनाता है, क्योंकि जब आप काल्पनिक पात्रों के साथ जुड़ते हैं और उनकी स्थितियों

को समझते हैं, तो यह लोगों के साथ सहानुभूति रखने की आपकी क्षमता पर गहरा प्रभाव छोड़ता है।

किताबों से सीखने लायक जीवन के सबक— हमारे जीवन में पुस्तकों का महत्त्व उस ज्ञान तक सीमित नहीं है जो वह हमें प्रदान करती है। किताबें हमारे व्यक्तित्व में भी बदलाव लाती हैं और हमें बेहतर व्यक्तित्व के रूप में विकसित करती हैं और हमें जीवन भर याद रखने की सीख देती हैं। उनमें से निम्न हैं—

खुद पर भरोसा
अपने बारे में बेहतर समझ
भावनात्मक रूप से मजबूत और अभिव्यंजक
मानसिक दृश्य
पहचान की भावना
हमेशा जिज्ञासु बने रहना।

❑

बाल मनोविज्ञान और शिक्षण

—सुनीता वर्मा
प्रवक्ता, बी. एड्./डी. एल. एड्.

बाल मनोविज्ञान शिक्षा का अभिन्न अंग है, जो बच्चों की मानसिकता, उनके व्यवहार और सीखने की प्रक्रिया को समझने पर केन्द्रित है। एक सफल शिक्षक के लिए बाल मनोविज्ञान की समझ आवश्यक है, क्योंकि यह बच्चों की उम्र, उनकी क्षमताओं और उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षण रणनीतियाँ विकसित करने में सहायता करता है।

बाल मनोविज्ञान का अध्ययन यह दर्शाता है कि प्रत्येक बच्चा अद्वितीय है, और उनकी सीखने की गति और शैली अलग-अलग होती है। एक ही कक्षा में विभिन्न पृष्ठभूमि, बुद्धिमता और अभिरुचियों वाले छात्र होते हैं। ऐसे में शिक्षक का कार्य केवल विषयवस्तु को पढ़ाना नहीं, बल्कि प्रत्येक छात्र की जरूरतों को समझकर उन्हें उचित मार्गदर्शन देना भी है।

बाल मनोविज्ञान के क्षेत्र में कई सिद्धान्तकारों ने योगदान दिया है। जीन पियाजे का मानना था कि बच्चे अपनी उम्र के अनुसार अलग-अलग संज्ञानात्मक अवस्थाओं से गुजरते हैं, तो वह कक्षा में एक सकारात्मक वातावरण बना सकता है। उदाहरण के लिए, छोटे बच्चों के लिए खेल-आधारित शिक्षण प्रभावी होता है, जबकि बड़े बच्चों के लिए समस्या-आधारित शिक्षण उपयुक्त होता है। शिक्षक को यह भी समझना होता है कि बच्चों में जिज्ञासा स्वाभाविक होती है, और इसे प्रोत्साहित करने से उनका सीखने का अनुभव बेहतर हो सकता है।

व्यावहारिक उदाहरण और शिक्षण विधियाँ— मान लें, कुछ बच्चे हमेशा प्रश्न पूछते हैं, जबकि कुछ शांत रहते हैं। शिक्षक बाल मनोविज्ञान के ज्ञान से समझ सकता है कि जो बच्चे प्रश्न पूछ रहे हैं, वे जिज्ञासु और आत्मविश्वासी हैं, जबकि शांत बच्चे या तो संकोची हो सकते हैं या उनके मन में कुछ भय हो सकता है। ऐसे में शिक्षक दोनों प्रकार के छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए समूह चर्चाएँ, कहानी कहने की विधि और दृश्य-श्रव्य सामग्री का उपयोग कर सकता है।

बाल मनोविज्ञान और शिक्षण एक दूसरे के पूरक हैं। एक अच्छा शिक्षक वही होता है जो बाल मनोविज्ञान

को समझकर अपनी शिक्षण शैली को बच्चों की जरूरतों के अनुसार ढालता है। यह न केवल बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन को सुधारता है, बल्कि उनके आत्म-विश्वास, रचनात्मकता और जीवन कौशल को भी विकसित करता है। भविष्य में शिक्षा-प्रणाली में बाल मनोविज्ञान को और अधिक महत्त्व देकर हम छात्रों के समग्र विकास की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं। ❑

सामाजिक परिवर्तन

—अनूप कुमार सिंह
प्रवक्ता, शिक्षा संकाय

मानव का जीवन एवं उसकी परिस्थितियाँ सदैव एक-सी नहीं रहती हैं, अपितु उनके विचार आदर्श, मूल्य एवं भावना में किसी-न-किसी प्रकार का परिवर्तन अवश्य होता रहता है। जब मानव अपने को परिवर्तित करता है तो समाज की एक इकाई होने के कारण समाज में भी परिवर्तन कर देता है।

परिवर्तन प्रकृति का नियम है। आज के दौर में वैज्ञानिक आविष्कारों के कारण आधुनिक समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है।

सामाजिक परिवर्तन को प्रभावित करने वाले कारक— सामाजिक परिवर्तन को प्रभावित करने वाले मुख्य रूप से दो कारक हैं—

1. **वाह्य कारक**— वाह्य कारक ऐसे कारक हैं जिनका मनुष्य के हाथों में कोई नियंत्रण नहीं है। जैसे प्राकृतिक एवं जैविक कारक।

2. **आंतरिक कारक**— आंतरिक कारक मनुष्य के नियंत्रण में रहते हैं जिनका बाध्यता मूलक प्रभाव उनके सामाजिक सम्बन्धों पर पड़ता है, जैसे— औद्योगिकीय एवं सांस्कृतिक कारक।

सामाजिक परिवर्तन के प्रमुख कारकों की विशेषताएँ

1. **भौतिक या प्राकृतिक कारक**— जैसे-जैसे सभ्यता का विकास होता जा रहा है वैसे-वैसे प्राकृतिक स्रोतों पर निर्भरता बढ़ती जा रही है। आज मनुष्य ने नदियों पर पुलों का निर्माण करना, पहाड़ों के बीच से रास्ता बनाना, सुरंगों का निर्माण करना, पथरीली एवं रेगिस्तानी जगहों को कृषि योग्य बनाना, जंगलों को काटकर इमारती लकड़ी के रूप में प्रयोग करना शुरू कर दिया है, जिसके कारण जलवायु परिवर्तन, बाढ़, भूकम्प आदि प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बढ़ गया है।

2. **जैविक कारक**— सामाजिक सम्बन्ध मनुष्यों पर आश्रित होते हैं। इसलिए जनसंख्या में वृद्धि अथवा कमी सामाजिक परिवर्तन को प्रभावित करती है। यदि किसी समाज की जनसंख्या एकाएक बढ़ जाती है तो उस समाज को विभिन्न सामाजिक समस्याओं जैसे— भोजन, रहन-सहन, मकान, कपड़े आदि का सामना करना पड़ता है। प्रति व्यक्ति आय घट जाती है। ऐसा राष्ट्र गरीब तथा पिछड़ा हुआ समझा जाता है।

3. **प्रौद्योगिकीय कारक**— वर्तमान युग मशीनों का युग है। मशीनों के अत्यधिक प्रयोग के कारण सामाजिक सम्बन्ध परिवर्तित हो रहे हैं। आज प्रौद्योगिकी के कारण रीति-रिवाजों, सामाजिक मूल्यों, आर्थिक-धार्मिक परिवर्तन चारों ओर देखा जा सकता है।

4. **सांस्कृतिक कारक**— संस्कृति का सम्बन्ध जीवन की सम्पूर्ण गतिविधि से होता है। इसके अन्तर्गत भाषा, साहित्य, धर्म, सुख-सुविधा की वस्तुएँ आदि सभी चीजें जो मानव समाज से सम्बन्ध रखती हैं आती

हैं। यदि इन तत्त्वों में परिवर्तन हुआ तो सामाजिक सम्बन्धों मे परिवर्तन अनिवार्य हो जाता है।

5. पश्चिमीकरण— भारतीय समाज के ऊपर पश्चिमी समाजों का व्यापक प्रभाव पड़ा है। अंग्रेजों से जब भारतीयों का सम्पर्क हुआ तो भारतीयों ने अपनी चाल-ढ़ाल, पोशाक, बोली, रहन-सहन आदि का परिवर्तन अंग्रेजों के हिसाब से कर लिया। पश्चिमीकरण के कारण जातिगत दूरी तथा भेदभाव को काफी हद तक कम किया जा सका है तथा मानवतावाद, समानता तथा धर्मनिरपेक्षता की भावना को बढ़ाने में मदद् मिली है।

6. जनतंत्रीकरण— भारत में तीव्र सामाजिक परिवर्तन का एक और कारण जनतंत्रीकरण का विकास होना भी है। समाज में पिछड़े लोगों विशेषकर अस्पृश्यों की समस्या का समाधान बहुत अंशों में इस प्रक्रिया द्वारा सम्भव हो सका है।

7. नगरीकरण— आधुनिक सुख सुविधाओं तथा यातायात एवं आवागमन की सुविधा के कारण गाँव का व्यक्ति रोज के छोटे-मोटे कार्यों के लिए नगर जाता है तथा वहाँ की चमक-दमक से इतना अधिक प्रभावित होता है कि वह ग्रामीण जीवन में उन्हीं के अनुरूप व्यवहार करना शुरू कर देता है।

❑

LICHEN

–Shiv Prasad Verma
Lecturer, B.Ed/D.El.Ed

Lichens are a complex life form that is a symbiotic partnership of two separate organisms, a fungus and an alga. The dominant partner is the fungus, which gives the lichen the majority of its characteristics, from its thallus shape to its fruiting bodies.

Lichens are actually a symbiotic relationship between two different organisms – fungus and algae!

While lichens may not look like much, they are actually very important to the environment and provide food for a variety of animals. Lichens are also used in traditional medicines to this day.

To give you an idea of the types of lichens that can be found around the world, we've put together a list of 22 different types of lichens and learn about their unique characteristics and where they're found.

1. Usnea (Old Man's Beard)— Usnea, also known as an (old man's beard), is a type of fructose lichen that can be found growing on tree branches. It gets its name from its long, string-like appearance similar to an old man's beard, and is found growing throughout the United Kingdom and grows all year round.

Color— The upper surface is dark-yellowish-green to grey-green, and it has a black base.

Habitat— Can be found growing and hanging off the branches of trees.

Characteristics— It has a large bushy-like appearance with white ovals that are smooth in texture and can grow up to 10 cm long.

2. Ramalina fastigiate (cartilage lichen)— Ramalina fastigiate (cartilage lichen) is a type of fructose lichen from the family Ramalinaceae. It's commonly found growing in well-light woodland areas in Asia, Europe, and North America.

It's easily identified by its flat, strap-like disc structure that has irregularly grey flattened stems 2-5 cm in height which turn green when wet.

Color— It is grey-green when it's dry and when wet, it appears green.

Habitat— Can be found growing on tree trunks and branches.

Characteristics— It's slightly flattened with cylindrical discs that branch out up to 5cm long, and 3-8mm wide that appear pale to dark grey to green.

4. Candelariella Reflexa (egg yolk lichen)— Candelariella Reflexa **(egg yolk lichen)** is a type of lichen that prefers shaded areas with nutrient-rich woody surfaces. This one can be identified by its mustard yellow and green appearance which is made up of numerous small, round granules. This lichen does well in cold climates and can be found growing in Ireland and is very common in the United Kingdom.

Color— Bright yellow and green granules.

Habitat—Can be found on logs and trees that are nutrient-rich and shaded from the sunlight.

Characteristics— Small tufts or patches that can reach anywhere from 1 to 2 cm in diameter.

Importance of Lichens

1. Lichens hold a great economic importance and are essential for the environment in several ways.
2. Some species of lichens are regarded with the conversion of rocks into the soil, helps in the formation of soil, improving the quality of the soil and also by enriching the soil required for the plants' growth.
3. Lichens also plays an important role in the nitrogen cycle by fixing nitrogen from the atmosphere.

Nitrogen Cycle

4. Lichens serve as an important source of food for humans across the world. The Iceland moss is an important source of food in certain parts of both Northern Europe and American continents.
5. Based on the size of these lichens, Pathologists and Geologists are able to study and find the age and other features of rocks and their surfaces.
6. Since ancient times, these species are well known for their various coloring agents and dyes. They are a good source of natural dyes. The litmus test, pH indicator and other dyes used in laboratories are extracted from different species of lichens.
7. Lichens also serve as a Biodegradation, by the degradation of polyester, lead, copper, radionuclides and other pollutants, polluting the planet earth.

Biodegradable and Non-Biodegradable Substances

8. Apart from the pharmaceutical industries, lichens are widely used by various cosmetic industries and are also a natural medicine for various types of skin diseases and rashes.
9. Some species of lichens are used for degradation of pathogens and other environmental reservoirs, which causes certain dreadful infectious diseases both in plants, animals and also in humans.

Infectious diseases

10. They are also a great source of food for many aquatic organisms and are widely used as anti-infective agents in pharmaceutical industries to produce antibiotics, anti-mycobacterial, antiviral, anti-inflammatory products.

❑

घर के आँगन का महत्त्व

—ममता सिंह
प्रवक्ता, बीएड्/डीएलएड् संकाय

पहले के समय में घरों के चारों तरफ मकान होते थे और बीच में खुली जगह होती थी, जिसे आँगन कहा जाता था। धीरे-धीरे गाँवों के घर भी आँगन विहीन हो रहे हैं। मुझे याद है कि पहले घर छोटे हों या बड़े, कच्चे हों या पक्के आँगन सब में होता था। स्त्रियाँ आँगन की मालकिन होती थीं, उनकी अनुमति से ही कोई बाह्य व्यक्ति वहाँ आ पाता था। महिलाएँ शुभता की जीवित मूर्ति हैं, इसलिए मांगलिक कार्य का प्रथम साक्षी आँगन हुआ करता था। आँगन में गड़े हरे बाँस घर में शुभ होने के प्रतीक होते थे।

नौरातर में आँगन से पुकार होती थी—

"देवी मोरे अंगना में आई,
निहुरि के पैयां लागूँ।।"

गृहस्थ माता को आँगन में बुलाने की अरज किया जाता है—

"अंगना पधारो महारानी
मैया शारदा भवानी।।"

इसी आँगन में एक नन्हीं मुनिया छोटे-छोटे पैर में पायल छुन-छुन कर घूमती है। इसी आँगन में सोहर उठता है जब त्रिलोकीनाथ अवतार लेते हैं,

"राजा दशरथ के जनमें होरिलवा
अंगनवा उठे सोहर हो.....।"

रामचन्द्र यहीं ठुमक कर चलते होंगे इसी आँगन में तुलसी के नीचे दिया-बाती करके अम्मा सारे घर को शुभ बनाती थीं—

"दे तुलसी मैया वरदान इतना,
हरा-भरा रहे मोरा घर अंगना।।"

इसी आँगन में होली के रंग सबसे पहले छपते थे, यहीं पर दीपावली का दिया सबसे पहले उजियार करता था।

इसी आँगन से बेटियाँ विदा होती थीं, बहुओं की मुँह दिखाई होती थी। इसी आँगन में रात में चारपाई पर लेटकर आसमान के तारों को देखकर हम सब गुनगुनाते थे—

झिलमिल सितारों का आँगन होगा,
रिमझिम बरसता सावन होगा।

आँगन में पड़े झूले सावन बुलाते थे, आँगन में झाँकते चन्द्रमा बच्चों के दूध-भात लाते थे। दादी के किस्से बालक वृंद के साथ आँगन भी सुनता था। भइया को राखी बाँधना हो, कथा के लिए केले के पत्ते गाड़ना हो, सब काज आँगन में ही होते थे। आँगन की दीवारों पर जोन्हरी से लेकर बजड़ी, बेर्रा टांगने से लेकर गेरू से अल्पनाओं की रचने का काम बखूबी होता था।

जब विकसित दुनिया में रहने के लिए जगह कम पड़ने लगी है, मेरा मन अविकसित दुनिया के आँगन में विचरण करता है। जब दो कमरे के बन्द जीवन में देह बिना ए.सी. के जीवित रहने से इन्कार करने लगती है तो रात में आँगन में बिछी खटिया का सेहलावन याद आता है जब चन्द्रमा अंजुरी भर-भर अमृत उड़ेलता था।

जीने के सारे साज-बाज खरीद लिये गये हैं, पर उस नींद का क्या जो आँगन के खत्म होने के साथ चली गई। अधूरे ख्वाब टहलते हैं अभी भी, घर के आँगन में जब सिरहाने नींद का झोंका खड़ा-सा रहता था।

❑

Society and English

–Surya Nath Singh
Lecturer, Education and Training Faculty

English serves as a catalyst for social mobility, economic- preshirty and global connectivity in India. As Indian embrace English as a global- language. They gain access to a world of opportunity, cross-culture experience and knowledge exchange.

English is an important language because it is a global language that enables communication language of international-business, sciences- technology and diplomacy. it's importance's are following-

Global- communication- English is the most widely spoken 2nd language that connects people from different cultures. Career opportunity- English proficiency can help us stand out in various jobs market and be considered for promotions and international assignment.

Educational access- English opens door to higher education and earning-resources also.

International Level English becomes a world language because people in other countries give a special credence to English, even they do not speak it as a first language. Special status given to English by other countries can be in the foreign of using English as a second language (ESL) and English as a foreign language (EFL).

The English language is no body's special property it is the property of the imagination. It is the property of language it self.

❑

गणित की भूमिका

–राजू वर्मा
प्रवक्ता, शिक्षण–प्रशिक्षण संकाय

बहुत पुरातन काल से ही विषयों में गणित सर्वाधिक उपयोगी रहा है। 'मैथेमेटिक्स' शब्द की उत्पति यूनानी शब्द 'मैथेमेटा' से हुई है जिसका अर्थ है वस्तुएँ (विषय) जिनका अध्ययन किया जाता है। बीसवीं शताब्दी के प्रख्यात ब्रिटिश गणितज्ञ और दार्शनिक बरट्रेंड रसेल के अनुसार, "गणित को एक ऐसे विषय के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें हम जानते ही नहीं कि हम क्या कह रहे हैं, न ही हमें यह पता होता है कि जो हम कह रहे हैं वह सत्य भी है या नहीं।" यह परिभाषा वास्तविक जगत् के बारे में कोई भी जानकारी नहीं दे पाती है, पर हमें यह जरूर बताती है कि एक वस्तु (तथ्य) के बाद दूसरी वस्तु के आने का एक निश्चित क्रम होता है। ज्ञान के किसी क्षेत्र विशेष में इस कथन का उपयोग अजीब या अटपटा लग सकता है, मगर यूनानी लोग गणित को न केवल संख्याओं और दिक् (स्पेस) का बल्कि खगोल विज्ञान और संगीत का भी अध्ययन मानते थे। बेशक अब हम खगोल विज्ञान और संगीत को गणित के विषय नहीं मानते, मगर फिर भी गणित का दायरा आज पहले से भी कहीं अधिक विस्तृत हुआ है।

❖❖❖

गणित की उत्पत्ति कैसे हुई, यह आज इतिहास के पन्नों में ही विस्मृत है। मगर हमें मालूम है कि आज से 4000 वर्ष पहले बेबीलोन तथा मिस्र सभ्यताएँ गणित का इस्तेमाल पंचांग (कैलेंडर) बनाने के लिए किया करती थीं, जिससे उन्हें पूर्व जानकारी रहती थी कि कब फसल की बुआई की जानी चाहिए या कब नील नदी में बाढ़ आएगी या फिर इसका प्रयोग वे वर्ग समीकरणों को हल करने के लिए किया करती थीं। उन्हें तो उस प्रमेय (थ्योरम) तक के बारे में जानकारी थी जिसका कि गलत श्रेय पाइथागोरस को दिया जाता है। उनकी संस्कृतियाँ कृषि पर आधारित थीं और उन्हें सितारों और यहाँ के पथ के शुद्ध आलेखन और सर्वेक्षण के लिए सही तरीकों के ज्ञान की जरूरत थी। अंकगणित का प्रयोग व्यापार में रुपयों-पैसों और वस्तुओं के विनिमय या हिसाब-किताब रखने के लिए किया जाता था। ज्यामिति का इस्तेमाल खेतों के चारों तरफ की सीमाओं के निर्धारण तथा पिरामिड जैसे स्मारकों के निर्माण में होता था।

❑

डिजिटल इंडिया

—विशाल विश्वकर्मा
कार्यालय सहायक
बी.एड्./डी.एल.एड्. संकाय

डिजिटल इंडिया एक महत्त्वपूर्ण पहल है जिसे भारत सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च गति इंटरनेट नेटवर्क प्रदान करने के लिए शुरू किया था। इस मिशन का शुभारंभ 1 जुलाई 2015 को दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में लॉन्च किया गया था। केंद्रीय कैबिनेट ने 16 अगस्त को डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के विस्तार को मंजूरी दी। इसके लिए 14,903 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है, जो वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक पाँच साल के लिए वितरित किया जाएगा। इस विस्तार के तहत पहले से चल रहे कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा और नई पहल भी शुरू की जाएगी। इस कार्यक्रम के लॉन्च के समय प्रमुख उद्योगपतियों जैसे— साइरस मिस्त्री, मुकेश अंबानी और अजीम प्रेमजी ने इस डिजिटल क्रांति को भारतीय शहरों और गांवों में लागू करने की योजना पर चर्चा की थी और यह मेक इन इंडिया, भारतमाला, सागरमाला, स्टार्टअप इंडिया, भारतनेट और स्टैंडअप इंडिया जैसी अन्य सरकारी योजनाओं के साथ एकजुट होकर देश के विकास को गति दे रहा है। डिजिटल इंडिया के माध्यम से सरकारी सेवाओं तक आसान और त्वरित पहुँच सुनिश्चित की जा रही है। इस पहल के प्रभाव और महत्त्व को समझना छात्रों के लिए जरूरी है ताकि वे डिजिटल इंडिया के लाभ और इसके समाज पर होने वाले सकारात्मक प्रभावों को जान सकें। डिजिटल इंडिया का उद्देश्य देश की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी से एक देश का समग्र विकास संभव नहीं हो सकता, लेकिन इसके लिए बुनियादी डिजिटल अवसंरचना बेहद महत्त्वपूर्ण है। 21वीं सदी में डिजिटल परिवर्तन भारत के लिए नई संभावनाओं और विकास के रास्ते खोलने का जरिया है, जो देश के समग्र समृद्धि में योगदान करेगा। डिजिटल इंडिया का अभियान आज न केवल प्रौद्योगिकी की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है, बल्कि यह देश को आत्मनिर्भर और डिजिटल दृष्टिकोण से सशक्त बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

देशभर में ऑनलाइन बुनियादी ढांचे को मजबूत करके नागरिकों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से सरकारी सेवाएँ आसानी से उपलब्ध कराना है। भारत, 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में बढ़ रहा है और डिजिटल अर्थव्यवस्था की मजबूती इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अहम है। आज के समय में डिजिटल अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना, किसी भी राष्ट्र के लिए प्राथमिकता का विषय बन चुका है, और यही भारत के समग्र विकास की दिशा है। डिजिटल इंडिया का महत्त्व इस बात से भी बढ़ जाता है कि यह देश को तकनीकी दृष्टिकोण से मजबूत बनाता है और दुनिया के विकासशील देशों में अग्रणी स्थान दिलाने का प्रयास करता है।

❑

मानव जीवन में शिक्षा की उपयोगिता

—अरुण कुमार मौर्य

प्रवक्ता, शिक्षण-प्रशिक्षण संकाय

आधुनिक मानव के सभ्य तथा सुसंस्कृत जीवन का रहस्य शिक्षा में निहित है। शिक्षा के माध्यम से आदिमानव के आचार-विचार, रहन-सहन तथा दृष्टिकोण में उत्तरोत्तर परिवर्तन आया और उसे पृथ्वी का श्रेष्ठ एवं विवेकशील प्राणी समझा गया। जहाँ एक ओर जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में मानव की उपलब्धियाँ शिक्षा की उपयोगिता को सिद्ध करती हैं, वहीं दूसरी ओर शिक्षा की उपयोगिता के विषय में सभी विद्वान् एकमत हैं। संक्षेप में, शिक्षा की निम्नलिखित उपयोगिताएँ हैं—

1. अन्त:शक्तियों का विकास— शिक्षा बालक की अन्त:शक्तियों को विकसित करने की उत्तम प्रक्रिया है। शिक्षा के अभाव में उसकी ये शक्तियाँ अविकसित रह जाती हैं। शिक्षा बालक के व्यवहार के परिमार्जन की जन्मजात व स्वाभाविक क्षमताओं एवं योग्यताओं का सम्यक् तथा मानवीय गुणों का अभिप्रकाशन समान रूप से इस भाँति विकास करती है कि वह उनका अपने परिवार, जाति, समाज और राष्ट्र के हित में ठीक प्रकार से उपयोग कर सके।

2. व्यवहार का परिमार्जन— शिक्षा बालक के व्यवहार को समाज की परिस्थितियों के अनुकूल बनाती है। इसके लिए बालक के व्यवहार में परिवर्तन तथा परिमार्जन की आवश्यकता महसूस की जाती है। बालक को सामाजिक व्यवहार के सभी अंगों का ज्ञान भी होना चाहिए। सामाजिक व्यवहार के योग्य बनाने की दृष्टि से उसकी रुचियों, आदतों व आदर्शों आदि में वांछित संशोधन का कार्य भी शिक्षा ही करती है। स्पष्टत: व्यवहार परिमार्जन हेतु शिक्षा अत्यन्त उपयोगी है।

3. मानवीय गुणों का अभिप्रकाशन— मानवीय गुणों से युक्त व्यक्ति ही सही अर्थों में मानव कहलाने का अधिकारी है। शिक्षा के माध्यम से मनुष्य काम, क्रोध, लोभ, मोह, घृणा तथा स्वार्थपरता जैसी समाज विरोधी भावनाओं को नियन्त्रित करता है और प्रेम, धैर्य, उदारता, भ्रातृत्व-भाव, सेवा, आत्मविश्वास तथा सामाजिक कल्याण जैसे सद्गुणों का विकास करता है। शिक्षा मानवीय गुणों के अभिप्रकाशन का सर्वोत्तम साधन है।

4. नैतिक चरित्र का निर्माण— आज समूची दुनिया में नैतिक मूल्यों का हास दिखाई पड़ता है और नैतिकता का प्राय: अभाव हो गया है। चारों तरफ छल-छद्म, फरेब, धोखा, हिंसा, उत्पीड़न तथा शोषण का बोलबाला है। मनुष्य के नैतिक पतन में मानव जाति का कल्याण नहीं हो सकता। शिक्षा मनुष्य और समाज की समस्त बुराइयों को दूर कर उनमें नैतिकता

का समावेश करती है। स्पष्टत: नैतिक चरित्र के निर्माण की दृष्टि से शिक्षा अत्यधिक उपयोगी है।

5. बालक का समाजीकरण— बालक के समाजीकरण की प्रक्रिया में शिक्षा का महत्त्वपूर्ण योगदान है। सर्वप्रथम बालक माता-पिता के संरक्षण में, बाद में संगी-साथियों तथा शिक्षालयों के सम्पर्क में आकर अपने व्यक्तित्व का विकास करता है। शिक्षक समाज अपने विश्वास, दृष्टिकोण, मान्यताएँ, कुशलता तथा रीति-रिवाजों को बालक को प्रदान करता है। शिक्षालय तथा अनेक शिक्षा संस्थाएँ बालक को सामाजिक नियन्त्रण को स्वीकार करने में सहयोग देती हैं, जिससे बालक के समाजीकरण में सहायता मिलती है।

6. भावी जीवन की तैयारी— शिक्षा बालक को भावी जीवन के लिए तैयार करती है। मनुष्य का जीवन संघर्षपूर्ण है। माँ के आँचल से धरा की गोद तक मनुष्य को जीवन में अनेक कठिनाइयों तथा विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। शिक्षा बालक को नियोजित एवं व्यवस्थित तरीके से धैर्य तथा साहस के साथ जीवन संग्राम के लिए प्रेरित करती है।

7. ज्ञानवर्धन के लिए— ज्ञानविहीन मनुष्य का जीवन पशु के समान है। ज्ञान पाकर वह पशुता से ऊपर उठकर मनुष्यत्व और फिर देवत्व की ओर बढ़ता है। शिक्षा की उचित पद्धति के माध्यम से मनुष्य को वांछित ज्ञान प्राप्त होता है, जिसके प्रभाव से उसे जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक कार्यों के लिए दिशा मिलती है उपयोगी एवं सुन्दर जीवन के लिए ज्ञान चाहिए और ज्ञान के लिए शिक्षा आवश्यक है।

8. जीविकोपार्जन के लिए— अपने व्यक्तिगत तथा सामाजिक जीवन में विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मनुष्यों को धन की जरूरत पड़ती है, जिसके लिए वे उपयुक्त आजीविका की तलाश करते हैं। शिक्षा मनुष्य को किसी निश्चित क्षेत्र में सेवाएँ व्यवसाय, उद्यम अथवा कारोबार के लिए तैयार करती है तथा उसकी रुचि के अनुसार उपयुक्त आजीविका खोजने हेतु निर्देशन प्रदान करती है। प्रतिस्पर्धा तथा प्रतियोगिता के इस युग में शिक्षा ही आजीविका तथा धनोपार्जन का सर्वोत्तम माध्यम है। अत: स्पष्ट है कि जीविकोपार्जन के लिए भी शिक्षा आवश्यक है।

9. सन्तुलित एवं सर्वांगीण विकास के लिए— मानव जीवन के तीन प्रमुख पक्ष हैं— शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक। मनुष्य के व्यक्तित्व को सन्तुलित रूप से विकसित करने के लिए इन तीनों ही पक्षों पर समान रूप में ध्यान देने की जरूरत होती है। शिक्षा ही एक ऐसी सविचार, गतिशील तथा जीवन-पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से मानव व्यक्तित्व का स्वाभाविक, सन्तुलित तथा सर्वांगीण विकास हो सकता है।

10. शिक्षा ही जीवन है— शिक्षा का क्षेत्र कुछ ही लोगों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। प्रत्येक मनुष्य को शिक्षा की आवश्यकता होती है। अत: शिक्षा सर्वसाधारण के लिए आवश्यक है। जीवन की प्रत्येक अवस्था में शिक्षा को आवश्यक कहा गया है। यही कारण है कि कुछ विचारकों ने जीवन और शिक्षा में कोई भेद नहीं माना है। उनका कहना है, "शिक्षा जीवन है और जीवन शिक्षा है।" वास्तव में शिक्षा, जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

❑

आज के लिए और सदा के लिए सबसे बड़ा मित्र है अच्छी पुस्तक। —टपर

राष्ट्रभाषा–हिन्दी

–आँचल विश्वकर्मा
भवदीय हेमराज वर्मा टीचर ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट
द्वितीय सेमेस्टर

हिन्दी विश्व की एक प्रमुख भाषा है और भारत की एक राजभाषा है।

❖ आजकल अंग्रेजी–

बाजार के चलते दुनिया भर में हिन्दी जानने और बोलने वाले को अनपढ़ या एक गंवार के रूप में देखा जाता है। हम हमारे ही देश में अंग्रेजी के गुलाम बन बैठे हैं और हम ही अपनी हिन्दी भाषा को वह मान–सम्मान नहीं दे पा रहे हैं, जो भारत और देश की भाषा के प्रति हर देशवासियों के नजर में होना चाहिए।

संस्कृत से जननी है हिन्दी,
शुद्धता का प्रतीक है हिन्दी।
लेखन और वाणी दोनों को,
गौरवान्वित करवाती हिन्दी।
उच्च–संस्कार विविधता है हिन्दी।
ज्ञान और व्याकरण की नदियाँ,
मिलकर सागर स्रोत बनाती हिन्दी।
हमारी संस्कृति की पहचान है हिन्दी,
आदर और मान है हिन्दी।
हमारे देश की गौरव–भाषा
एक उत्कृष्ट अहसास है हिन्दी
निज भाषा उन्नति अहै,
सब उन्नति को मूल
बिन निज भाषा–ज्ञान के
मिटै न हिय के शूल
अंग्रेजी पढ़ि के यद्यपि
सब गुन होती प्रवीन
पै निज भाषा–ज्ञान बिन
रहत हीन के हीन।
इक भाषा इक जीव,
इक मति सब घर के लोग,
तबै बनत हैं सबन सो, मिटै मूढ़ता रोग।

जय हिन्द

आत्मविश्वास

– हेमा सिंह
श्री साईंराम इन्स्टीट्यूट
डी.एल.एड्. प्रथम सेमेस्टर

ये आसमां छिन गया तो क्या ?
नया ढूँढ़ लेंगे,
हम वो परिन्दा नहीं जो
उड़ना छोड़ देंगे।
मत पूछ हौसलों को हमारे
आज कितने विश्रब्ध हैं,
एक नई शुरुआत नया
आरम्भ तय है.....
माना अभी हम नि:शब्द हैं,
ये पारावार छूट गया तो क्या ?
नया सागर ढूँढ़ लेंगे,
हम वो कश्तियाँ नहीं जो
तैरना छोड़ देंगे।
कदम चलते रहेंगे.....
जब तक सांस है, परिस्थिति से परे
स्वयं पर हमें विश्वास है,
एक रास्ता मिला नहीं तो क्या
नई राहें ढूँढ़ लेंगे,
हम वो मुसाफिर नहीं जो
चलना छोड़ देंगे।।

❑

समय

—महिमा
श्री साईंराम इन्स्टीट्यूट
डी.एल.एड्. प्रथम सेमेस्टर

समयः मूल्यावान् अस्ति। समयः गतिमान अस्ति,
समयः परिवर्तनशीलः अस्ति।
समयः शक्तिमान् अस्ति,
किन्तु सः बुद्धिमान् सः विद्वान् सः
धनवान् भवति, यः समस्यं सदुपयोगं करोति।
समयः सर्व करोति यतः गतः समयः पुनः न आयाति।
समयः कस्यचिदपि प्रतीक्षा न करोति।
समयः परिवर्तनशील। समयः कदापि हस्तेन न गृहयते।

❑

You Are A Flame

–Sakeena Farooqui
B.Ed. II Year

You are a flame that burn with flames of determination, ambitions, hard work-luck and success. A burning flame that burns as bright as the Sun.

A flame that inspires people to follow their dreams and achieve great things in life.

You are a flame that burns with greatness, A golden flame that burn with golden dreams.

A flame that will burn forever you are a flame that cannot be extinguished.

For you are the fire that inspire A flame that burns in the heart of millions.

❑

कोशिश कर

—आयशा इरशाद
भवदीय हेमराज वर्मा टीचर ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट
डी.एल.एड्. द्वितीय सेमेस्टर

कोशिश कर हल निकलेगा,
आज नहीं तो कल निकलेगा।
अर्जुन सा लक्ष्य रख, निशाना लगा,
मरुस्थल से भी फिर, जल निकलेगा।
मेहनत कर पौधे को पानी दे,
बंजर में भी फिर, फल निकलेगा।
ताकत जुटा, हिम्मत को आग दे,
फौलाद का भी, बल निकलेगा।
सीने में उम्मीदों को, जिंदा रख
समन्दर से भी गंगाजल निकलेगा।
कोशिश जारी रख, कुछ कर गुजरने की,
जो कुछ थमा-थमा है, चल निकलेगा।

❑

जीवन की कविता

—नैन्सी मोदनवाल
डी.एल.एड्. प्रथम सेमेस्टर

तू
जिन्दगी को जी
उसे समझने की
कोशिश न कर।
सुन्दर सपने के
ताने बाने बुन
उसमें उलझने की
कोशिश न कर।
चलते वक्त के साथ

तू भी चल
उसमें सिमटने की
कोशिश न कर।
अपने हाथों को फैला
खुलकर साँस ले
अंदर ही अंदर घुटने की
कोशिश न कर।
मन में चल रहे
युद्ध को विराम दे
खामख्वाह खुद से लड़ने की
कोशिश न कर।
कुछ बातें भगवान् पर छोड़ दे
सब कुछ सुलझाने की
कोशिश न कर।
रास्ते की सुन्दरता का
लुत्फ उठा
मंजिल पर जल्दी पहुँचने
की कोशिश न कर।

❑

लड़कियों की जिन्दगी आसान नहीं होती

—सरिता वर्मा
डी.एल.एड्. द्वितीय सेमेस्टर

भाई की लाडली है, पर फिक्र से अंजान,
माँ का सपना है, पिता का अभिमान।
पर क्या जानते हैं आप,
नन्हीं-सी इन परियों की
इक दायरे से बाहर कभी उड़ान नहीं होती
और जितना सोचते हैं हम,
लड़कियों की जिन्दगी उतनी आसान नहीं होती।।
जन्म लेते ही माँ उनके शादी के गहने जुटाने लगती है,
क्या सही है क्या गलत है हर बात पर समझाने लगती है,
देखो तुम लड़की हो अपना ध्यान रखना, जमाने को बदलना मुमकिन नहीं,
इसलिए कपड़ों का खास ख्याल रखना,
सुनो किसी की बातों में मत आना,
और कुछ भी गलत लगे तो सबसे पहले आकर मुझे बताना,
जमाने के साथ चलना, इन्हें बेशक सिखाया जाता है।
पर साथ ही इक दायरा समझाया जाता है।
खुद की जन्मी दुनिया में ये खुद ही महफूज नहीं होतीं,
जितना सोचते हैं हम लड़कियों की जिन्दगी उतनी आसान नहीं होती।।

❑

भँवरे की सीख

–सौम्या सिंह
डी. एल. एड्. चतुर्थ सेमेस्टर

प्यारा भँवरा बड़ा निराला।
खेल-खेलता फूलों के संग।।
एक भँवरे से पूछा हमने।
गुंजन करते फूलों के संग।।
फिर क्यों न तुम्हें मिल पाते।
फूलों के इतने रंग-बिरंगे प्यारे रंग।।
भँवरा बोला क्या बताऊँ।
तितलियों ने चुराये सारे रंग।।
बचा मीठा रस पीता हूँ काला हूँ
पर मस्ती जीता हूँ
भँवरे की यह नयी सीख
रूप रंग नहीं सही सीख
प्यारा भँवरा बड़ा निराला
खेल-खेलता फूलों संग।
एक भँवरे से पूछा हमने
गुंजन करते फूलों के संग।।

❑

विद्यार्थी-जीवन

–शिवाली सिंह
डी. एल. एड्. द्वितीय सेमेस्टर

संघर्ष ही जीवन का हिस्सा है,
मंजिल ही जीवन का किस्सा है।
विद्यार्थी बन मंजिल को पाना है,
राही बन मंजिल तक जाना है।
असफलता ही इनके जीवन का हिस्सा है,
सफलता ही इनके जीवन का किस्सा है।
माँ के सपनों को पूरा करना है,
पिता के उम्मीदों पर खरा उतरना है।
दूसरों से पहले इन्हें खुद को जीतना है,
दूसरों से पहले इन्हें लक्ष्य को भेदना है।
रातों से पहले इन्हें लड़ना पड़ता है,
खुद को इन्हें जीतना पड़ता है।
संघर्ष ही जीवन का हिस्सा है,
मंजिल ही जीवन किस्सा है।
कलम टूट जाती है, मुश्किलें हार जाती हैं,
इन विद्यार्थियों के सामने मुसीबतें भी झुक जाती हैं।
मुसीबतों को आसानी से सुलझा लेते हैं।
विद्यार्थियों का दर्पण पुस्तक है, शृंगार इनकी विद्या है।
यही इनका परिधान है,
हम विद्यार्थियों की यही पहचान है।

❖❖❖

माँ

–कामेश प्रताप सिंह
डी. एल. एड्. चतुर्थ सेमेस्टर

घुटनों से रेंगते-रेंगते,
कब पैरों पर खड़ा हुआ
तेरी ममता की छाँव में,
जाने कब बड़ा हुआ।
काला टीका दूध मलाई
आज भी सब कुछ वैसा है।
मैं ही मैं हूँ हर जगह,
प्यार ये तेरा कैसा है?
सीधा-साधा भोला-भाला,
मैं ही सबसे अच्छा हूँ,
कितना भी हो जाऊँ बड़ा,
"माँ"! मैं आज भी तेरा बच्चा हूँ।

❑❑

शिक्षा

—पूर्णिमा गुप्ता
बी. एड्. द्वितीय वर्ष

जन्म से सब शूद्र हुए,
शिक्षा से द्विज अवतार।
शूद्र से ब्राह्मण होने तक का,
शिक्षा ही आधार।
जीवन का मूल खोजना हो,
या जानना हो ब्रह्माण्ड का विस्तार।
अणु से अनन्त तक की यात्रा का,
शिक्षा ही आधार।।
विपत्तियों में फँसे हैं जब-जब,
समाधान खोजा है तब-तब।
विपत्तियों से समाधान तक की यात्रा का,
शिक्षा ही आधार।।
अध्यात्म, विज्ञान और तमाम,
जिनके बल पर कई सभ्यताएँ महान्।
शून्य से शिखर तक की यात्रा का,
शिक्षा ही आधार।।

❑

कैदी और कोकिला

—वैशाली सिंह
डी. एल. एड्. द्वितीय सेमेस्टर

काली तू रजनी भी काली,
शासन की करनी भी काली
काली लहर कल्पना काली,
मेरा काल कोठरी काली,
टोपी काली, कमली काली,
मेरो लौह शृंखला काली,
पहरे की हुंकृति की ब्याली,
मिस पर है गाली ऐ आली!
इस काले संकट-सागर पर
मरने की मदमाती!
कोकिल बोली तो।।
अपने चमकीले गीतों को
क्यों कर हो तैराती
कोकिल बोलो तो।।
तुझे मिली हरियाली डाली
मुझे नसीब कोठरी काली
तेरा नभ-भर में संचार
मेरा दस फुट का संसार
तेरे गीत कहावें वाह,
रोना भी है मुझे गुनाह,
देख विषमता तेरी-मेरी,
बजा रही तिस पर रणभेरी,
इस हुंकृति पर,
अपनी कृति से और कहो क्या कर दूँ।।
कोकिल बोलो तो
मोहन के व्रत पर प्राणों का आसव किसमें भर दूँ
कोकिल बोलो तो।
नोट— स्वतन्त्रता सभी को अतिप्रिय होती है।

❑

एकता की ताकत

—नेहा
डी. एल. एड्. प्रथम सेमेस्टर

नन्हा बीज यदि बो दें हम
वृक्ष वही बन जायेगा।
अच्छे-सच्चे काम करें तो

देश बड़ा बन जायेगा
यदि ईंट पर ईंट रखें तो
महल खड़ा हो जायेगा।
छोटा-सा एक दीप जला दें तो
अंधकार मिट जायेगा
बिना रुके चलते जायें तो
लक्ष्य हमें मिल जायेगा
मधुर बोल यदि बोलें तो
अपनापन बढ़ जायेगा।
बूँद-बूँद घट में डालें तो
घड़ा वही भर जायेगा
सभी मिलकर करें सामना तो
शत्रु टिक नहीं पायेगा।

❑

पक्षी

—सरिता गौड़
बी.एड्. द्वितीय वर्ष

अब सुबह उठने पर कानों में
पक्षियों का कलरव नहीं जाता,
सूरज के स्वागत में अब कोई
पक्षी कहीं मधुर गान नहीं गाता।
मधुमास में अब कोयल की कूक
बड़ी मुश्किल से सुनाई पड़ती है,
न ही घोंसले की खातिर अब
कोयल किसी कौवे से लड़ती है।
गाँव के पुराने खपरैल के घर में
गौरैया का जोड़ा अब नहीं आता,
बूढ़ी दादी के काँपते हुए हाथों से
अब कोई तोता मिर्च नहीं खाता।
तालाब किनारे बैठने वाला बगुला
अब लगता है शायद रूठ गया है,
मधुर आवाज वाले पपीहे से अब
आम का पेड़ शायद छूट गया है।
बिजली के तार से मरे कौवे की खातिर
आकाश में कौवे भी झुंड नहीं बनाते,
दूर कहीं मैदान में मरे जानवर को
गिद्ध अब नोच कर नहीं खाते।
सुदूर आकाश में उड़ता हुआ चील
अब तो बहुत कम ही दिखता है,
छज्जे पर गुटर गूँ करने वाले
कबूतर अब पिंजड़े में बिकता है।
सबको पता है ये प्यारे पक्षी सब
मौत के आगोश में सोते जा रहे हैं
अपने मतलब की दुनिया बनाने में
हम नन्हीं सी जान खोते जा रहे हैं।

❑

आधुनिक विज्ञान की कहानी

—हर्षिता सिंह
डी. एल. एड्. द्वितीय सेमेस्टर

बदलते युग का दौर आया,
परेशानी कठिनाई भरपूर लाया।
सब पर है नये दौर की छाया,
कहीं फोन तो कहीं कम्प्यूटर की माया।
लोग डूबते चले गये,
अपनों को भूलते चले गये।
बेटी दूर हुई माँ से,
बाप जुदा हुआ बेटे से।
फोन ने ऐसी आग लगाई,
चला ए. आई. टूल का जमाना।
आसान नहीं सच पहचान पाना,
सच्चाई को झूठा बताता जमाना।
मन सबका हर्ष से भर उठा
विज्ञान सहायता हेतु बना,

कर प्रयोग इसका सही तू मानव,
नहीं तो बन जायेगा दानव।
कर सहायता इससे औरों की,
लोग करें प्रशंसा तेरे गौरव की।

विज्ञान सही होता है पर,
सही प्रयोग इसका तू कर।
बदलते युग का दौर आया,
परेशानी, कठिनाई भरपूर लाया।

❑

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के फायदे और नुकसान

—निकिता पाण्डेय

डी. एल. एड्. प्रथम सेमेस्टर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के कई फायदे हैं, जिनमें बेहतर संचार सूचना तक बेहतर पहुँच और उत्पादकता में वृद्धि शामिल है। हालांकि, इनके कुछ नुकसान भी हैं, जैसे पर्यावरणीय प्रभाव और स्वास्थ्य सम्बन्धी चिंताएँ।

लाभ :

संचार— प्रौद्योगिकी लोगों को लम्बी दूरी पर भी आसानी से और शीघ्रता से संवाद करने की अनुमति देती है।

सूचना तक पहुँच— प्रौद्योगिकी ऐसी जानकारी तक पहुँच प्रदान करती है जो पहले उपलब्ध नहीं थी।

उत्पादकता— प्रौद्योगिकी लोगों को समय और धन बचाने तथा उत्पादकता बढ़ाने में मदद कर सकती है।

परिवहन— प्रौद्योगिकी ने कारों, रेलगाड़ियों, विमानों और जहाजों के आविष्कार के साथ परिवहन को अधिक तेज और आरामदायक बना दिया है।

शिक्षा— प्रौद्योगिकी शिक्षा के क्षेत्र को आगे बढ़ाने में मदद कर सकती है।

हानि : प्रौद्योगिकी के उत्पादन और निपटान का पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

प्रौद्योगिकी पर निर्भरता— यदि किसी व्यवसाय की वेबसाइट क्रैश हो जाती है या उसे बंद कर दिया जाता है तो उसे बंद किया जा सकता है।

गलत सूचना— प्रौद्योगिकी गलत सूचना के प्रसार में योगदान दे सकती है।

❑

बचपन की यादें

—कोमल रावत

डी. एल. एड्. प्रथम सेमेस्टर

एक बचपन का जमाना था,
जिसमें खुशियों का खजाना था
चाहत चाँद को पाने की थी,
पर दिल तितली का दिवाना था.....
खबर न थी कुछ सुबह की,
न शाम का ठिकाना था.....
थक कर आना स्कूल से,
माँ की कहानी थी,
परियों का फसाना था.....

बारिश में कागज की नाव थी
हर मौसम सुहाना था.....
रोने की वजह न थी.....
न हँसने का बहाना था.....
क्यूँ हो गये हम इतने बड़े,
इससे अच्छा तो वो बचपन का जमाना था
वो बचपन का जमाना था.....
वो बचपन का जमाना था.....

❑

शिक्षा और संस्कार के महत्त्व

—डिम्पल वर्मा
डी. एल. एड्. प्रथम सेमेस्टर

शिक्षा जीवन की सबसे महत्त्वपूर्ण धरोहर है। यह केवल जानकारी प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मानव के व्यक्तित्व को विकसित करने और समाज में उसका सही स्थान सुनिश्चित करने का एक महत्त्वपूर्ण साधन है। शिक्षा से न केवल व्यक्ति की सोच और दृष्टिकोण में सुधार होता है, बल्कि यह समाज के विकास में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रारम्भिक शिक्षा बच्चों के मानसिक विकास के लिए अत्यन्त महत्त्वपूर्ण होती है।

संस्कार का संस्कृत में अर्थ है– 'शुद्धीकरण' अर्थात् जो तन और मन को शुद्ध करे वह संस्कार है। आपकी डिग्री बस एक कागज का टुकड़ा है लेकिन आपकी असली शिक्षा आपके व्यवहार से दिखती है। किसी का सरल स्वभाव उसकी कमजोरी नहीं होती है, बल्कि उसके माता-पिता के द्वारा दिये हुए संस्कार होते हैं। अच्छे संस्कार हर किसी के जीवन में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उसके संस्कार कितने अच्छे हैं। व्यक्ति का व्यवहार उसके संस्कार का दर्पण होता है जैसे– उसकी पृष्ठभूमि, शिक्षा आदि कैसी है।

शिक्षा और संस्कार एक-दूसरे के पूरक होते हैं जो व्यक्ति के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। शिक्षा हमको धन दौलत दिला सकती है पर उन्हें संभाल कर रखना संस्कार ही सिखाता है अच्छी शिक्षा और अच्छे संस्कार दोनों जीवन भर चलने वाली पूँजी है, जो कि हमारे जीवन भर काम आती है। सोच नई रखने के साथ-साथ संस्कार भी अच्छे होने चाहिए। इस संसार में सब कुछ कॉपी हो सकता है लेकिन चरित्र, गुण, व्यवहार, संस्कार और शिक्षा को कभी भी कॉपी नहीं किया जा सकता है।

ये सब खुद से ही प्राप्त किया जाता है बिना संस्कार के शिक्षा का कोई महत्त्व नहीं है। इंसान का व्यवहार उसके संस्कारों से निर्धारित होता है संस्कार किसी किताब में नहीं लिखे मिलते हैं ये सीखे जाते हैं अपने परिवार से और अपने घर के बुजुर्ग लोगों से। संस्कार ही हमें जीवन जीने का तरीका सिखाते हैं। संघर्ष पिता से सीखें और संस्कार माँ से सीखे! बाकी तो दुनिया सिखा देती है। आप पूरी दुनिया को जीत सकते हैं संस्कार से। और जीता हुआ हार सकते हैं अपने अहंकार से। अच्छी शिक्षा और अच्छे संस्कार से ही अच्छे नागरिक की पहचान होती है।

❑

बेटी (नारी)

—प्रिया तिवारी
डी. एल. एड्. प्रथम सेमेस्टर

ओस की बूँद होती हैं बेटियाँ
स्पर्श खुरदुरा हो तो रोती हैं बेटियाँ
रोशन करेगा बेटा तो बस एक ही कुल को
दो-दो कुलों की लाज होती हैं बेटियाँ
कोई नहीं एक दूसरे से कम
हीरा अगर है बेटा
सच्ची मोती हैं बेटियाँ।
नारी की अस्मिता के, हर सू लुटेरे हैं अब
पापी दु:शासनों के हर सू बसेरे हैं अब,
फिर चक्र अपना केशव.....
इक बार तुम चलाओ!!
भूले हुए हैं राहें, फिर राह तुम दिखाओ!!!

❑

Scientific Cultivation of Litchi

–Dr. Vinod KumarVerma
(Head of Department-Agriculture)

Introduction :

Litchi (*Litchi chinensis* Sonn) is an important subtropical fruit crop of the country. It is known as queen of the fruit due to its attractive deep pink/ red colours and fragrant aril. It has high nutritive value and suitable for geotropic weak person. Litchi appears to be native of Southern province of China and northern Vietnam from where it was introduced into India during the 18th century in the North East region (Tripura) and over the period of time it travelled to eastern states and percolated in the northern states of India. From China, litchi spread further to West Indies, South Africa, Hawaii Islands, Florida, Vietnam, Indonesia, India, southern Japan, Formosa, Australia, New Zealand, Brazil, India etc. Litchi is now an important commercial fruit crop in India due to its high demand in the season and export potentiality. Cultivation of litchi is widely spread in eastern India covering approx. Himalaya from Bengal to Punjab which provides livelihood opportunities to millions of people in the region. the litchi growing area lies in Bihar, Uttar Pradesh, West Bengal, Punjab, Assam, Tripura and Odisha.

Soil and Climate :

Litchi grows in a variety of soil types. However, fairly deep, well-drained sandy loam soil rich in organic matter with a pH of 5.5-7.0 is best for its cultivation. High lime content in soil is also beneficial to its trees. Litchi cannot tolerate frost in winter and dry heat in summer, it flourishes best in a moist atmosphere, having abundant rainfall and free from frost.

LAND PREPARATION :

Do ploughing, cross ploughing of land and then levelled the land. Prepare land in such way that water stagnation should not occurred in field.

SOWING

Time of sowing : Planting can be done just after monsoon in month of August-September. For planting select two year old plant.

Spacing : Use distance of 8-10 meter in row to row and also plant to plant in case of square method.

Sowing Depth : Dug pits of 1m x 1m x 1m and expose to sun for some days. Then fill the pit with top soil with 20-25 kg of well decomposed cow dung, 2 kg of bone meal and 300 gm of MOP. After filling sprinkle some water on it. Plant the seedlings in middle of pit.

Method of sowing : Direct sowing or transplanting method.

Propagation : Propagation by seed is not preferred because the plants raised from seed take 7-12 years to come into bearing and it does not produce true to type fruits. The most common and easiest method is air layering. About 2 cm wide ring of bark is removed just below a bud from healthy and vigorous twigs about one year old and 2.5-4.0 cm across. IBA or Root onmay be applied at cut portion for early and more rooting. The cut is surrounded by mud ball containing moss (2 parts damp moss and 1 part of soil from the basin of old litchi tree) and wrapped with a polythene sheet. Both ends are tied with fine rope to make it air tight, when sufficient roots are formed in about 2 months, the branch is cut below the soil or sphagnum moss and potted in a nursery. July to October is most appropriate time. About 6 months old air-layered plants should be transplanted in permanent field in monsoon.

Planting : The pits of 1 m x 1m x 1m should be dug at a spacing of 10 m apart in square system. Under acidic soil conditions, culture of mycorrhizal fungi should be applied or soil of old litchi orchard should be used for pit filling along with FYM. Planting should be done during early monsoon season. Planting can also be done in the spring if irrigation facilities are available.Planting of litchi orchard is not advisable when the weather is either too dry or too wet.

ManureandFertilizer :

Age of plant	Fertilizer/plant/year(Kg)			
	Farmyard Manure	Calcium ammonium nitrate	Super phosphate	Muriate of potash
1-3 yr	10-20	0.3-1.00	0.2-0.6	0.05-0.15
4-6 yr	25-40	1.0-2.00	0.75-1.25	0.20-0.30
7-10 yr	40-50	2.0-3.00	1.50-2.0	0.30-0.50
About 10 yr	60	3.50	2.25	0.60

FYM, P & K should be applied in the month of December, whereas, Y2 dose of N inFebruary, 1, 4 in April and remaining 1, 4 after harvesting of fruits. Besides, litchi orchard may also be sprayed with Zinc-sulphate@4 kg and hydratedlime@2 kg dissolved in 500L. water.

Varietal Distributions of Litchi in Different States

States	*Varieties*
Bihar	*Deshi, Purbi, China, Kasba, Bedana, Early Bedana, Late Bedana,Dehra Rose,Shahi,Manragi,Maclean,Longia,Kaselia and SwarnaRupa*
UttarPradesh/ Uttarakhand	*Early Large Red,EarlyBedana,Late Large Red,RoseScented,Late Bedana,Calcuttia,ExtraEarly,Gulabi, Pickling, Khatti, Dehra Dun, Piyazi*
WestBengal	*Bombai,EllaichiEarly,China,Deshi,PurbiandKasba*
Haryana/Punjab	*Early Seedless, Late Seedless*

Irrigation and water conservation :

Lychee being an evergreen plant, the maintenance of optimum soil moisture is critical for growth, development and fruit production. Irrigation is critical at the fruit development stage to get better yield and quality of fruits. To achieve faster growth of the plant no water stress should be permitted, while in the reproductive phase water stress is beneficial at the time of fruit bud differentiation. Irrigation at the intervals of 2-3 days during the initial stage of plant establishment is considered essential. Further, the young plants should be irrigated during dry periods and winter months at intervals of 3-5 days.

Moisture conservation through mulching using dried weeds or black polythene sheet has been found useful. Through adoption of mulching, frequency of irrigation is reduced.

Intercultural Operation :

Weeds are controlled mainly by hand weeding or hoeing. Spraying of herbicides Diuron or Atrazine @ 5kg/ha at one month interval keep the weeds under control. Use of black polythene mulch controls weed more effectively than organic mulch.

Intercropping :

In litchi orchard intercropping of vegetable and some fast growing fruit plant like papaya can be done.

Plant Protection Measures :

Insect Pests : In litchi, mite and shoot borer are the two serious pests that causes immense damage to the crop.

Lychee mite : Lychee mite (Aceria litchi) is a serious pest in all the lychee growing regions in the country. The tiny nymph and adults stick to the under-surface of the leaf and suck the cell sap. Consequently, the young leaf turns yellow to greyish-yellow and a velvety growth develops on lower surfaces, which subsequently turn brown. The affected mature leaf develops continuous to scattered brown.

Shoot borer : The caterpillar bore inside the newly growing shoot and feed on inner parts resulting in drying of the twigs. In the case of severe infestation the sap movement is interrupted and the tree ceases to flush. Pruning and burning of affected twigs minimize the infestation. Litchi shoot borer can effectively be controlled by spraying Cypermethrin (0.01%) twice at 7 days interval during flushing.

Other pests include bark eating caterpillars (Indarbela tetraonis, I. quadrinotata), weevil (Amblyrrhinus poricolis), butterflies (Virachola isocrates) and worm/fruit stone borer (Argyroploce carpophaga).

Diseases : Litchi is almost free from fungal diseases in India. The rot caused by Helmenthosporium hawaiense and rotting of fruits caused by Aspergillus sp. are some of the fungal diseases observed. These can be controlled by spraying with fungicides immediately after the appearance of the symptoms. No fungicides should be applied on the trees or fruits at least 20 days before harvesting.

Disorders : The two types of physiological disorders which are commonly observed are fruit cracking.

Harvesting : The fruits are harvested in bunches along with a portion of the branch and a few leaves.

At the time of harvesting care is taken to harvest the selected bunch, which has attained the desirable maturity as determined by colour development and taste of the pulp. The fruits are harvested early in the morning when temperature and humidity are congenial, to have longer shelf-life of the fruit. At the time of harvest fruits are collected in a manner so that they do not fall on the ground. Use of mechanical tools for harvesting is practiced. The harvesting period is generally May-June, depending upon cultivar and location.

Yield : The yield of lychee varies according to the age of the tree, agro-climatic condition and maintenance of the orchard. Usually about 80-150 kg fruit/tree is obtained from 14-16 year old trees.

❑

Role of Home Science Educationin Enhancing Quality of Life

–Dr. Sneh Lata Singh
HOD
Department of Home Science

The home is the first and perhaps the most important place for the betterment and training of a child. Many people think that home science is only related to household tasks and activities. Science and technology has made great strides and has brought much material for the better quality of human life. Now home science has been recognized as an important part of the general education system. Home is responsible for the proper development of individual's personality. Success and happiness in family life are very much dependent on the qualities of the homemaker.

Home science is a dynamic and ever growing field of education. It is an applied field built upon both the discipline of science and humanities for the purpose of achieving the welfare and wellbeing of the family in an ever changing society. It is the education for "better living" and the core of this education is the "family ecosystem". It is the study of reciprocal relations between the family and its natural and man made environments.

Basically, the philosophy of home science education is based on the welfare of home and family. It meets the physical, social, control and psychological needs of the members of the family and train them to carry out effectively their duties to their homes, neighbor's, community and the nation. The integrated programmes and development plan must be incorporated with home science education.

Study of the said subject helps one to acquire better individual understanding. Home science not only helps in leading a better family lifebut also presents itself as a potential source of numerous career opportunities. Women's role in national economy is significant, because they are first educators of children in self help and self confidence. Education for women, apart from qualifying them to be equal partners of men in all walks of life, should meet their basic social needs and duties in life as house coves mother and leaders. Thus, home science is the only discipline which can integrate all fact and efforts of the family, society and nation. The race for progress has already affected home life in several countries and there is a danger that old values which sustained domestic obligations may not survive. If the art of homemaking is left to itself, good homes also determine the production distribution and consumption of wealth in a society. Home is the institution which has preserved and transmitted our cultural heritage from generation to generation. The purpose of home science is the creation of an environment and outlook which will enable people to live richer and more purposeful lives. It is the establishment of the art of human relationship. It also helps in proportion for making in the development of right values and appreciations and makes a contribution to wards increasing health and happiness. It is also an attempt to meet the demands of fast changing modern society.

We use home science in all stages of life. Being a dynamic and living subject it is closely related to everyday life of everyone. The broad purpose of home science education as stated by Safford andAmid on are –

1. Establish values which make personal, family and community living meaningful.
2. Create a home and community environment conductive to the healthy growth and development of all.
3. Achieve wholesome interpersonal relationships.
4. Use resources to satisfy need. Develop mutual understanding and appreciation of cultures and ways of life.

Education and Vocational Scope of Home Science :

Home Science teaching has sustained itself **The Major Areas in Home Science are described as following chart for better understanding**

Vocational Area	Job opportunities after senior secondary	Opportunities of further education	Job opportunities after advanced course
Food and Nutrition	Food laboratory aide, dietary aide, food product tester, kitchen food assembler, quality control technician, short order cook, baker helper, waiter/ waitress, dining room attendant, cake decorator.	Diploma in hotel management and catering, B.Sc. Home Science, diploma from polytechnics/ vocational institutions, diploma in related subjects through, distance education.	Food technician, dietary assistant, dietetic technician, food technologist, nutritionist, caterer, food services manager, specialty cook, chef.
House Keeping	Guest service clerk, housekeeping maid, host/hostess, establish-ment guide, lodging facilities, attendant.	Diploma in hotel management and catering, B.Sc. Home Science, diploma from polytechnics/ vocational institutions, diploma in related subjects through distance education.	Guest house manager, housekeeping manager, hospitality supervisor, hotel/motel manager, convention coordinator.
Interior Designing, Furnishing and Maintenance	Showroom Assistant, Interior Design Aide, Furnishings Sales Associate.	Diploma in Hotel management and Catering, BSc Home Science, Diploma from Polytechnics/ Vocational Institutions, Diplomain related subjects through Distance Education	Window Display Designer, Interior Design Assistant, Photo-stylist Furnishings Buyer, Housekeeping Instructor.
Consumer Services	Advisor Consumer rights, Product Demonstrator, Sales representative, Consumer Reporter, Personal Shopper, Staff of Consumer Forum.	BA/BSc Home Science, Diploma in Communication and Journalism, Diploma in Public Relations, Diploma in consumer Protection Law.	Food / Consumer Products Tester, Product Representative, Public Relations Representative Consumer News writer.
Family and Human Services	Adult day care worker, residential care aide, elder care worker, family aide, personal home care aide, homemaker's aide.	BA/BSc Home science, diploma of Special Educators / child development Counselors	Social Service technician/ Aide, Community Worker.
Child Development and Education	Pre-school Aide, Family child care provider, recreation aide, teacher	Diploma of Special Educators / Child Development Counselors,	Child Day care supervisor, Pre-school teacher Special

	Aide.	Child guidance and counseling certificate course, B.Sc. Elementary Education.	Education Aide, After-school Programme Supervisor
Fashion Design, manufacturing and Merchandising	Fashion Design Aide, Fabrics / Accessories Estimator, Sales Associate Costumer Assistant, Employeein dry cleaning shop, Employeein a garment manufacturing firm, Employee in a textile industry, Employee in an Embroidery unit.	B.Sc. Home Science, Fashion Designing from Institution of Fashion Technology, Polytechnics/ Design Schools	Assistant Designer, Fashion Illustrator, Textile Technician, Computer Imaging Consultant, Merchandise Displayer, Fashion Buyer.

Thus, Home science renders valuable services to the nation by enabling the women to establish sound homes. It extends skills and creativity into the community of people and nation. The curriculum should be geared towards rural development. The students must have opportunities and time to live in and work for the villages as part of their subject. Home Science colleges should serve the community in combating malnutrition. Food adulteration, consumer protector, child love through education of mothers, Balvadi Centres, crèches and medical case prevention of AIDS, safe and sound childbirth, raising the health status. By getting home science education women can be changed to those of capability of decision making, using freedom for improving the quality of life and fighting the bonds of adverse traditions, customs and tabors. It is concerned with strengthening of the individual, family, community and nation.

Areas of Specialization in Home Science

There are five different areas of specialization in Home Science. Each branch offers post graduate courses and facilities for research.

The five major areas in Home Science are Human Development–

1. Family and Community Resource Management
2. Food and Nutrition
3. Textile Science
4. Extension Education

Observe and identify the areas in Home Science from the figure.

❖❖

Advantages of Goat Farming in India

—Dr. Sujeet Kumar Yadav
(Assistant Professor)
Dept. of Agriculture

India has the largest goat population in the world with over 148 million goats as of May 2024. This is about 25% of the world's goat population.

Importance of Goat rearing : Goats play an important role in income generation, capital storage, employment generation and improving household nutrition. It is the backbone of economy of small and landless farmers in India. It is an insurance against crop failure and provides alternate sources of livelihood to farmers all the year round. Being smaller in size they are easier to manage, require less space and can be easily handled by women and children.

The goat a mini cow is a multipurpose animal to provide meat, hide, hair and manure for soil. Goat is a poor man's cow because of their immense contribution to the poor people's economy. They not only supply nutritious and easily digestible milk to their babies but also regular source of additional income for poor and landless or marginal farmers.

ADVANTAGES :

1. Goat gives more production per unit of investment.
2. Goat is small sized and has younger slaughter age.
3. Market for goat meat is well established.
4. Goats milk contains small sized fat globules and absence of clustering in milk, thus facilitates easy digestion to child and invalids.
5. Goat is more tolerant to hot climate than other farm animals.
6. Initial investment needed for goat farming is very low.
7. They have no definite demand for housing and management.
8. Goats are friendly animals and enjoy company of people.
9. Goat milk has a higher content of Vitamin-B and is useful in relieving.
10. Goat can be reared anywhere in plain, tarai hill tract, sandy zone and even at high altitudes.
11. A well-managed goat farm can yield a return of 20% to 40% annually.
12. Goats produce about 2% of the world's total annual milk supply.

SOME INDIAN BREEDS AS ARE FOLLOWING : Jamunapari, Barbari, Beetal, Kashmiri, Sirohi, Mehsana, Jhakarna, Black Bengal, Sangamneri, Marwari, Surti etc.

❑

Government Schemes Promoting Indian Agriculture Crop Production

–Jitendra Kumar Awasthi
Assistant Professor
Department of Agriculture Extention

Agriculture plays a pivotal role in India's economy, employing more than 50% of the population. To support this essential sector, the Government of India has introduced various schemes aimed at enhancing crop production, ensuring food security, and improving the livelihoods of farmers. These schemes provide financial support, modern technologies, and resources to improve agricultural productivity. Below are some of the key government schemes promoting crop production in India.

1. Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi (PM- KISAN)

Launched in 2018, the Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi scheme aims to provide financial assistance to small and marginal farmers. Under this scheme, eligible farmers receive ₹ 6,000 annually in three equal installments, which can be utilized for purchasing seeds, fertilizers, and other agricultural inputs.

2. National Mission on Sustainable Agriculture (NMSA)

The National Mission on Sustainable Agriculture (NMSA) aims to enhance productivity through sustainable farming practices. This scheme promotes organic farming, integrated pest management, soil health management, and water use efficiency. By promoting techniques that preserve natural resources, the NMSA ensures long-term agricultural sustainability, leading to improved crop yields.

3. Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana (PMFBY)

Launched in 2016, the Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana is a crop insurance scheme designed to protect farmers from losses caused by natural calamities, pests, and diseases. This scheme ensures that farmers receive compensation in case of crop damage.

4. Soil Health Management (SHM)

The Soil Health Management scheme aims to enhance soil health and productivity through the use of soil testing, micro nutrient supplementation, and organic farming techniques. This scheme is crucial in promoting healthy soils, which are the foundation of successful crop production.

5. National Food Security Mission (NFSM)

The National Food Security Mission focuses on increasing the production of food grains, including rice, wheat, pulses, and coarse cereals. The scheme provides financial support for improving farm practices, introducing high-

yielding varieties of seeds, and increasing the use of fertilizers.

6. Rashtriya Krishi Vikas Yojana (RKVY)

The RashtriyaKrishiVikasYojana is a government scheme aimed at achieving 4% annual growth in the agricultural sector. This scheme provides flexibility to states to address their unique agricultural challenges. The funds under this scheme are used for promoting high-yielding crops, infrastructure development, and improving farm productivity.

7. Atmanirbhar Krishi Yojana

In response to the challenges posed by the COVID-19 pandemic, the Atmanirbhar Krishi Yojana was launched to support agriculture and allied sectors. This scheme provides assistance to farmers in procuring modern equipment, seeds, and fertilizers to improve crop production.

8. E-NAM (National Agriculture Market)

The National Agriculture Market (E-NAM) is a digital platform that connects farmers with buyers across the country. It helps farmers get better prices for their produce by eliminating middlemen. By providing better market access, E-NAM ensures that farmers can sell their crops at competitive prices, boosting their income and motivating them to increase crop production.

9. Pradhan Mantri Krishi Sinchayee Yojana (PMKSY)

Water management is crucial for crop production in India, given the dependence on rainfall and irrigation. The Pradhan Mantri Krishi Sinchayee Yojana focuses on enhancing irrigation infrastructure, improving water use efficiency, and providing farmers with access to irrigation facilities. The scheme aims to provide **"Har Khet Ko Pani"** (water to every farm) to increase crop production, especially in drought-prone areas.

10. Mission for Integrated Development of Horticulture (MIDH)

India is a major producer of horticultural crops, including fruits, vegetables, and spices. The Mission for Integrated Development of Horticulture focuses on improving the production and quality of horticultural crops. The scheme provides financial support for the development of new orchards, organic farming, and post-harvest management, which in turn boosts the overall crop production and export potential of the country.

Conclusion : The Indian government has implemented several schemes to enhance agricultural productivity and support farmers in increasing crop production. These initiatives not only provide financial assistance but also focus on promoting sustainable practices, ensuring market access, and improving infrastructure. As India continues to face challenges in agriculture, these schemes are vital to achieving food security and increasing the incomes of farmers.

❑

SOCIAL MEDIA

—Saurabh Singh Yadav
Office Assistant/Computer Operator

D-Block

The recognition of social media as a distinct entity was in 1997 with **Andrew Weinreich's** launch of Six Degrees. Called the "**Father of Social Networking**,"

Social media now refers to web-based applications that promote the creation and exchange of user-generated content. Social media's range is global, with its scope of topic and type of user virtually unlimited. Social media includes internet sites such as **Meta's Facebook**, **Instagram**, **X (formerly Twitter)**, **Whatsapp**, **You Tube**, and **Countless Blogs**.

EDUCATIONAL OPPORTUNITIES AND SOCIAL AWARENESS

Internet sites offer educational resources such as online courses and tutorials, making learning accessible to a global audience, often for free and regardless of a user's location or socio economic status. Many of these educational opportunities account for overcoming language barriers.

Hand-in-hand with educational opportunities are social awareness initiatives and advocacy efforts for humanitarian and social causes on both a local and a worldwide scale. Social media use enables advocates to more easily reach a global audience and discuss solutions to social issues that can better lives, such as increasing physical activity for better health and getting more fun out of life.

THE NEGATIVE ASPECTS OF SOCIAL MEDIA

Social media's power can sometimes be used in the wrong way to hurt others. Some of the negative effects of social media use include :

1. Cyber bullying
2. Doxxing
3. Child exploitation
4. Addiction

❑

विचारों के युद्ध में पुस्तकें ही अस्त्र हैं।

—जार्ज बर्नार्ड शॉ

संधारणीय कृषि, संधारणीय भविष्य

—विनय कुमार वर्मा
एम० एस-सी० (कृषि), नेट.
पादप रोग विज्ञान
9161921593
vk717866@gmail.com

कृषि में बढ़ती चुनौती संधारणीयता के मुद्दों से सम्बन्धित है, जैसे— अतिदोहन, प्राकृतिक संसाधनों का क्षरण और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर ध्यान करना। उपयोग की जाने वाली कृषि पद्धतियों और इनपुट का भी संधारणीय कृषि के लिए महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। उदाहरण के लिए उर्वरक और रसायनों का बढ़ता उपयोग, अत्यधिक दोहन और जलसंसाधनों का असंवहनीय उपयोग मिट्टी के स्वास्थ्य और उर्वरता को प्रभावित करता है। मौसम की स्थिति में परिवर्तनशीलता और वर्षा आधारित कृषि की सापेक्षिक प्रबलता भी उत्पादन और उत्पादकता को प्रभावित करती है। कृषि में स्थिरता, भूमि जोतों की दीर्घकालिक उत्पादकता को सुरक्षित रखने, पर्याप्त कृषि आधारित आय और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक प्रासंगिक है। 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में से 11 सीधे कृषि से जुड़े हैं, इसलिए फसल की पैदावार में सुधार सुनिश्चित करना और आय स्थिरता सुनिश्चित करना देश के लिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह एजेंडा 2030 तक लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करता है।

मातृभूमि के पुनरुद्धार, जागरूकता सृजन, पोषण और सुधार के लिए प्रधानमंत्री कार्यक्रम (पीएम-प्रणाम) पहल राज्यों को रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह नैनो यूरिया, नैनो डीएपी और जैविक उर्वरक जैसे वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग जैसे संधारणीय तरीकों को बढ़ावा देता है। उक्त योजना के तहत किसी राज्य/संघराज्य क्षेत्र द्वारा किसी विशेष वित्तीय वर्ष में पिछले तीन वर्षों की औसत खपत की तुलना में रासायनिक उर्वरकों (यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी) की खपत में कमी के माध्यम से बचाई गई उर्वरक सब्सिडी का 50 प्रतिशत अनुदान के रूप में उस राज्य/संघराज्य क्षेत्र को दिया जाएगा। इन पहलों के अलावा, पोषक तत्त्वों के उपयोग को अनुकूलित करने के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना शुरू की गई थी। "यूरियागोल्ड" की शुरुआत, जो सल्फर की कमी को दूर करने के लिए सल्फर युक्त यूरिया है, मिट्टी में पोषक तत्त्व संतुलन को बेहतर बनाने का एक और उपाय है।

वास्तविक समय के आधार पर प्रबंधन के उद्देश्य से मूल्य वर्धित सलाह के लिए विशेष रूप से फसलों के लिए कीट और रोग निगरानी के लिए विकसित प्रौद्योगिकियां शामिल की जा सकती है।

ईशोपनिषद हम सभी को अपनी संपत्ति छोड़ देने (त्यागने), स्वतंत्र होने और उस स्वतंत्रता का आनंद लेने का आदेश देता है:

ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत।
तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्यस्विद्धनम्।।

सत्ता सरकारों की एक बेशकीमती संपत्ति है। वे कम-से-कम कुछ हद तक इसे छोड़ सकते हैं और शासक तथा शासित दोनों में इसके द्वारा पैदा होने वाले संधारणीयता का आनंद ले सकते हैं। .....✍

(स्रोत : पी.आई.बी. एवं आर्थिक समीक्षा)

❑

फसल अवशेष प्रबंधन से मृदा उर्वरता में परिवर्तन

—पतिराम मौर्य
असिस्टेंट प्रोफेसर, (कृषि प्रसार)

फ़सल अवशेष प्रबंधन— भारत में पहले खेती जीविकोपार्जन के लिए ही की जाती थी, परन्तु धीरे-धीरे खेती ने एक व्यापारिक रूप ले लिया है। किसान अधिक उपज प्राप्त करने के लिए अंधाधुंध रासायनिक उर्वरक, कीटनाशक एवं खरपतवार नाशकों का प्रयोग कर रहे हैं, जिससे मिट्टी के साथ-साथ पर्यावरण पर भी हानिकारक प्रभाव हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों से किसानों के समक्ष फसलों के अवशेष खेत में जलाने की समस्या देखी जा रही है। देश में कई क्षेत्र ऐसे हैं जहाँ अगली फसलों की बुवाई तथा खेत तैयार करने के लिए किसान फसलों के अवशेषों को जला देते हैं। यह उन क्षेत्रों में देखा गया है जहाँ धान और गेहूँ की फसल की कटाई कम्बाइन हार्वेस्टर से की जाती है, जैसे कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश, जिससे कि बची हुई फसलों के अवशेष जलाए जाने के कारण न केवल पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, साथ ही मिट्टी में कई उपलब्ध पोषक तत्त्व नष्ट होने के कारण मिट्टी को काफी नुकसान पहुँच रहा है। यदि हमारे किसान साथी इन फसल अवशेषों को खेत में मिलाएँगे तो न केवल मिट्टी उपजाऊ होगी बल्कि खाद पर होने वाले खर्च की बचत होगी।

क्या हैं फसल अवशेष

फसल अवशेष पौधे का वह भाग होता है जो फसल की कटाई और गहाई के उपरान्त खेत में छोड़ दिया जाता है, जैसे— भूसा बना तना, डंठल, पत्ते तथा छिलके इत्यादि फसल अवशेष कहलाते हैं। सबसे ज्यादा फसल अवशेष अनाज वाली फसलों में तथा सबसे कम दलहनी फसलों से मिलते हैं। खरीफ सीजन में लगभग 500 लाख टन फसल अवशेष का उत्पादन होता है। इन अवशेषों का सिर्फ 20 से 25 प्रतिशत ही इस्तेमाल हो पाता है, बाकी को जला दिया जाता है।

फसल अवशेषों को जलाने के दुष्प्रभाव

1. जब फसल अवशेष को खेत में जलाया जाता है तो उससे मिट्टी का तापमान बढ़ जाता है और कई लाभकारी सूक्ष्म जीव और मित्र कीट जैसे— केंचुए आदि जलकर नष्ट हो जाते हैं।
2. फसल अवशेष जलाने पर वातावरण में कई हानिकारक गैसें जैसे— कार्बन मोनो ऑक्साइड, कार्बन डाई ऑक्साइड, नाइट्रस ऑक्साइड आदि की मात्रा बढ़ जाती है, इससे वातावरण प्रदूषित होता है।
3. फसल अवशेष के साथ-साथ खेत के किनारे मेड़ों को भी आग से नुकसान पहुँचता है।
4. कृषि अवशेषों को जलाने से राजमार्गों पर व अन्य जगह धुएँ की अधिकता होने से कुछ नहीं दिखाई देता जिससे अनेक दुर्घटनाओं का डर हमेशा बना रहता है।
5. मिट्टी में कई जरूरी पोषक तत्त्व जैसे— नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश और सल्फर जैसे बेहद जरूरी पोषक तत्त्व जलकर नष्ट हो जाते हैं।

फसल अवशेषों को खेत की मिट्टी में मिलाने के लाभ

किसी भी दृष्टिकोण से फसल अवशेषों को जलाना उचित नहीं है बल्कि फसल प्रबंधन के बहुत सारे लाभ हैं।

कार्बनिक पदार्थ की उपलब्धता में वृद्धि— कार्बनिक पदार्थ ही एकमात्र ऐसा स्रोत है जिसके द्वारा मिट्टी में उपस्थित विभिन्न पोषक तत्त्व फसलों को उपलब्ध हो पाते हैं। फसल अवशेष खेत में सड़कर मृदा कार्बनिक पदार्थ की मात्रा में वृद्धि करते हैं। इस प्रकार मिट्टी में जैविक कार्बन की मात्रा में वृद्धि होती है तथा पोषक तत्त्वों की उपलब्धता में वृद्धि होती है।

मिट्टी के भौतिक गुणों में सुधार— मृदा में फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा की परत में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा बढ़ने से मृदा की कठोरता कम होती है। मिट्टी की जल धारण क्षमता एवं मिट्टी के वायु संचरण में वृद्धि होती है तथा भूमि से पानी के भाप बनकर उड़ने में कमी आती है।

मृदा की उर्वरा शक्ति में सुधार— फसल अवशेषों को मृदा में मिलाने से मिट्टी के रासायनिक गुण जैसे उपलब्ध पोषक तत्त्वों की मात्रा, मिट्टी की विद्युत चालकता एवं मिट्टी के पी.एच. मूल्य नियंत्रित रहते हैं जिससे फसल को पोषक तत्त्व आसानी से प्राप्त हो पाते हैं।

पोषक तत्त्वों की उपलब्धता में वृद्धि— फसल अवशेषों में लगभग सभी आवश्यक पोषक तत्त्वों के साथ 0.45 प्रतिशत नाइट्रोजन की मात्रा पाई जाती है जो कि एक प्रमुख पोषक तत्त्व है।

उत्पादकता में वृद्धि— फसल अवशेषों को मिट्टी में मिलाने से आने वाली फसलों की उत्पादकता में काफी मात्रा में वृद्धि होती है। मृदा स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं फसल उत्पादकता को देखते हुए फसल अवशेषों को जलाने की बजाय भूमि में मिला देने से काफी लाभ होता है।

आच्छादन कृषि अवशेषों को खेतों में— आच्छादन के रूप में उपयोग करने से सहनशील पौधों को वातावरण की विषम परिस्थितियों जैसे कि ठण्ड एवं लू से बचाया जा सकता है। आच्छादन से भूमि में मौजूद पानी का वाष्पीकरण कम हो जाता है जिससे नमी ज्यादा समय तक बनी रहती है। खरपतवार भी नहीं पनपते और भूमि का तापमान भी अनुकूल बना रहता है।

वैश्विक तापमान फसल अवशेष जलाने से— वायुमंडल में हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है जिससे वायुमण्डल का तापमान बढ़ता है और फसलों की उत्पादकता पर असर पड़ता है। अवशेषों को वापस जमीन में मिलाने से इस दुष्प्रभाव से बचा जा सकता है।

प्रदूषण कृषि अवशेषों के जलाने से उत्पन्न धुएँ के वातावरण में मिलने से प्रदूषण होता है जिससे श्वास रोग पैदा होते हैं। यदि कृषि अवशेषों को वापस भूमि में मिला दिया जाता है तो इस प्रदूषण से बचा जा सकता है।

सूक्ष्म जीवाणुओं में वृद्धि— कृषि अवशेषों को भूमि में मिलाने से सूक्ष्मजीवों को भोजन एवं आवास मिलने के साथ साथ उनकी संख्या में भी वृद्धि होती है जिससे प्राकृतिक चक्र जैसे कार्बन चक्र, नाइट्रोजन चक्र आदि सुचारू रूप से चलते हैं।

फसल अवशेष जलाने से होने वाले हानियाँ— फसल अवशेष जलाने से भूमि की उर्वरा शक्ति घटती है। वातावरण में प्रदूषण का स्तर बढ़ता है। वायु में कार्बन डाई ऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड और अन्य प्रदूषक कणों की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे अस्थमा और श्वास सम्बन्धी बीमारियाँ होती हैं। फसल अवशेष जलाने से मिट्टी में मौजूद मित्र कीटों एवं सूक्ष्म जीवाणुओं की संख्या में भारी कमी हो जाती है।

निष्कर्ष— फसल अवशेषों को जलाने से इनसे मिलने वाले लाभों से तो किसान वंचित रह जाते हैं, वहीं भूमि की उपजाऊ शक्ति भी कम होती है, क्योंकि भूमि की उपजाऊ शक्ति बढ़ाने वाले जीवाणु आग से जल जाते हैं। फसल अवशेषों को जलाने से नुकसान ही है, कोई फायदा नहीं है। इसलिए इनको जलाना नहीं चाहिए। ❑

Education

–Aastha Singh
B.Sc. 1st sem

Education is the most powerful weapon you can use to change the World.

Education is important because it helps people learn new skills and knowledge which can lead to better jobs and more full filling life. It can also help your become more informed citizen and make better decisions.

Education is the key to unlocking a world of possibilities.

Benefits of education :

1. Develops skills
2. Open up opportunity
3. Financial stability
4. Helps the economy
5. Promote equality
6. Empower people

The function of education is to teach one to think intensively and to think critically.

What is the considered good education :

A good education is considered to be one that fosters critical thinking, problem solving skill, a well-rounded curriculum. Practical applications of knowledge are supportive learning environment and development of social and emotional growth.

Literacy Rate :

As of 2023, the litracy rate to india was 77.7%. This is an increase from 74.04% in 2011.

Education is the movement from darkness to light.

❑

I'll Start Tomorrow

–Hemant

B.Sc.Ag. 3rd Sem

The biggest lie you tell yourself is that you'll do something you should really be doing tomorrow or at some other time. This often leads do not doing it at all resulting in a loss of trust in yourself.You keep putting something off until you reach a point where you completely abandon it because you lack confidence in yourself. If you truly intend to do something or really intend to do it now without hesitation and without excuses because that's when you'll overcome yourself and it will be much easier for you in the future. You don't even have to do the whole thing;on the wintry start small because often the beginning is the hardest and requires the mosteffort. The more you overcome this initial hurdle, the easier it will be continuing. So,thenext time you have something planned,whether it's choses like home work or learning, or things you've always wanted to do like a solo date or learning a new language, start now in small steps and don't put it off to the future because then you'll never do it.

❑

Corruption in India

–Tanya Singh
B.Sc.Ag. 1st sem

In the scared land called Bharat
Corruption has become a habit
From top brass in authority
To the lower sections and Aam Admi!

But the menace has gained strong routs
In to every sphere and progression;
All the good that is being done
Is offset by corruption!

Blame corruption for many evils
And vices that plague society;
It is the cause for democracy
Being unable to deliver its fruits!

It is the reason for rich becoming richer.
And the poor turning poorer;
It is the cause of price rise,
And taxes exorbitant!

It is why black money grows
And black marketing prevails
This is why India remains quite poor
And under developed among world nations!

If only corruption can be curbed.
India will become a paradise;
A billion souls can live in peace.
Thanks to one great India soul.

Anna Hazare for awaking Indians
Against corruption root cause of poverty!

❑

Everything Happens for a Reason

–Akanksha Singh
B.Sc.Ag. 1stsem

Everything, your highs, your lows, your happiest moments and the most painful ones,Your failures and your successes,your losses and your gains,just remember-people can't come in and out of your life for no reason. The lessons you learn and the growth that you experience is never spontaneous. It's always meant to be.There's a higher purpose A goal A final destination or a peak in your journey that you will have no idea of until you reach it but for that you need to climb the mountain for that you need to pay attention to everything and everyone around you especially those that love you and leave you there are some lesson that only people and their existence can give you. There are some lessons that only pain can bring out. There are some lesson that the biggest joys of your life will reveal to you and there are some lessons that you never knew were lessons until they walked out of your life. Think about it only then will you stop treating your growth as an ancient and start appreciating it as the most beautiful journey created just for you.

❑

Feminism and Women's Rights Movements

–Kavya Patel

B.Sc. Ag

7th semester (2024-25)

There are people who believe that we do not need feminism today, but nothing could be further from the truth. Women have struggled for equality and against oppression for centuries, and although some battles have been partly won - such as the right to vote and equal access to education – women are still disproportionally affected by all forms of violence and by discrimination in every aspect of life.

It is true that in some areas and on certain issues, there have been improvements : for example, in Saudi Arabia women were allowed, for the first time, to vote and run for office in 2015. However, on other issues there has been little or no progress : for example, there have been insignificant reductions in cases of violence against women.

The concept of feminism reflects a history of different struggles, and the term has been interpreted in fuller and more complex ways as understanding has developed. In general, feminism can be seen as a movement to put an end to sexism, sexist exploitation, and oppression and to achieve full gender equality in law and in practice.

❑

The Power of Mindset : Unlocking Your True Potential

–Adarsh Garg

B.Sc. 1st sem

Your mindset is the driving forces your thoughts, emotions and actions. It's the lens through which you view the world and yourself. Positive mindsets can proper you toward success, happiness and fulfillment, while a negative one can hold you back.

What is Mindset ?

Mindset refers to your attitude, beliefs and assumptions about yourself other and the world around you. It's shaped by your experiences around you. It's shaped by your experiences upbringing and environment your mindset influences have you perceives challenges setbacks & opportunities.

Types of Mindset :

1. Fixed Mindset
2. Growth Mindset

How to Calculate A Growth Mindset

1. Practice self-awareness recognizes your thoughts emotions and behaviors.
2. Challenges negative self-talk replace limiting beliefs with empowering ones.
3. Emphasize effort over talent Focus on the process not just the outcome.
4. Seek feedback and learn from criticism use feedback as an opportunity for growth and empowerment.

❑

Lesson

–Zainab Fatima

B.Sc. 3rd Year

We all make mistakes
It wasn't the end of the world
Yet you decided
Over your friends
    You'd rather be wasted
    Than apologize for your fakeness
    I said I'd always be there for you
    When I couldn't even be there for me
I thought you were a blessing
But you were just a lesson
Youthful we are
But what you've done
    Kills me a lot
    Cheers to our memories
    That brings heaviness
    To the hearts
Who cared for you?
Even in the dark.

❑

DIGITAL INDIA

–DishaTiwari

B.Sc. 1st sem

DIGITAL INDIA can be described as the modernization of India and its development in digital field. The excellent example of digital India is the national identity of India **"AADHAR CARD"**.AADHAR card constitute AADHAR number which have every important information related to that person.Every national levels form or application forms in schools in office etc. AADHAR ID is necessary. You can get information of a particular person just buy their **AADHAR ID**.India is a democratic country and democracy gives every citizen right to vote and choose their leader for country, this shows the developing India image as the time moves India is stepping their feet's in online paying fastly, today at every shops, every auto drivers, every person use online payment and have their QR code for online transaction this shows our digital India phone to phone transaction makes safe payments and it also reduces the probability of Black money marketing.In Pandemic 2019 **(COVID-19)** when schools were closed student starts studying online and this increase the education and spread knowledge to every corner of India and those children also who cannot afford to go out to cities for further studies. 4 see schools of 2047 having digital boards, digital cards and digital attendance system like your phone acts like your wallet nowadays.

Door to Door delivery of cloths and goods are in trend. Now a days online shopping, online ticket booking is also part of **DIGITAL INDIA**.Development of Airport, Metro Stations, Railway Stations, New Colleges it all contributes to **NEW INDIA**.

❑

मृत्यु से कठिन किसानी है

—माधवेन्द्र प्रताप यादव
बी. एस-सी.(कृषि)
सप्तम सेमेस्टर (2024-25)

पनघटों से आज पानी कौन भरना चाहता है।
मरघटों पर प्रथम जाकर कौन मरना चाहता है॥
भोजनों में भोज छप्पन चाहते हैं सब मगर।
गाँव में खेती किसानी कौन करना चाहता है॥
सर पर गमछा हाथ में थैला।
फटा पजामा कुर्ता मैला॥
रिश्तों से परहेज नहीं।
बेटी के लिए दहेज नहीं।
आँखों से बहता निर्मल जल।
पैरों में है टूटी चप्पल॥
आभा में आँखें मीच रहे।
वे खेत खून से सींच रहे॥
पीड़ाओं के वे मालिक हैं।
सारी दुनिया के पालक हैं॥
करुणा को पीने वाले हैं।
घुट-घुटकर जीने वाले हैं॥
यह खेती किसानी सरल नहीं।
मत घबराना यह गरल नहीं॥
पर इतनी भी आसान नहीं।
मुरली की कोई तान नहीं॥
यह खेती किसानी सहनशील।
वायु से ज्यादा गतिशील॥
पानी से ज्यादा प्यासी है।
मन से ज्यादा अभिलाषी है॥
रंगहीन नहीं यह धानी है।
करती हरदम मनमानी हैं॥
सच में यह एक कहानी है।
मृत्यु से कठिन किसानी है।।

❑

जिन्दगी : एक सफर है सुहाना

—आकांक्षा सिंह
बी०एस-सी० (कृषि)

जिन्दगी एक सफर है सुहाना,
कभी धूप तो कभी शबनम का तराना।
हर मोड़ पे मिलती है कहानियाँ नई,
कुछ हँसी की गूंज, तो आँखों में नमी।
सपनों की मंजिले कहीं दूर दिखती हैं,
फिर भी चलने की जिद न रुकती है।
राहे मुश्किलों से भरी क्यों न हों,
हौसले चिंगारी कभी नहीं सोती है।
हर सफर का अपना मजा होता है,
गिरने का और उठने का सजा होता है।
इसलिए जी ले हर लम्हा मुस्कान से भरा,
क्योंकि जिंदगी का सफर है सबसे सुहाना।

❑❑

जल संरक्षण

—अंशिका मिश्रा
बी०एस-सी० प्रथम सेमेस्टर

जल जीवन का आधार है
बिन पानी सब बरबाद है।
बूँद-बूँद हमारे लिए जैसे अमृत की प्यास है,
बहाओ मत इसे हर कतरा ईश्वर
का दिया हुआ आशीर्वाद है।
जल से चलता संसार है,
इसको गंदा करना हमारे लिए पाप है,
जल से ही तो चलता जीवन का संचार है।
जल है तो हर जीत की कहानी है,
बिना इसके न कोई मनुष्य और
न ही कोई प्राणी है।
जल है जीवन का अनमोल रतन इसे बचाने का करो जतन।

❑

वर्तमान की घटनाएँ

—श्रेया चौधरी
बी० एस-सी० (कृषि)
पंचम सेमेस्टर

अच्छी थी पगडंडी अपनी।
सड़कों पर तो जाम बहुत है।।
फुर्र हो गई फुर्सत अब तो।
सबके पास काम बहुत है।।
नहीं जरूरत बूढ़ों की अब।
हर बच्चा बुद्धिमान बहुत है।।
उजड़ गए सब बाग बगीचे।
दो गमलों में शान बहुत है।।
मट्ठा, दही नहीं खाते हैं।
कहते हैं जुकाम बहुत है।।
पीते हैं जब चाय तब कहीं।
कहते हैं आराम बहुत है।।
बंद हो गई चिट्ठी, पत्री।
फोनों पर पैगाम बहुत है।।
आदी हैं ए.सी. के इतने।
कहते बाहर घाम बहुत है।।
झुके-झुके स्कूली बच्चे।
बस्तों में सामान बहुत है।।
सुविधाओं का ढेर लगा है।
पर इंसान परेशान बहुत है।।

❑❑

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

—रजनी
एम० एस० डब्ल्यू० (प्रथम वर्ष)

कोई अभिशाप कहता है कोई अधिकार कहता है,
बेटी वरदान है कुल की यही संसार कहता है।
जो कल तेरे घर में थी वही अब मेरे घर में है,
बहू बनकर भी नारी को कोई बेटी ही कहता है।
जो रिश्ता प्यार का परिवार में हक से निभाती हो,
लाज परिवार की खातिर लाज से लाज खाती हो।
वचन अपना निभाने को सदा तैयार रहती है,
ये दुनिया आज बेटी को कुलों की शान कहती है।
जो तेरे घर भी होती है जो मेरे घर भी होती है,
वो सबकी पोंछकर आँखें स्वयं जो अश्रु धोती है।।
ना तो लंबी कोई चाहत ना ही कुछ माँगती घर से,
तभी तो देश की नारी रही बढ़कर सदा नर से
सितम या जुल्म जो भी हों सभी वो खूब सहती है,
मगर वो बिंदु निज मुख से नहीं अपशब्द कहती है।
वो मूरत धीरता की वीरता की या कि नारी है,
वो अपनी शक्ति से ही आज हर नर नर पे भारी है।
आज बेटों से ज्यादा देख लो तुम बेटियाँ हरदम,
वही दीपक वही बाती वही माँ-बाप का मरहम।
नहीं है बोझ वो कुल का वो रिश्ते प्यार के धागे,
अभावों में रही फिर भी रही बेटों से भी आगे।
अरे वो मूर्ख हैं जो भेद निज संतान करते हैं,
सदा बेटों पे मरते हैं और बेटी से डरते हैं।
वही दुर्गा वही शक्ति वही है सृष्टि की दाता,
वही बहना वही बेटी वही है बहू फिर माता।
सरकारी नियमों में देखो नया नियम जब आम हुआ,
दो बच्चों का नियम बनाकर जनसंख्या पर काम हुआ।
एक और तुम नियम बना दो नहीं तुम्हारी होगी हेटी,
उसको बहू नहीं मिल सकती जिसके घर ना होगी बेटी।

❑❑

कोशिश करने वालों की हार नहीं होती

—मानसी यादव
बी०एस-सी०-गृहविज्ञान तृतीय वर्ष

लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।
नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।
डुबकियाँ सिंधु में गोताखोर लगाता है,
जा-जा कर खाली हाथ लौटकर आता है।
मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में,
बढ़ता दुगना उत्साह इसी हैरानी में।

मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।
असफलता एक चुनौती है, स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़ मत भागो तुम।
कुछ किये बिना ही जय-जय कार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

❑❑

सामाजिक एकता

–अंशिका पाण्डेय
बी०एस-सी० (कृषि)
पंचम सेमेस्टर

एकता मिटटी ने की तो ईंट बनी,
ईंट ने की तो दीवार बनी,
दीवार ने की तो घर बना,
ये सब बेजान चीजें हैं,
ये जब एक हो सकते हैं,
तो हम तो इंसान हैं!!
समाज के विकास के लिए हो,
जरूरी आपसी सहयोग एकता,
लेकिन यह भाव अंतर्मन से हो,
कोई छल-कपट इसमें नहीं चलता!!
अकेले में अक्सर हम अपनी परछाइयों से डर जाते हैं,
साथ मिले अगर किसी का तो हम दुनिया जीत जाते हैं।

❑ ❑

Leadership Studies

–Afreen Bano
M. Lib.

Your time is limited so don't waste it living someone else's life. Don't be trapped by dogma which is living with the result of other peoples Thinking Don't let the noise of other's opinions drown out your own inner voice and most important have the courage to follow your heart and intuition. They somehow already knew what you truly want to become everything else is secondary.

❑

सफलता न मिलने का कारण कार्य-प्रणाली में कहीं न कहीं खामी है, जिसे आत्मावलोकन व आत्मविश्लेषण से काफी हद तक सुधार किया जा सकता है।

Be A Nurse

—Ms. Preeti Chakrawarti
Nursing Tutor

As I look all around me.
And see how life has changed.
All my younger hopes and dreams.
Have all been rearranged.
I used to want to be a hero.
Fly around just doing good.
Learning as I got older.
To do the things I should.
I never wanted to be famous.
Or own big fancy cars.
Or set foot on the moon.
And study all the stars.
I did not seek out power.
To tell others what to do.
But if I could be like anyone.
I'd want to be like you.
Helping little children.
And some older people too.
If I could go back in time.
I know just what I'd do.
I would not look for diamonds.
Or lots of money in a purse.
I would be the best of heroes.
I would become a nurse.

❑

Few Psyhological Facts About Human Behaviour

—Ms. Divya Pal
Nursing Tutor

It take about 66 days for an individual to learn new habit

An average individuals mind wonders about 30% of the time.

Eye pupil rises to 45% when an individual looks at somebody they love.

If you cry out of happiness the first year will come out of your right I but if you are crying out of sorrow the tear will come out of your left eye.

Hearing a single negative thing could damage 5 positive memory.

The smarter than individual the more selective he becomes.

People who speak too languages can unintentionally change their personality when they switch from one language to another.

Being alone is harder for your health and you believe.

We are more imaginative during night.

Being home alone for a long time is just as bad as smoking 15 cigarettes are day.

People between the age group 18 and 33 have the highest percentage of depression in the world.

Women have half as many pain receptor as man in their body but they have much great threshold for pain.

If you have a plan B chances for your plan A to succeed is less.

Staying positive toward your future can powerfully shield you from physical and mental illness.

A hug longer than 20 seconds will produce hormone in your body that makes you trust the individual who is hugging you.

You feel more happy when you spend money on your dear once.

❑

Some quotes and lines about nursing

—Ms . Divya
Nursing Tutor

Inspirational Quotes

1. "Nursing is not just a profession, it's a passion, a calling, and a way of life."
2. "Compassion, empathy, and kindness are the foundation of nursing practice."
3. "Nurses are the heartbeat of healthcare, providing care, comfort, and compassion to those in need."

Appreciation for Nurses

1. "Nurses are the unsung heroes of healthcare, working tirelessly behind the scenes to provide exceptional care."
2. "A nurse's touch is not just physical, but emotional and spiritual, providing comfort and solace to patients and families."
3. "Nurses are the glue that holds the healthcare system together, providing coordination, communication, and care."

Nursing as a Profession

1. "Nursing is a profession that requires dedication, hard work, and perseverance, but also offers immense rewards and satisfaction."
2. "Nursing is a dynamic and ever-evolving profession, requiring continuous learning, professional development, and innovation."
3. "Nurses are knowledge workers, using evidence-based practice, critical thinking, and clinical judgment to provide high-quality care."

Personal Qualities of Nurses

1. "A good nurse is not just knowledgeable, but also compassionate, empathetic, and caring."
2. "Nurses must possess excellent communication skills, being able to listen, educate, and advocate for patients and families."
3. "Nurses require resilience, adaptability, and flexibility, being able to work in high-pressure environments and respond to changing situations."

❑❑

जुनून

उड़ान हौसलों की

—Ms. Sandeepa Patel
(Nursing Tutor)

जब पूछा चिड़िया से कि कैसे बना आशियाना
बोली भरनी पड़ती है उड़ान बार बार
और तिनका तिनका उठाना पड़ता है
यूं ही नही मिलती राही को मंजिल
एक जुनून दिल में जगााना होता है।।

❑

बेटी

—Mr. Anukool Mishra
(Nursing Tutor)

कॉलेज के लिए बस्ता रखते हुए बिटिया बैग में कॉपी किताबों के रूप में सहेजती है

माँ के सपने, पापा की उम्मीदें और भाई के विश्वास को

इन्ही सम्बलो के सहारे खुद के लिए बनाती है

अनगिनत लक्ष्य सहेजती है उन्हे भी बैग के ऊपरी भाग में।।

❑

Nursing Rhymes

—Ashwani Srivastav
B.Sc. Nursing I Sem

(1) The caring nurse
A nurse so kind, both day and night
Brings patients hope and shines so bright
With gentle hands and heart so true
She help them heels sees them through.

(2) The Nurse promise
Bandage medicine a comforting smile,
Staying with patient all the while
Checking pulse whipping tears
Bringing comfort coming fears

(3) A nurse day
Early morning late at night,
working hard to make a thing right.
From healing hand to words so sweet
A nurses make their feel complete.

(4) The angel in scrubs
Not all heroes wear a a cap.
Some wear scrubs and keep us safe.
Through every ache , through every pain.
A nurses is there to heal again.

5) The nurse heart

A nurses heart is made of gold,
A gentle touch a hand to hold,
Through pain and fear they light the way,
Bringing hope to each new day.

❑

Soul of Bhavdiya

—Yashvardhan
B.Sc. Nursing 1st Semester

In hall of learning , bright and grand,
Bhavdiya spirits takes a stand .
Forlty student heart keen,
By fifteen mentors wisely seen.
Each down unfolds, a joyful start,
With knowledge shield and open heart .
laughter echoes, friendship bloom,
Dispelling shadows chasing gloom.
A tape story of minds so bright,
Where empathy ignite the light.
Hand in hand they learn and grow ,
Compassion seeds they gently saw.
Bhavdiya embrace a nurturing guide,
Real dreams take flight and future ride.
I have been built on trust and care ,
where every sold fine Jo I to share.
Kindred spirits, bound as one,
With wisdom sought and battle won.
A symphony of thought and dead ,
Bhavdiya love a cherished creed.
Through trials faced and triumphs won,
Their band remains, second to none.
A beacon shining, clear and true,
Bhavdiya heart forever New.

❑

Florence Nightingale

— Pallavi Patel
B.Sc. Nursing 1st Semester

Status of you are worldwide
You fill all nurse with pride
The lady with the lamp that burnt so bright
Watching over as throughout the night
You reformed hospital everywhere
And thought us how to love and care
Strict dress code and hygiene to
This all held people full through
Wash our hand and face as well
It is not only just kill of smells
Germs living on the skin
Can pass to your infirm.
wash them regular everyday
To keep those germs far away
You thought all nurse very well
To help give it patterns clean bill of health
We follow your standard till present day
So Florence good bless you we say

❑

Do you know what is she?

—Tiam Fatima
B.Sc. nursing 5thsem

The one who always care you as the like your mother.
The one who never want to harm you
The one who run in hospital all the day and night?
The one who know value of life
The one who is Angel but not having wings she have scrubs.
The one who is heart of healthcare
The person who is typically present at the last moment of life
Yes you are right she is the Nurse

❑

Struggle of Student Life

—Oshika Singh
B.Sc nursing 5th semester

It's okay to feel overwhelmed, but remember you are capable of more than you think, everyone face challenge keep pushing forward struggle is a part of the learning process do not let it discourage you.

Ask for the help when you need it there's are no shame in that believe in yourself you can overcome this small steps everyday can lead to big process

Life may be a tough
Things will get rough
They will be a bad days
IT may all seem like haze
But through it all
Always, allay stand tall
Giving up it not an option
Never turn
Your back and run through
Good times and bad through
Happy times and sad
As long as you keep moving
You all level stop growing.

❑

Educational Thought

—Keerti Verma
B.Sc. Nursing 5th Sem.

The purpose of
education is to
make a good human
beings with a skill
and expertise
Enlighted human
Being can be
Created by Teachers

❑

Nature

—Aashira Bano
GNM 2nd Year

Nature is the source of all true knowledge. Nature is the purest portal to inner-peace. When you do something noble and beautiful and nobody noticed, do not be sad. For the Sun every morning is a beautiful spectacle and yet most of the audience still sleeps.

The fairest thing in nature, a flower. Still has its roots in earth and nature. The poetry of the earth is never dead, if you truly love nature, you will find beauty everywhere.

❑

The ode to the beautiful college days

—Priya Mishra
B.Sc. Nursing 1st Sem.

Sweet were the days
of semester one
gossip ragging classes
and so much fun
Together we spent,
those sleepless nights,
Drama before exams,
those endless fights
before we got used to it ,
time all but flew
the holiday were over
and it was a semester two
attendance was the problem
But we learned to corporate
Proxies become a thing
much to the prof. hate.

❑

Story

—Twinkle Singh
B.Sc. Nursing 5th Semester

In hand that heal, a story told,
Of life mended, young and old,
Gentle touch, firm and bold
In their grasp, live takes hold.

Only the healing art enable want to make a name for himself and at the same time give benefit to others.

❑

Drug Note

—Sakshi Patel
B.Sc. Nursing 5th Semester

"You are wrong if you think
addiction to drugs can make
You forget everything
Because addiction does not
help you forget them for ever".

❑

Our Profession

—Anjali Dhuria
B.Sc. Nursing 5th Sem.

"Nurses are there when the last breath is taken, and nurses are there when the first breath is taken. Although it is more enjoyable to Celebrate the birth, it is just as important to comfort in death."

❑

Nursing as a Profession

—Sunita Maurya
B.Sc. Nursing 5th Semester

"A nurse is one who Open the eyes of a newborn and gently close the eye of a dying man. It is indeed a high blessing to be the first and the last to witness the beginning and end of life."

❑

The Nurse

—Sakshi Verma
B.Sc. Nursing First Semester

The world grows better year by year
Because some nurse in her little sphere
Put on her apron and grins and sing
And keeps on doing the same old things.

Taking the temperature, giving the pills
To remedy mankind's number less ills,
Feeding the baby, answering the bells
Being polite with the heart that rebels.

Longing for whom and all the while
Wearing the same old professional smile
Blessing the newborn babies first breath
Closing the eye that are still in death.

Taking the blame for the doctors mistakes,
Oh Dear, what are lot of patience it takes,
Going of duty at 7 o'clock
Tired, discourage and ready to drop.
But called bat on special at seven fifteen
With woe in her heart, but it must not be
Morning and evening, and known and night
Just doing it over and hoping its right.

When we lay down our caps and cross the bar
Oh lord, will you give us just one little star,
To wear in our crown with our uniforms, new
In that city above, where the head nurse is you.

❑

Motivational Thought

—Shraddha Prajapati
B.Sc. Nursing 5th Sem.

All birds find shelter
During rain but the
Eagle avoid rain
By flying above the cloud
Problems are common but
Attitude make the difference.

❑

कलम की ताकत

—Jyoti Arya
GNM 2nd Year

मैं कलम हूँ इतिहास बदलने का दम रखती हूँ।
युद्ध हो या शांति हो, फैली कितनी भी भ्रांति हो
मैं कलम हूँ सबका हिसाब रखती हूँ।
जाति, पाति, धर्म, वर्ग का भेद मुझे नहीं भाता
मैं कलम हूँ सबकी बातें लिखती हूँ।
वीर हो या बलवान हो, शत्रु कितना भी धनवान हो
मैं कलम हूँ सबको झुकाने का दम रखती हूँ।
यादें हों या बातें हों आपस की मुलाकाते हों
मैं कलम हूँ दिल के जज्बात लिखती हूँ।
शोषितों की आवाज हूँ हर लेखक की तलवार हूँ।
मैं कलम हूँ सच की राह पर चलती हूँ।
फिर भी न जाने क्यूँ मेरा शोषण होता है
मेरी ताकत का गलत प्रयोग होता है
मैं कलम हूँ अपनी बेबसी पर भी लिखती हूँ
मैं कलम हूँ इतिहास बदलने का दम रखती हूँ।।

❑

कालेज जीवन

—Archana Verma
GNM 2nd Year

1. कॉलेज जीवन मेरे लिये एक नये अध्याय की शुरुआत है।

2. यहाँ मैंने नये दोस्त बनाये और अनुभव प्राप्त किये।
3. कॉलेज जीवन में मैंने अपने सपनों को पूरा करने के लिए काम किया।
4. यहाँ मैंने अपने शिक्षकों से बहुत कुछ सीखा।
5. कॉलेज जीवन में मैंने अपने समय का सदुपयोग किया।
6. यहाँ मैंने अपने जुनून को पहचाना और उसके लिए काम किया।
7. कॉलेज जीवन में मैंने अपने आत्मविश्वास को बढ़ाया।
8. यहाँ मैंने अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत की।
9. कॉलेज जीवन में अपने जीवन के सबसे यादगार पल बिताये।
10. यहाँ मैंने अपने भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रखी।

❑

कुछ शब्द माता-पिता के लिए

—Muskan Singh
B.Sc. Nursing Ist Sem.

जन्नत का हर लम्हा दीदार किया था,
गोद में उठाकर जब माँ ने प्यार किया था।
माँग लूँ फिर यही जहान मिले,
फिर वही गोद वही माँ-बाप मिलें।
कुछ भी सहना नहीं आया,
कुछ भी कहना नहीं आया,
मुझे माता-पिता बिना,
अभी तक रहना नहीं आया।
मुझे रख दिया छांव में,
खुद जलते रहे धूप में,
मैंने देखा है एक फरिश्ता,
अपने पिता के रूप में।
जिन्दगी के हालात थका देते हैं,
तो उस लम्हे में पापा की एक बात
हौसला बढ़ा देती है, मेरी बेटी तो बहादुर है।
बेटी के जीवन में पापा की,
दुआएं वो अमृत हैं,
जो हर पल, हर कदम पर
बेटी का साथ देती हैं।
जो पिता एक बेटी के लिए जीवन वार देता है
उस बेटी को पिता नहीं, भगवान् का दीदार होता है।

❑

एक लड़की समाज से कुछ कहना चाहती है

—Reena Chaurasiya
B.Sc. Nursing 1st Semester

शर्म आनी चाहिए उस सोच को,
जो हमें जन्म लेने से रोकते हैं।
शर्म आनी चाहिए उन लोगों को,
जो हमें खुद के फैसले लेने का अधिकार नही देते हैं।
शर्म आनी चाहिए उस समाज को,
जो हमें सामाजिक बेड़ियों में बांधती है।
शर्म आनी चाहिए उस पिता को,
जो हमें चाँद और सूरज दिखाकर उसे छूने का अधिकार नही देता है।
शर्म आनी चाहिए उस सोच को,
उन लोगों को, उस समाज को, उस पिता को
जिस दिन साक्षी मलिक और पी. वी. सिन्धु ने ओलम्पिक में तिरंगा लहराया होगा।
देश का नाम रोशन करके, इक बार मुस्कुराया होगा।

❑

पिता

—Nandani
GNM 2nd Year

कंधों पर झुलाया कंधों पर घुमाया
एक पापा की बदौलत ही मेरा
जीवन खूबसूरत बन पाया।।
मुझे रख दिया छांव में,
खुद जलते रहे धूप में
मैंने देखा एक फरिश्ता
अपने पिता के रूप में।।
हजारों की भीड़ में,
पहचान लेते हैं पापा
कुछ कहे बिना ही
सब जान लेते हैं पापा।।
मेरी रब से एक गुजारिश है,
छोटी-सी लगानी एक सिफारिश है
रहें जीवन भर खुश मेरे पापा,
बस इतनी-सी मेरी ख्वाहिश है।।
माता पिता के आंसुओं को,
अपनी आंखों में लिए फिरती है बेटी......
तकलीफ हो उन्हे अगर तो
बेचैन रहती है बेटी.....।।

❑

माँ

—Ankita Verma
GNM 2nd Year

माँ है मेरी सबसे प्यारी,
खुशियों की है वो फुलवारी।
पैरों में है उसके जन्नत,
पूरी करे हमारी सब मन्नत।
लोरी गाकर हमें सुलाती,
प्यार से वो सुबह उठाती।
सीने से हमें लगाकर रखती,
दूर कभी न खुद से करती।
खुशियाँ हमको सारी देती,
गलती पर वो डाँट लगाती।
माँ है मेरी सबसे प्यारी,
खुशियों की है वो फुलवारी।

❑

मेरा प्यारा परिवार

—Antima
GNM 2nd Year

पापा

मेरे लिये मेरे पापा मेरी जहान हैं,
मेरी सबसे बड़ी पहचान है।
अगर माँ जमीन है तो पापा मेरे लिये पूरा आसमान हैं।
बेमतलब की इस दुनिया में वो मेरी शान हैं
किसी शख्स के वजूद की पापा ही पहली पहचान हैं।
मेरे लिये मेरा पहला प्यार, मेरे सबसे अच्छे दोस्त
मेरी डिग्री मेरी कलम मेरा अस्तित्व हैं।
मेरे होठों की मुस्कान हैं।
मेरे पापा मेरी आशा मेरा सम्मान हैं,
मेरे पापा मेरा अभिमान हैं।

माँ

मेरी माँ वो है जिसको मैं शब्दों में बयाँ नहीं कर सकती।
मेरी माँ का प्यार अमूल्य है जिसको कभी तोल नहीं सकती।
माँ आज तो पता चल ही गया कि प्यार अंधा होता है।
क्योंकि आपने तो बिना देखे ही प्यार करना शुरू कर दिया
और आज भी बेइन्तहाँ प्यार करती हैं।
कहाँ होता है इतना तजुर्बा किसी हकीम के पास
मेरी माँ आवाज सुनकर बुखार नाप लेती है।
माँ शब्द एक दवा की तरह होती है।

जिसके नाम से ही सब दुख दूर हो जाता है।

भाई

मेरा एक भाई है जो मेरी हिम्मत है मेरा वो सहारा है
मेरा भाई मुझे मेरी जान से भी प्यारा है।
दिल के रिश्ते को कभी जताता नहीं,
लेकिन जान से ज्यादा मानता है।
ये कभी दिखाया नहीं
खुशनसीब हूँ मैं जो मेरे सिर पर मेरे भाई का हाथ है।
हालात चाहे जैसे भी हों मेरा भाई मेरे साथ है।

बहन

बिना कहे हर बात जान लेती है।
यह हुनर सिर्फ मेरी बहन रखती है।
मेरे जीवन की सबसे अच्छी दोस्त है।
मेरी बहन जो मुझे फूलों जैसे सम्भाल कर रखती है।
मानो या न मानो बहुत लकी हूँ मैं
जो मुझे इतना ज्यादा प्यार करने वाली बहनें मिलीं।
मेरी बहन ही है जो माँ के जैसा ख्याल रखती है मेरा।

❑

शिक्षक

—Mahima Gupta
B.Sc. Nursing I Sem.

जीवन में जो राह दिखाए,
सही तरह चलना सिखाए,
माता-पिता से पहले आता,
जीवन में सदा आदर पाता।
सबको मान प्रतिष्ठा जिससे,
सीखी कर्त्तव्यनिष्ठा जिससे,
कभी रहा न दूर मैं जिससे,
वह मेरा पथ प्रदर्शक है जो,
मेरे मन को भाता,
वह मेरा शिक्षक कहलाता।
कभी है शांत, कभी है धीर,
स्वभाव में सदा गम्भीर,
मन में दबी रहे ये इच्छा,
काश मैं उस जैसा बन पाता,
जो मेरा शिक्षक कहलाता।

❑

जीवन गाथा

—Kanchan Gupta
B.Sc. Nursing V Sem.

ये जिन्दगी की कहानी है,
बहता हुआ-सा पानी है,
हर पल कुछ नया दिखाता है,
कभी खुशियाँ कभी मायूसी दे जाता है,
भरकर अपने अन्दर खुशी को,
हर गम से सीखते चलो,
जो गिर गये तो क्या हुआ,
उठकर फिर आगे बढ़ो,
जब काले घने अन्धेरों में भी,
तुम ढूंढ लोगे रोशनी,
उस दिन गम हारेगा,
और जीतेगी तो बस खुशी।

❑

जब नानी के घर हम जाते हैं

—Vinita Kumari
GNM 2nd Year

जब नानी के घर हम जाते हैं
सभी के जुबां पे छा जाते हैं
खूब बदमाशी, खूब शरारत करते करते दिन कट जाते हैं
क्या छोटे, क्या बड़े, सभी से हम भिड़ जाते हैं
कोई पकड़े उससे पहले आँखों से ओझल हो जाते हैं।
जब नानी के घर हम जाते हैं।
दूसरों के बाग- बगीचे भी अपने ही नजर आते हैं
कभी आम कभी लीची खा- खा के ऊब जाते हैं
दूध, मलाई, मक्खन और पेड़ा का जमकर भोग लगाते हैं।

जब नानी के घर हम जाते हैं
पढ़ाई के बोझ से मुक्ति पाते हैं
सभी भाई- बहनों संग खूब धमा- चौकड़ी मचाते हैं
नाना - नानी, मामा- मामी से खूब दुलार पाते हैं
पूरी की पूरी छुट्टी हम यूं ही मस्तियों में बिताते हैं
जब नानी के घर हम जाते हैं।

❑

जिन्दगी

—Shivanshi Kashyap
B.Sc. Nursing 1st Sem.

जब बचपन था, तो जवानी एक ड्रीम था
जब जवान हुए, तो बचपन एक जमाना था
जब घर में रहते थे, आजादी अच्छी लगती थी
आज आजादी है, फिर भी घर जाने की जल्दी रहती है।
कभी होटल में जाना पिज्जा बर्गर खाना पसंद था
आज घर पर आना और माँ के हाथ का खाना पसंद है।
स्कूल में जिनके साथ झगड़ते थे
आज उनको ही इन्टरनेट पर तलाशते हैं
खुशी किसमें होती है ये पता अब चला है
बचपन क्या था, इसका एहसास अब हुआ है
काश बदल सकते हम जिन्दगी के कुछ साल
काश जी सकते हम, जिन्दगी फिर एक बार।

❑

प्रकृति

—Akanksha Gautam
GNM 2nd Year

प्रकृति की सुन्दरता, मन को भाती है,
हर पल, हर दिन, नया जीवन देती है।
प्रकृति हमारी जीवन की सबसे धरोहर है।
वह हमें आक्सीजन, पानी और भोजन प्रदान करती है
प्रकृति की सुन्दरता हमारे मन को शांति और आनन्द प्रदान करती है।
वह हमारे जीवन को संतुलित और स्वस्थ बनाती है
प्रकृति हमारे जीवन को सुन्दरता प्रदान करती है।
प्रकृति के बिना हमारा जीवन अधूरा और असम्भव होगा,
वह हमें जीवन के मूल्यों और महत्त्व को सिखाती है।
प्रकृति की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है
वह हमें अपने जीवन को सुधारने और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करती है।
प्रकृति की सुन्दरता और विविधता हमें आश्चर्यचकित करती है,
वह हमारे जीवन को अर्थ और उद्देश्य प्रदान करती है।
पेड़ों की हरियाली, फूलों की खुशबू,
पक्षियों की आवाज, मन को गुदगुदाती है।

❑

This document was created with the Win2PDF “Print to PDF” printer available at

https://www.win2pdf.com

This version of Win2PDF 10 is for evaluation and non-commercial use only.
Visit https://www.win2pdf.com/trial/ for a 30 day trial license.

This page will not be added after purchasing Win2PDF.

https://www.win2pdf.com/purchase/